राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार, 21 फ़रवरी 2026

वर्ष 07, अंक 141, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पहले जुमे दिन सैकड़ों नमाजी पहुंचे मस्जिद....06

ग्राम पंचायत शेरवा में स्वच्छता मार्ट का बीडीओ ने किया उद्घाटन...07

चल रहा है ब्लेम गेम... बंगाल में एस. आई.आर पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

● न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में लॉजिकल डिस्क्रीपेंसी मामले में रिटायर्ड जजों सहित न्यायिक अधिकारियों को तैनात करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच सहयोग की कमी पर चिंता जताई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के लॉजिकल डिस्क्रीपेंसी मामले में रिटायर्ड जजों समेत ज्यूडिशियल अधिकारियों को तैनात करने का आदेश दिया. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य सरकार और इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) के बीच सहयोग की साफ कमी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'दुर्भाग्य से आरोप-प्रत्यारोप का एक ब्लेम गेम चल रहा है, जो राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच भरोसे की कमी दिखाता है. ' कोर्ट ने कहा कि अब यह प्रोसेस उन लोगों के क्लेम और ऑब्जेक्शन के स्टेज पर अटका हुआ है, जिन्हें लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी लिस्ट में शामिल किया गया है. जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए थे, उनमें से ज्यादातर ने वोटर लिस्ट में शामिल होने के अपने क्लेम के सपोर्ट में अपने डॉक्यूमेंट्स जमा कर दिए हैं।

28 फरवरी को वोटर लिस्ट जारी करने की दी अनुमति

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी तार्किक विसंगति सूची में शामिल लोगों के दावों और आपत्तियों पर फैसला करेंगे उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को 28 फरवरी को बंगाल में मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी. हालांकि, इसमें कहा गया है कि पूरक सूची बाद में भी जारी की जा सकती है. उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मुख्य सचिव, डीजीपी और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों समेत सभी हितधारकों की बैठक बुलाने को कहा है।

राज्य की भूमिका पर जताई नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट अधिकारियों की नियुक्ति में राज्य की भूमिका पर नाराजगी जताई. पिछले हफ्ते राज्य द्वारा नियुक्त अधिकारियों की पहचान

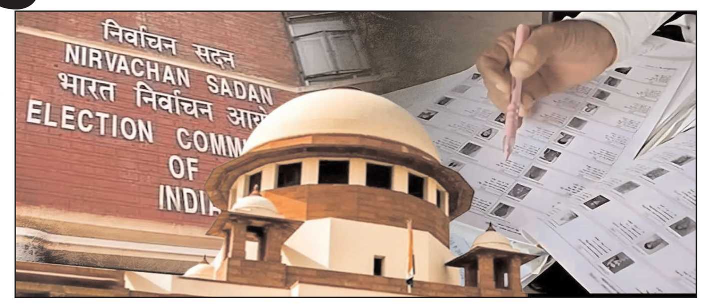

को लेकर सवाल उठाए गए थे. आज सुनवाई की शुरुआत में उन अधिकारियों को लेकर फिर से सवाल उठाए गए. चीफ जस्टिस सूर्यकांत जानना चाहते थे कि अधिकारियों की नियुक्ति हुई है या नहीं. राज्य ने कहा कि 8,505 अधिकारियों की जानकारी पहले ही कमीशन को दी जा चुकी है।

आज सुनवाई की शुरुआत में चुनाव आयोग ने शिकायत की कि जिन डॉक्यूमेंट्स की जांच होनी थी, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आयोग ने उन डॉक्यूमेंट्स को अपलोड करना बंद कर दिया. उसके बाद चीफ जस्टिस जानना चाहते थे कि ग्रुप क्कअधिकारियों का अभी क्या स्टेटस है? चीफ जस्टिस ने आज पूछा कि क्या आयोग को सही क्वालिफाइड अधिकारी मिल गए हैं।

आयोग के वकील ने कहा कि इस बारे में राज्य सरकार को एक लेटर लिखा गया है. राज्य ने बताया कि मामले पर विचार किया जा रहा है. आयोग के वकील ने कहा, 'हमें इंतजार करने के लिए कहा गया है. अधिकारियों की कमी के कारण हमें दिक्कत हो रही है.' चुनाव आयोग ने धमकियों का मुद्दा उठाया. इस परसीजेआई ने कहा कि इस तरह के बयान राज्य में संवैधानिक प्राधिकार के खिलाफ दिए जा रहे हैं. यह अलार्मिंग है।

एसआईआर प्रोसेस में जिम्मेदार रोल निभाना होगा

राज्य की ओर से एक और वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सिर्फ 69 एसडीओ रैंक के ऑफिसर हैं. यह सुनकर चीफ जस्टिस ने कहा, जो लोग इस ईआरओ पद पर होंगे, उन्हें ज्यूडिशियरी की तरह काम करना होगा. उन्हें जज की तरह तय करना होगा कि किसी का नाम होगा या नहीं. यह किसी क्लर्क का काम नहीं है. अगर आपके पास काफी ऑफिसर नहीं हैं, तो आप कमीशन से अपने ऑफिसर लाने के लिए कह सकते हैं. जस्टिस जयमाल्या बागची ने कहा कि कमीशन की प्रॉब्लम यह है कि उसके ऑफिसर्स को बंगाली की कोई जानकारी नहीं है. इस बीच, चीफ जस्टिस ने कहा, दोनों पार्टियों को SIR प्रोसेस में जिम्मेदार रोल निभाना होगा.

आयोग के कामकाज में शामिल होंगे न्यायिक अधिकारी

चीफ जस्टिस ने कहा कि इस पर सोचा जा सकता है कि क्या पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रोसेस को देखने के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट से कोई ज्यूडिशियल ऑफिसर अपॉइंट किया जा सकता है वह ऑफिसर कमीशन और सरकार दोनों के साथ कोऑपरेट करेगा. चीफ जस्टिस ने कहा कि एसआईआर प्रोसेस को पूरा करने के लिए दूसरे राज्य से कोई ऑफिसर लाया जाएगा. सिब्बल ने कहा, कोई प्रॉब्लम नहीं है. एक ज्यूडिशियल ऑफिसर अपॉइंट किया जा सकता है. कमीशन के वकील ने कहा, हमें ऐसी प्रॉब्लम सिर्फ पश्चिम बंगाल में आ रही है. किसी दूसरे राज्य में ऐसी प्रॉब्लम नहीं है. पश्चिम बंगाल में नाम हटाने की रेट काफी कम है. कमीशन के वकील ने हर राज्य में कितने नाम हटाए गए हैं, इसके आंकड़े दिए।

4 गिरफ्तार, 7 फरार और 11 सवाल... कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट में कहां तक पहुंची दिल्ली पुलिस की जांच?

भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस के प्रोटेस्ट को लेकर दिल्ली पुलिस दिल्ली-एनसीआर में छापेमारी कर रही है. इस मामले में अभी तक कुल चार गिरफ्तारियां हुई हैं. बाकी 7 प्रदर्शनकारियों को लेकर दबिश दी जा रही है. करीब 15 से ज़्यादा वीडियो क्लिप्स के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है. फरार प्रदर्शनकारियों के फोन बंद हैं।

दिल्ली पुलिस ने यूथ कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी विकास चिकारा से संसद मार्ग थाने में पूछताछ की है. चिकारा का कहना है कि हम यूथ कांग्रेस के दफ्तर से कहीं जाने के लिए बाहर निकले थे. बीच रास्ते से पुलिस ने हमें हिरासत में लिया और थाने ले आई है।

इन बिंदुओं पर जांच कर रही दिल्ली पुलिस

» प्रदर्शनकारी मंडपम तक कैसे पहुंचे?

» पहले कहां रुके हुए थे?

» दिल्ली कब आए?

» अगर गाड़ियों से आए, तो गाड़ियां किसकी थीं?

» पकड़े गए आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच की जा रही

» हंगामा करने से पहले उन्होंने मोबाइल पर किन-किन लोगों से बात की?

» टी-शर्ट दिल्ली में प्रिंट हुई या दिल्ली के बाहर?

» टी-शर्ट प्रिंट कराने के पैसे किसने दिए?

» काली छतरी लेकर अंदर घुसने की योजना किसकी थी, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया?

» जो लोग पकड़े गए- क्या वो यूथ कांग्रेस के सदस्य हैं?

» हंगामा करने की योजना खुद की थी या किसी के कहने पर ये किया?

» कांग्रेस हर बार बेशर्मी के नए लेवल से चौंकाती है

» उधर, इस मुद्दे को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर हमला बोला है. एक पोस्ट में कहा, देश बार-बार पूछता है कि कांग्रेस कितना नीचे गिर सकती है और हर बार कांग्रेस बेशर्मी के एक नए लेवल से हमें चौंका देती है.इस बार कांग्रेस के बर्ताव ने सारी हदें पार कर दी हैं.ऐसे समय में जब भारत पीएम मोदी के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक ग्लोबल इवेंट होस्ट कर रहा है, ये बेशर्म देशद्रोही विरोध करने के लिए टॉपलेस हो गए। इस पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी ने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी और भारत के प्रति कांग्रेस की दुश्मनी की कोई सीमा नहीं.देश के लिए एकजुट होने के बजाय कांग्रेस ने ऐसे काम किए, जिनसे देश के गर्व के पल पर ग्रहण लग गया।

संक्षिप्त ख़बरें

अब बोर्ड परीक्षाओं के लिए लेट नहीं होगे CBSE के छात्र, दिल्ली मेट्रो में जांच और टिकट पर मिलेगी प्रायोरिटी

एडमिट कार्ड दिखाने पर सुरक्षा जांच में प्राथमिकता।

द्य टिकट खरीदने में भी छात्रों को मिलेगी वरीयता।

द्य परीक्षा के दिनों में विशेष घोषणाएं होंगी।

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों को दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर जांच और टिकट लेने में परेशानी नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि एडमिट कार्ड साथ रखने वाले छात्रों को मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच में प्राथमिकता दी जाएगी। टिकट खरीदते समय भी एडमिट कार्ड दिखाने पर टिकट आफिस मशीन (टीओएम) और कस्टमर केयर सेंटर (सीसी) पर छात्रों को प्राथमिकता मिलेगी। परीक्षा के दिनों में मेट्रो स्टेशनों पर विशेष केंद्रीकृत घोषणाएं की जाएंगी, ताकि छात्रों को आसानी से आवश्यक जानकारी मिल सके। इस व्यवस्था से छात्रों को समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में मदद मिलेगी।

बाबरी के नाम पर ना बने कोई मस्जिद, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार से किया इनकार

● सुप्रीम कोर्ट ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर धार्मिक संरचनाओं के निर्माण पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी है. याचिका में बाबर को हिंदू विरोधी आक्रमणकारी बताया गया था. यह फैसला पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने को पूर्व विधायक हुमायूं कबीर ने संवैधानिक अधिकार बताया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने का निर्देश देने के लिए अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिका पर विचार करने में इच्छा जाहिर नहीं की. ऐसे में याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील ने इसे वापस ले लिया. वकील ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर की ओर से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की घोषणा का हवाला भी दिया।

याचिका में क्या कहा?

याचिका में कहा गया था कि बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद का निर्माण भारत में किसी भी स्थान पर इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि मुगल शासक बाबर एक हिंदू विरोधी आक्रमणकारी था. जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता की संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद मामले को खारिज कर दिया.

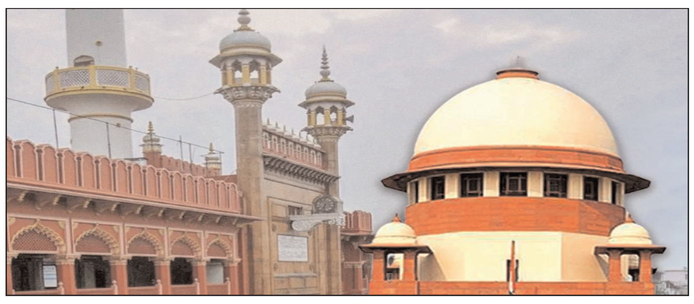

संदीप मेहता ने सुनवाई खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने जिक्र किया कि बाबर के क्रूर हिंदू विरोधी आक्रमणकारी होने के बावजूद मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर एक मस्जिद का निर्माण किया जा रहा है।

'कोई भी मस्जिद बना सकता है'

जब जन उन्नयन पार्टी के चीफ और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व स्र्ह्र हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर, 2025 को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की नींव रखी थी कहा कि कोई एक ईट भी नहीं हिला सकता क्योंकि बंगाल की 37 परसेंट मुस्लिम आबादी इसे किसी भी कीमत पर बनाएगी. उन्होंने पूजा की जगहें बनाने के संवैधानिक अधिकार की ओर ध्यान दिलाया और कहा कि वह कुछ भी गैर-संवैधानिक नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे कोई भी मंदिर या चर्च बना सकता है, वैसे ही मैं भी बना सकता हूं. किबिर ने कहा कि कानूनी चुनौतियां मस्जिद बनाने में रुकावट नहीं डालेंगी. उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ पांच केस फाइल किए गए हैं, लेकिन जिसके साथ अल्लाह है, उसे कोई नहीं रोक सकता. सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कहा है कि भारत के संविधान में लिखा है कि कोई भी मस्जिद बना सकता है और ये एक अधिकार है।

दिल्ली में रिश्तों का कत्ल! मुखर्जी नगर में दो साल के मासूम की गला घोंटकर हत्या, मौसी पर लगा आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बाहरी दिल्ली। मुखर्जी नगर में दो साल के बच्चे की गला घोंटकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला अपने दो साल के बेटे को लेकर मायके आई थी, इसी दौरान बच्चे की मौसी उसे एसएफएस फ्लैट स्थित पार्क में घुमाने के बहाने लेकर आई और इसी दौरान गला घोंटकर हत्या कर दी। मौसी बेहोशी की हालत में पाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि महिला ने बच्चे की गला घोंटकर हत्या की है।

बच्चे के साथ मायके आई थी महिला

एक स्थानीय निवासी ने बच्चे को पार्क से उठाकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। जबकि, महिला को जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बच्चा और उसकी मां ओल्ड सीलमपुर की रहने वाली हैं और मुखर्जी नगर स्थित एसएफएस फ्लैट्स में अपने मायके आई थीं। पुलिस ने बताया कि पीसीआर काल बच्चे के मामा ने की। बच्चे की उम्र एक साल नौ महीने बताई जा रही है। महिला का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश के शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज को लेकर बड़ा अपडेट, कबसे मिलेगी सुविधा?

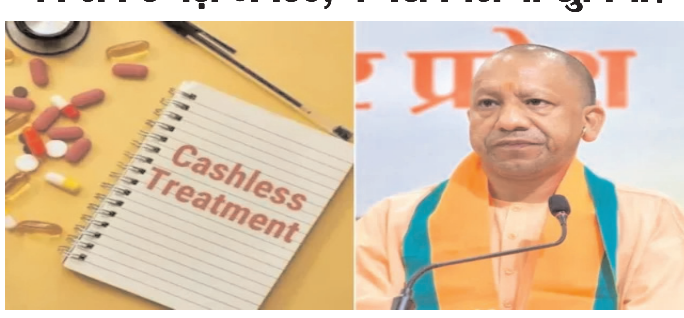

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तय समय में जरूरी प्रक्रिया पूरी की जाए। इस योजना के दायरे में परिषद के शिक्षक, शिक्षामित्र, विशेष शिक्षक, अनुदेशक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में कार्यरत वार्डेन और पूर्णकालिक शिक्षक व शिक्षिकाएं शामिल किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री पोषण योजना (मिड-डे मील) के रसोइये और उनके आश्रित परिवार भी योजना का लाभ पाएंगे। सभी पात्र लाभार्थियों का बिंदुवार डाटा तैयार कर 30 जून तक बेसिक शिक्षा निदेशक के माध्यम से साचीज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भेजा जाएगा।

ये सम्मान के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन... घर के पास पब्लिक टॉयलेट पर दिल्ली हाई कोर्ट खफा

● दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी के घर के पास सार्वजनिक यूरिनल और खुला कूड़ादान होना संविधान के तहत स्वच्छ और स्वस्थ माहौल में गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन है. कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम (MCD) को चार हफ्तों में इन्हें हटाने का आदेश दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली हाई कोर्ट ने सम्मान के साथ जीने के अधिकार को लेकर कहा है कि किसी के घर के ठीक पास पब्लिक यूरिनल और खुला कूड़ेदान होना संविधान के तहत साफ और हेल्दी माहौल में सम्मान के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन है. मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अमित बंसल ने दिल्ली नगर निगम (MCD) को चार हफ्ते के अंदर इन्हें हटाने का आदेश दिया।

दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने यह आदेश एक वकील की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें उसकी संपत्ति की पूर्वी दीवारों पर बिना इजाजत के खुला कूड़ेदान और पेशाबघर बनाने के खिलाफ शिकायत की गई थी।

घर के पास खुले कूड़ेदान पर आपत्ति

याचिकाकर्ता ने कहा कि उसके पड़ोस में रहने वाले तकरीबन 150 लोग अपने घर का कचरा फेंकने के लिए कूड़ेदान का इस्तेमाल करते हैं और MCD अधिकारियों से कूड़ेदान और यूरिनल के पास साफ-सफाई की हालत बनाए रखने के लिए कई बार दरखास्त करने के बावजूद, कोई एक्शन नहीं लिया गया. हालांकि जवाब में दिल्ली नगर निगम की ओर से दावा किया गया है

कि सार्वजनिक शौचालय की नियमित सफाई की जा रही है. हालांकि, कोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता के अधिकारों के उल्लंघन को दूर करने के लिए ऐसे उपाय पर्याप्त नहीं हैं. याचिकाकर्ता ने कहा कि यह कोर्ट याचिकाकर्ता के साथ-साथ दूसरे लोगों से भी सहानुभूति रखती है, क्योंकि सार्वजनिक शौचालय के साथ-साथ खुला कूड़ेदान होने से आस-पास के इलाकों में बदबू आती है और लोग खराब हालत में रहने को मजबूर हैं।

कोर्ट ने एमसीडी को दिया ये आदेश

7 अगस्त, 2025 को किए गए एक संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि याचिकाकर्ता द्वारा सुझाई गई जगह मुमकिन नहीं थी. याचिकाकर्ता ने कहा कि इलाके के अधिकतर घरों में पहले से ही निजी टॉयलेट हैं और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम के अनुसार कचरा सीधे घरों से एकत्रित किया जाना चाहिऐ न कि खुले में कूड़ेदान में छोड़ देना चाहिए आखिरकार, कोर्ट ने स्ह्रष्ठ को याचिकाकर्ता के घर के पास खुले डस्टबिन और यूरिनल को तुरंत गिराने का निर्देश दिया, यह देखते हुए कि खुले कूड़ेदान के साथ-साथ पब्लिक यूरिनल का होना 'बिना किसी शक के एक परेशानी' है।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा , वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com www.epaper.swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

सीडीओ ने पॉलीटेक्निक छात्रावास का निरीक्षण किया:बलरामपुर में फर्श निर्माण और मरम्मत के दिए निर्देश

उतरौला में शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) हिमांशु गुप्ता ने छत्रपति साहू जी महाराज राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का निरीक्षण किया। दौरान उन्होंने छात्रों के छात्रावास के फर्श का निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि छात्रों को रहने में कोई असुविधा न हो। सीडीओ गुप्ता ने अवर अभियंता को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्रावास की व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने छात्रावास में बने शौचालयों के पानी के निकास की समुचित व्यवस्था करने और टूटे-फूटे शौचालयों की मरम्मत कराकर उनमें सुधार करने के भी निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने कॉलेज के भवन, दोनों छात्रावासों और कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पाई गई कमियों को तुरंत दूर करने के निर्देश दिए।

कॉलेज के प्रधानाचार्य सनत कुमार पाण्डेय ने विद्यालय तक आने-जाने के लिए पक्की सड़कों के अभाव का मुद्दा उठायाइस पर सीडीओ ने बताया कि सड़कों के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखा गया है और जल्द ही सड़क का निर्माण करा दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान, हिमांशु गुप्ता ने छात्रों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

गन्ने की खेती की ओर बढ़ा किसानों का रुझान, ट्रेंच विधि और सहफसली खेती पर जोर

बस्ती। बस्ती जिले के रुधौली गन्ने के लाभकारी मूल्यों के कारण क्षेत्र में गन्ने की बुवाई का रकबा बढ़ रहा है। बजाज चीनी मिल रुधौली के वरिष्ठ गन्ना अधिकारी बाल सिंधु पांडे ने ग्राम लकड़ा एवं बनगांव में कृषक राजेंद्र यादव और हरिराम चौधरी के खेतों पर 14201 एवं 94184 जैसी उन्नत प्रजातियों की बुवाई कराई। मुख्य बिंदुःउन्नत तकनीकः किसानों से ट्रेंच विधि द्वारा अगेती बुवाई की अपील की गई ताकि बेहतर उत्पादन प्राप्त हो सके। आय वृद्धिः गन्ने के साथ बैंगन, धनिया, प्याज, भिंडी और मूली जैसी सहफसली खेती करने का सुझाव दिया गया, जिससे किसानों की आय दोगुनी हो सके। प्रमुख प्रजातियांः अधिक उपज के लिए 15023, 13235, 17231 और 0118 जैसी प्रजातियों के विस्तार पर बल दिया गया। जागरूकताः कम लागत में अधिक लाभ हेतु विभाग द्वारा गांव-गांव में 'कृषक गोष्ठियों' का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बलराम यादव, बबलू यादव, विश्वनाथ पांडे और संत राम चौधरी सहित अनेक प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

न्यूड वीडियो बनाकर करता था दुष्कर्म,छात्रा ने लगाई फांसी, अब आरोपी के पीछे पड़ी पुलिस जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

बस्ती। बस्ती जिले केलालगंज थाना क्षेत्र के भरवलिया गांव में पू.मा. विद्यालय बनकटी की छठीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। छात्रा के पिता और भाई बाहर रहकर रोजगार करते हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे लड़की द्वारा फांसी लगाये जाने की पुष्टि हुई थी। घटना के बाद परिजन अंतिम संस्कार मे व्यस्त हो गये। अब मां ने पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग किया है। पुलिस अधीक्षक ने लालगंज पुलिस को मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त व उसके साथी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। मुख्य अभियुक्त का नाम शक्तिमान पुत्र पंजाबी बताया जा रहा है। वह भी मृतका के गांव का है। आरोप है कि शक्तिमान ने गांव के सिवान मे छात्रा संग जबरदस्ती दुष्कर्म कर उसका वीडिया बना लिया था। उसकी नंगी वीडिया दिखाकर बार बार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। 19 जनवरी को छात्रा अपनी रिश्तेदारी मे गई थी। वहां भी आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। घर वापस आकर छात्रा ने मां को सारी बात बताया। घटना के बाद परिजन शिकायत लेकर आरोपी के घर गये, लेकिन उसके भाई अरविन्द और मिथुन ने अपमानित कर उन्हे भगा दिया। आखिरकार छात्रा ने फांसी लगा ली। पीड़िता मां ने बेटी को न्याय दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुये पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया है। और कहा कोई भी अपराधी अपराध करने के बाद बच नहीं पाएगा चाहे वह बिल में छिपा होगा फिर भी उसे पकड़ कर जेल भेजा जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गाँधी की सुल्तानपुर एमपी/एमएलए कोर्ट में पेशी

●राजनितिक साजिश में फंसाया - राहुल

रामचेत मोची के परिजनों से भी मिले राहुल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर की स्क्क्स्क्कोर्ट में पेश हुए। उनके अधिवक्ता के अनुसार, राहुल गांधी ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया। उन्होंने अदालत में कहा कि यह मुकदमा राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है और इसमें कोई

ठोस आधार नहीं है। राहुल गांधी लगभग 25 मिनट तक अदालत कक्ष में मौजूद रहे और अपना बयान दर्ज कराया। मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च को निर्धारित की गई है। कोर्ट में मौजूद अधिवक्ताओं के अनुसार, अदालत पहुंचने पर राहुल गांधी ने न्यायाधीश को हाथ जोड़कर प्रणाम किया और सुनवाई पूरी होने के बाद मुस्कुराते हुए धन्यवाद भी कहा।

सुनवाई के बाद राहुल गांधी का काफिला कूरेभार थाना क्षेत्र के विधायक नगर चौराहे पर स्थित रामचेत मोची की दुकान पर रुका। वहां उन्होंने रामचेत के पुत्र राघव राम से मुलाकात की। कुर्सी पर बैठे राघव की बेटी को गोद में बैठाकर उसकी चोट देखी और करीब पांच मिनट बाद वहां से रवाना हो गए। उल्लेखनीय है कि रामचेत की तीन महीने पहले कैंसर से मृत्यु हो गई थी। रामचेत वही मोची थे, जिनकी दुकान पर लगभग एक वर्ष पूर्व राहुल गांधी ने जूते सिले थे और बाद में उन्हें सिलाई मशीन भी भेजी थी। राहुल गांधी शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। करीब साढ़े 10 बजे जब वे कोर्ट पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने 'राहुल जिंदाबाद' के नारे लगाए। उन्हें माला पहनाने की कोशिश की गई, लेकिन राहुल गांधी ने विनम्रता से मना कर दिया और मुस्कुराते हुए अदालत कक्ष में प्रवेश किया।

कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा कथित हंगामा दुर्भाग्यपूर्ण

देवरिया। पूर्व मीडिया प्रभारी भाजपा अम्बिकेश पाण्डेय ने कांग्रेस पर देश की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जब नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के जरिए भारत वैश्विक मंच पर तकनीकी नेतृत्व प्रदर्शित कर रहा था, तब कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा कथित हंगामा दुर्भाग्यपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसे व्यवहार से देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती है। पाण्डेय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राष्ट्रहित से ऊपर दलगत राजनीति को रखती है और वैश्विक अवसरों पर भी राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता समझती है कि कौन भारत को सशक्त बनाने में लगा है और कौन उसकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

बलरामपुर में 675 नई दुकानों के निर्माण को मंजूरी:शहर का नक्शा बदलेगा, नपा की आय दोगुनी से ज्यादा होने की उम्मीद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर – नगर पालिका परिषद ने शहर के विकास और रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बलरामपुर में 675 नई दुकानों के निर्माण को स्वीकृति मिल गई है, जिसके बाद तैयारियां तेज हो गई हैं। इस योजना से बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और नगर पालिका की आय में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।वर्तमान में शहर में 81 दुकानों से प्रतिवर्ष 2.44 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हो रही है। दो वर्ष पहले तक यह आंकड़ा 80 से 85 लाख रुपये के बीच था। बकाया वसूली में तेजी और बेहतर प्रबंधन के कारण आय में तीन गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है।झारखंडी रेलवे स्टेशन के पास जर्जर दुकानों को गिराकर नए सिरे से निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसके अतिरिक्त, अन्य स्थानों पर भी पुरानी और अनुपयोगी दुकानों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। नगर पालिका की दुकानों का मासिक किराया 700 से 1500 रुपये

निर्धारित है। हालांकि, वर्षों से कुछ दुकानें प्रभावशाली लोगों के कब्जे में या बंद पड़ी होने की समस्या भी रही है।यह नई योजना स्ट्रीट वेंडरों को एक व्यवस्थित स्थान पर कारोबार करने का अवसर प्रदान करेगी। दुकान मिलने के बाद उद्योग विभाग से ऋण प्राप्त करना भी आसान होगा, जिससे छोटे कारोबारियों को आर्थिक मजबूती मिलेगी।यह पहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'आत्मनिर्भर नगर निकाय' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में की जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने बताया कि दुकान निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

बलरामपुर में विवाहिता से दुष्कर्म के बाद 3 लाख वसूले:अश्लील वीडियो बनाकर पति के पास भेजने की धमकी, आरोपी पर FIR; फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर – बलरामपुर में एक विवाहिता से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक महिला का अश्लील वीडियो बनाकर पति के पास भेजने की धमकी देता था। वीडियो को डिलीट कराने के एवज में उसने 3 लाख रुपए भी वसूल लिए। गुरुवार को पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म समेत बीएनएस की अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मामला रेहरा बाजार थाना क्षेत्र का है। पुलिस आरोपी की तलाश में है।

नहाते समय वीडियो बनाया था आरोपी

पीड़िता ने पुलिस को शिकायती पत्र में बताया कि उसके पति रोजी-रोटी के लिए अक्सर घर से बाहर रहते हैं। इसी का फायदा उठाकर पड़ोसी विजय शर्मा पिता राम सागर ने करीब चार माह पूर्व नहाते समय उसका एक अश्लील वीडियो बना लिया था।

ब्लैकमेल कर आरोपी ने बनाए थे शारीरिक संबंध

इस वीडियो के जरिए वह उसे ब्लैकमेल करने लगा और डरा-धमकाकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि वह पति को अश्लील वीडियो भेजने की धमकी देता था। आरोपी वीडियो डिलीट करने के नाम पर 3 लाख रुपए भी वसूले थे।

परेशान होकर विवाहिता ने आत्मदाह की धमकी दी थी

इसके बाद पीड़ित महिला ने आत्मदाह की चेतावनी देते हुए एसपी से न्याय की गुहार लगाई थी। एसपी के आदेश पर 19 फरवरी को रेहरा बाजार थाने में पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर आशीष कुमार सिंह को सौंपी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर जेल भेजा जाएगा।

भुसहर उचवा में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता शिविर, 650 से अधिक महिलाएँ व किशोरियाँ लाभान्वित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर/पचपेड़वा। पारस इंडिया संस्था की ओर से दिनांक 20 फरवरी 2026 को भुसहर उचवा, विकास खंड पचपेड़वा, जनपद बलरामपुर, उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 650 से अधिक महिलाओं और किशोरियों ने सहभागिता कर लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मासिक धर्म के समय स्वच्छता के महत्व, सही एवं वैज्ञानिक जानकारी, संक्रमण से बचाव के उपाय तथा सैनिटरी नैपकिन के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। संवाद सत्र में महिलाओं ने खुलकर अपनी समस्याएँ साझा कीं, जिससे मासिक धर्म से जुड़ी जानकारी की कमी और सामाजिक भ्रांतियाँ सामने आईं। विशेषज्ञों

एवं कार्यकर्ताओं ने बातचीत के माध्यम से इन भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया।

शिविर में उपस्थित सभी महिलाओं को संस्था द्वारा निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन पैड वितरित किए गए, जिससे उन्हें स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

कार्यक्रम में आशा वर्कर राधिका, अनार कली, आंगनबाड़ी कार्यकत्री फूलमती, पारस केंद्र संचालिका किरन जी सहित गाँव की रीमा, प्रियंका देवी, सीता देवी, दुर्गा राना, सुमित्रा देवी, माया, सरिता, रीना, अनीता, संजना, संगीता, मनीषा, निर्जला, गीता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएँ उपस्थित रहीं। संस्था के प्रतिनिधि श्री अजय ने बताया कि देश के अनेक सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों एवं आदिवासी समुदायों में आज भी मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता उपेक्षित विषय बना हुआ है। सामाजिक कलंक, जागरूकता की कमी तथा स्वच्छता उत्पादों की सीमित उपलब्धता के कारण महिलाओं और किशोरियों को कई बार गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि संस्था इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए निरंतर जागरूकता अभियान चला रही है। पिछले वर्ष भी 100 से अधिक गाँवों में जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर तथा स्कूल-कॉलेजों में सैनिटरी वेंडिंग मशीन की स्थापना कर जनसमुदाय को शिक्षित करने का प्रयास किया गया था। संस्था ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा सके।

नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पीड़िता की तहरीर पर पहले ही दर्ज हुआ था मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में मैं ऐसा फ्रॉड सामने आया युवक द्वारा आंगनवाड़ी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में कलवारी थाना पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पीड़िता द्वारा पहले ही थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया जा चुका था, जिसके आधार पर पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने 13 फरवरी 2026 को कलवारी थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसे आंगनवाड़ी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपने विश्वास में लिया और

उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना कलवारी में मु0अ0सं0 26/2026 के तहत धारा 69, 352 और 351(3) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में थानाध्यक्ष कलवारी गजेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी ??रोहित कुमार पुत्र डोलई, निवासी मुरादपुर थाना कलवारी जनपद बस्ती को शुक्रवार को सुबह करीब 10:40 बजे कलवारी मुस्तहकम गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में सभी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन अमेठी में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई

निरीक्षण कर दिए गए आवश्यक निर्देश

अमेठी । पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया । इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया । परेड में पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय व जनपद के विभिन्न थानों व शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण सम्मिलित हुये । निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा परेड में शामिल समस्त पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी एवं अच्छी वर्दी धारण करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा पुलिस लाइन का मुआयना करते हुए बैरक, शस्त्रागार, मेस, बैरिक, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आदि क निरीक्षण किया गया तथा 112-पीआरवी व थानों के वाहनों में आवश्यक भीड़ व दंगा नियंत्रण उपकरणों को चेक किया गया तथा संबंधित को आवश्यक आदेश-निर्देश दिए गए । तत्पश्चात पुलिस लाइन में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

सरस्वती विद्या मंदिर के आयुष प्रताप ने 98.6 परसेंटाइल हासिल किए

●JEE Main में कई छात्रों ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- सुल्तानपुर के सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ज्ञान कुंज, विवेकानंद नगर के छात्रों ने जेईई मेन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने उच्च परसेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। भैया आयुष प्रताप वर्मा ने 98.6 परसेंटाइल, आशुतोष द्विवेदी ने 98.3 परसेंटाइल, आदर्श वर्मा ने 97.97 परसेंटाइल और सागर तिवारी ने 97.58 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त, आयुष कुमार तिवारी ने 96.24 परसेंटाइल, बहन प्रज्ञा श्रीवास्तव और श्लोक बरनवाल ने संयुक्त रूप से 96.5 परसेंटाइल, दिव्यांश श्रीवास्तव ने 95.27 परसेंटाइल, अर्पित सिंह ने 94.61 परसेंटाइल, कौशल ने 93.56 परसेंटाइल, मनीष यादव और आदित्य यादव ने 93.5 परसेंटाइल तथा भैया संभव सिंह ने 92.71

परसेंटाइल अंक हासिल किए। लगभग 11 अन्य छात्रों ने 90 से 93 परसेंटाइल के बीच अंक प्राप्त किए हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर विवेकानंद नगर के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने छात्रों की इस उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ये छात्र ही विद्यालय के 'ब्रांड एंबेसडर' हैं और यह विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षण प्रणाली की पहचान है। प्रधानाचार्य ने इन सभी सफल छात्रों का माल्यार्पण कर और मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों के योजनाबद्ध शिक्षण, निरंतर सहयोग, परामर्श और कुशल मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने अपने माता-पिता की प्रेरणा को भी अपनी सफलता का महत्वपूर्ण कारण बताया।

शादी के दौरान दूल्हे की हरकतें संदिग्ध, वधु पक्ष ने लगाए गंभीर आरोप, परिवार पर सच्चाई छिपाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के बरुआ गांव में एक विवाह समारोह के दौरान दूल्हे की अजीबोगरीब हरकतों ने शादी की खुशियों को संदेह में बदल दिया। वधु पक्ष ने आरोप लगाया है कि दूल्हा किसी नशे या गंभीर मानसिक बीमारी से ग्रसित था, जिसे उसके परिवार ने छिपाया। यह विवाह अर्चना वर्मा और रवि वर्मा पुत्र राम जगत वर्मा भरसारे के बीच तय हुआ था। बारात गुरुवार, 19 फरवरी की रात आई थी। लड़की के पिता भीषण राम वर्मा ने बताया कि संदेह तब गहराया जब द्वार पूजा के समय दूल्हा काफी देर तक गाड़ी से बाहर नहीं निकला। परिजनों के अनुसार, वह गाड़ी में बैठकर बार-बार पानी पी रहा था और बाहर

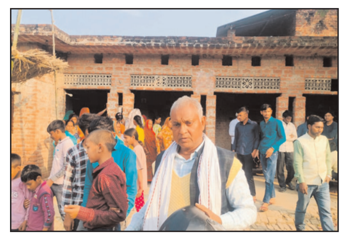

आने में हिचकिचा रहा था। आखिरकार, लड़की के भाइयों ने उसे सहारा देकर मंडप तक पहुंचाया।

भीषण राम वर्मा ने आगे बताया कि जयमाल के दौरान भी दूल्हे के चेहरे पर न तो कोई खुशी थी और न ही सामान्य हाव-भाव। असली खुलासा मंडप में 'पांव पखराई' (पैर धोने) की रस्म के समय हुआ। लड़की के पिता के अनुसार, 'जब उसके पैरों में पानी डाला गया, तो वह ठंड से कांपने लगा। उसके नाखूनों का रंग और पैरों की स्थिति देखकर हमें गहरा संदेह हुआ।' उन्होंने यह भी बताया कि दूल्हे के पैरों में महावर (अल्ता) भी नहीं लगा था, जो कि शादी की रस्मों में अनिवार्य होता है। लड़की के पिता ने बताया कि लगभग 7-8 महीने पहले जब लड़का-लड़की की पहली मुलाकात कानपुर और फिर सुल्तानपुर में हुई थी, तब भी लड़के ने लड़की से कोई बात नहीं की थी। उस समय इसे लड़के का संकोच मानकर नजरअंदाज कर दिया गया था, लेकिन अब परिवार को लगता है कि कुछ महत्वपूर्ण छिपाया गया था। फिलहाल, इस मामले ने गांव में चर्चा का विषय बना दिया है। वधु पक्ष अब धोखाधड़ी और सच्चाई छिपाने का आरोप लगाते हुए उचित कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहा है।

प्रतिष्ठित चिकित्सक डा.पी.पी.पटेल ने संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी को किया प्रोत्साहित

●चिकित्सा संबंधी सेवाओं मे उत्कृष्ट योगदान दे रहा है मेडलाइफ हास्पिटल औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कमरौली अमेठी- आधुनिक सुविधाओं से लैस जनपद अमेठी अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर स्थित मेडलाइफ हास्पिटल जिसकी मैनेजिंग डायरेक्टर वरिष्ठ चिकित्सक डा.पूनम पटेल(स्त्री एवं प्रसूति रोग रोग विशेषज्ञ)हैं के कुशल नेतृत्व मे यह हास्पिटल चिकित्सा संबंधी सेवाओं मे बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहा है वहीं प्रबुद्धजनो के मार्गदर्शन उत्साहवर्धन एवं सहयोग से सामाजिक कार्यो के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रो मे उत्कृष्ट योगदान देने वाली संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी ने मेडलाइफ हास्पिटल पहुंचकर चिकित्सा क्षेत्र मे उत्कृष्ट योगदान देने वाले वरिष्ठ चिकित्सक डा. पी. पी.पटेल(एमबीबीएस एमडी) से मुलाकात कर सामाजिक विषयों पर चर्चा की और कहा कि बेहतर सेवाएं मिलने से दूर सुदूर के पेशेंट इस हास्पिटल मे अपना इलाज करवाने आते हैं और संतुष्ट होकर जाते हैं और यह भी कहा कि विगत कई वर्षो से डा.पी.पी.पटेल एवं डा.पूनम पटेल संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि द्वारा कराए जा रहे पुनीत कार्यो मे मार्गदर्शन उत्साहवर्धन एवं सहयोग करते रहते हैं जिससे संस्था को बल मिलता है सामाजिक कार्यो मे उत्कृष्ट योगदान देने हेतु डा.पी.पी.पटेल ने संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी को प्रोत्साहित किया एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी के कुशल नेतृत्व एवं निस्वार्थ भावना से संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजिस्टर्ड सामाजिक कार्यों मे बहुत ही उत्कृष्ट योगदान दे रही है जो कि समाज के प्रति गौरवपूर्ण है समाजसेवी पी के तिवारी ने डा.पी.पी.पटेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोत्साहन से एक नई ऊर्जा प्राप्त होती है और मनोबल बढ़ता है।

प्राथमिक विद्यालय मरहा में सजे आधुनिक खेल उपकरण, बाल वाटिका बना आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। विकासखण्ड बस्ती सदर के ग्राम पंचायत मरहा स्थित प्राथमिक विद्यालय मरहा में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) कार्यक्रम के अंतर्गत आधुनिक आउटडोर खेल उपकरणों की स्थापना से विद्यालय में नया उत्साह और सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है। इस पहल ने न केवल बच्चों के लिए आनंदमय वातावरण तैयार किया है, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को भी अधिक रोचक, जीवंत और प्रभावी बना दिया है। गौरतलब है कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत 3 से 8 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए फाउंडेशनल स्टेज को मजबूत करने के उद्देश्य से श्वष्टष्टश्व कार्यक्रम लागू किया गया है। इसी क्रम में विद्यालय की बाल वाटिका को और सुदृढ़ करते हुए लहरदार फिसलपट्टी (वेव स्लाइड), मेहराब झूला

(आर्च स्विंग), सी-सॉ (डोलक झूला), रॉकेट बोट झूला तथा मेरी-गो-राउंड जैसे आकर्षक खेल उपकरण लगाए गए हैं। ये उपकरण बच्चों के शारीरिक विकास, संतुलन, सामाजिक सहभागिता, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत स्तर पर पहले भी सीमित संसाधनों से बाल वाटिका की शुरुआत की गई थी, जिसे अब शिक्षा विभाग के सहयोग और मार्गदर्शन से और अधिक विकसित व समृद्ध बनाया गया है। विद्यालय में रंगीन कक्षाएं, गतिविधि-आधारित शिक्षण सामग्री, लर्निंग कॉर्नर, स्वच्छता एवं पोषण पर विशेष ध्यान और सुरक्षित खेल वातावरण तैयार किया गया है विद्यालय परिवार ने इस महत्वपूर्ण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी, बस्ती, मुख्य विकास अधिकारी, बस्ती, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती तथा खंड शिक्षा अधिकारी, बस्ती सदर सहित समस्त शिक्षा विभागीय अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल नन्हे बच्चों के6 उज्ज्वल भविष्य की सुदृढ़ नींव साबित होगी तथा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मरहा के ग्राम प्रधान लालता प्रसाद यादव, प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव, प्रधानाध्यापक सत्येंद्र कुमार सहाय, शिक्षिका संगीता यादव व सुषमा सिंह तथा राम सुंदर सिंह, संगीता देवी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस पहल का स्वागत किया।

रुद्रपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का संकट, सदन में उठा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रुद्रपुर, देवरिया। जनपद देवरिया के रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुनियादी जांच सुविधाओं के अभाव का मामला विधान परिषद तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य डॉ. रतन पाल सिंह ने नियम-115 के अंतर्गत सूचना देते हुए सदन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित कराया है। उन्होंने बताया कि रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वर्षों पुरानी एक्स-रे मशीन लगी है। जिसे अब तक डिजिटल एक्स-रे मशीन से

बदला नहीं गया है। इसके साथ ही अल्ट्रासाउंड मशीन भी उपलब्ध नहीं है। जांच सुविधाएं न होने के कारण मरीजों का सही समय पर इलाज नहीं हो पा रहा है। ग्रामीण और गरीब मरीज जब स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए पहुंचते हैं तो जांच के लिए उन्हें बाहर निजी केंद्रों पर जाना पड़ता है। जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। सिर्फ रुद्रपुर ही नहीं, बल्कि सीएचसी के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पचलड़ी, नारायणपुर, सरांव और मदनपुर तथा स्वयं सीएचसी पर भी पर्याप्त चिकित्सकों की तैनाती नहीं है।कुछ तैनाती के बावजूद ड्यूटी नहीं कर रहे हैं। डॉ. रतन पाल सिंह ने जनहित में मांग की है कि रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डिजिटल एक्स-रे मशीन एवं अल्ट्रासाउंड मशीन तत्काल लगाई जाए। साथ ही सीएचसी और संबंधित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

संक्षिप्त खबरें

सेक्सरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री द्वारा बसंत कालीन गन्ना बुवाई हेतु गांव में भेजे गए प्रचार प्रसार के लिए वाहन

बिसवां सीतापुर सेक्सरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री द्वारा बसंतकालीन गन्ना बुवाई हेतु किसानों को जागरूक करने के लिए प्रसार प्रचार वाहनों को प्रचार हेतु मिल क्षेत्र से गावो गावो मे भेजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला गन्ना अधिकारी रत्नेश्वर त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया गया। इस अवसर पर सहकारी गन्ना समिति अध्यक्ष सुधाकर शुक्ला ने भी किसानों को बसंत कालीन गन्ना बुवाई की बधाई दी एवं उत्कृष्ट व चयनित प्रजातियां कि गन्ना बुवाई करने को कहा। इस अवसर पर महाप्रबंधक गन्ना डॉक्टर अनूप कुमार ने किसानों को भूमि उपचार बीज उपचार ट्रेंच विधि से गन्ना बुवाई एवं सह फसली लेने की अपील की जिससे किसानों की आए दोगुनी हो। चीनी मिल अधिशाषी अधिकारी रमेश सिंघल ने किसानों को बुवाई के साथ-साथ पेड़ी प्रबंधन के बारे में जागरूक करने का संदेश दिया उन्होंने कहा पेडी पर समुचित ध्यान देकर किसान भाई अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस अवसर पर जी एम तकनीकी पीसी सरकार, वित्त व्यवस्थापक आरसी नौसरिया गन्ना प्रबंधक विमल मिश्रा शाहिद चीनी मिल के कर्मचारीगण व किसान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक इकाई द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन पक्ष में आकांक्षा तथा विपक्ष में ऋषि मिश्रा रहे विजेता

महराजगंज रायबरेली। आज शुक्रवार को न्यू स्टैंडर्ड कॉलेज ऑफ़ हायर एजुकेशन सलेथू , महराजगंज, रायबरेली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक इकाई द्वारा *सोशल मीडिया लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ अथवा कमजोर पायदान नामक* विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पक्ष एवं विपक्ष पर अपने सारगर्भित तथ्यों को साझा किया। पक्ष में बीएससी की आकांक्षा विजेता तथा बीए की साक्षी उपविजेता बनी वहीं पर विपक्ष में बीएससी के ऋषि मिश्रा विजेता तथा बीए के सत्यम कुमार उपविजेता रहे ।इस प्रतियोगिता के निर्नायक की भूमिका में अनीता मौर्या ,अरविंद कुमार ,प्रगति तिवारी रही ।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर अनिल कुमार डीएलएफ प्राचार्य धीरेन्द्र कुमार सिंह के संरक्षण में हुआ । महाविद्यालय के प्राचार्य ने युवा छात्रों से आवाहन किया कि सोशल मीडिया का प्रयोग अपने सर्वांगीण विकास के लिए करें।जिसको सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवायोजन इकाई के समन्वयक डॉ. अरुण चौधरी एवं सह समन्वयक दुर्गा शंकर रहे । छात्रों के साथ प्राध्यापक उपस्थित रहे।फ़ोटो0010

ऐप्जा कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी के नेतृत्व में पत्रकारों की हुई महत्वपूर्ण बैठक,

पत्रकारों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा:- अनुराग सारथी पत्रकारों पर दर्ज हो रहे मुकदमों पर जताई नाराज़गी

तंबौर सीतापुर तंबौर क्षेत्र के अंतर्गत खालिद मंसूरी के निवास पर ऐप्जा कोऑर्डिनेटर अनुराग एम सारथी के नेतृत्व में पत्रकारों की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें ऐप्जा कोऑर्डिनेटर अनुराग एम सारथी ने पत्रकारों पर दर्ज हो रहे फर्जी मुकदमों बेहद चिंता जताई। अनुराग एम सारथी ने कहा कि हॉल ही में गौशाला में एक पत्रकार पर फर्जी मुकदमा दर्ज किया गया वहीं तंबौर क्षेत्र में एक महिला द्वारा पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। अनुराग एम सारथी ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यदि पत्रकारों को झूठे मुकदमों में फंसाने की कोशिश की गई तो संगठन के सभी पत्रकार साथी एकजुट होकर इसका भरपूर विरोध करेंगे उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पत्रकारों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी को लेकर आने वाली 23 फ़रवरी को ज़ोरदार आंदोलन भी किया जायेगा बैठक में उपस्थित पत्रकारों में निष्पक्ष पत्रकारिता की सुरक्षा की मांग करते हुए प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच करने की अपील भी की।

महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वार्षिकोत्सव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। हैदरगढ़ रोड कस्बा स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल महराजगंज में सत्र 2025-26 का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कालेज प्रधानाचार्य कमल बाजपेयी मुख्य अतिथि कालेज प्रबंधक अवधेश बहादुर सिंह एवं विशिष्ट अतिथि समर बहादुर सिंह एवं सम्मानित पत्रकार बन्धुओं तथा अभिभावकों की उपस्थिति में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधानाचार्य ने सम्मानित अभिभावकों द्वारा दीप प्रज्जवलन माँ वीणावादिनी एवं माता-पिता का माल्यार्पण कराते हुए कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की गयी। जिसमे कालेज प्रबंधक द्वारा विद्यालय के सर्वागीण विकास हेतु तकनीकि शिक्षा को आगे बढ़ाते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लीड ग्रुप द्वारा बच्चों शिक्षकों एवं अभिभावकों को प्रशिक्षित किया गया। गत वर्ष कक्षा 10 एवं 12 के मेधावी छात्रों एवं उनके अभिभावकों को ट्राफी एवं अंगवस्त्र सम्मानित किया गया। वर्तमान सत्र में शतप्रतिशत उपस्थिति लाने वाले छात्रों एवं उनके अभिभावकों को भी अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कालेज प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों द्वारा मुख्य अतिथि को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कमल बाजपेयी ने कालेज में इस सत्र से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा के विषय में बताया कि हमारे स्कूल में अब बच्चों को स्मार्ट कैरीकुलम पर आधारित स्मार्ट लर्निंग, जिससे सभी कक्षाएँ स्मार्ट करने के साथ सुपर टीचर द्वारा आडियो विजुअल लर्निंग पर आधारित इस सत्र से शिक्षा प्रदान की जायेगी। अन्त में सभी सम्मानित अभिभावकों का आभार के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया तथा मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान निश्चय मित्र बनकर टीबी मरीज को लिया गोद

महराजगंज रायबरेली। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कुसुढी सागरपुर में स्थित प्रधानमंत्री आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कैंसर एवं क्षय रोगियों का स्क्रीनिंग कैंप लगाकर मरीजों की जांच की। जांच में संभावित रोगियों को बलगम की जांच करने के लिए सीएचसी- महराजगंज भेजा गया। इसी गांव में रह रहे एक टीबी रोगी को गोद लेते हुए पोषण पोटली श्री वरुण देव (STS) के द्वारा उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया की टीबी दवा के साथ-साथ संतुलित आहार लेने से यह बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है। इस मौके पर ग्राम प्रधान ,डॉ नैंसी निरंजन,शशि (CHO) वंदना पाण्डे,शैल कुमारी (आशा) तथा गांव के अन्य लोग मौजूद थे। ग्राम वासियों ने नारा लगाया टीबी की मजबूरी है, बलगम जांच जरूर है।

श्री पीतांबरा शिक्षा समिति पारा सरांय के द्वारा घुमंतू समाज व बंजारा समाज के लोगों को वितरित किए गए अंग वस्त्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर घुमंतू समाज व बंजारा समाज के लोगों की सुविधा के लिए रायपुर गंज कॉलोनी में श्री पीतांबरा शिक्षा समिति पारा सराय के द्वारा जरूरतमंद लोगों को कपड़ा वितरित किया गया जिसमें 40 पुरुषों के लिए पैंट शर्ट व 13 बच्चों को पहनने के लिए अंग वस्त्र वितरित किए गए। सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने बताया जिलाधिकारी की मनसा के अनुरूप सोमवार को श्री पीतांबरा शिक्षा समिति एवं केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल के द्वारा एक निशुल्क विशाल हेल्थ कैंप का आयोजन बंजारा कॉलोनी में किया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य कॉलोनी में रह रहे सभी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित करना तथा शिक्षा के उद्देश्य से लोगों को प्रेरित कर स्कूल जाने के लिए मार्गदर्शन करना संस्था के चेयरमैन डॉक्टर एसपी सिंह द्वारा एक कार्यशाला और स्वास्थ्य कैंप का उद्घाटन किया जाएगा जिसमें सभी बंजारा वह घुमंतू समाज के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी लाभ दिया जाएगा।

एसपी रवि कुमार ने कोतवाली का किया औचक निरीक्षण

● राइफल खोलने में छूटे पसीने, कर्मयोगी ऐप पर पहले खामोशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। जिले के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने गुरुवार शाम लालगंज कोतवाली का औचक निरीक्षण किया। एसपी के पहुंचते ही थाने में हलचल तेज हो गई। सबसे पहले उन्होंने पुलिस बैरक का निरीक्षण किया और साफ-सफाई की व्यवस्था पर संतोष जताते हुए परिसर को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना अनुशासन और व्यवस्था का प्रतीक होना चाहिए। इसके बाद एसपी ने सीसीटीएनएस कक्ष का निरीक्षण कर ऑनलाइन अभिलेखों की स्थिति जांची। रजिस्टर और दस्तावेजों का अवलोकन किया तथा लंबित मामलों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए। मालखाने में असलहों को खुलवाकर उनकी स्थिति देखी गई। रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई तथा नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा गया। एसपी ने मिशन शक्ति केंद्र का भी जायजा लिया। महिला पुलिसकर्मियों से बातचीत करते हुए बताया कि अभियान का पांचवां चरण संचालित है और महिला अपराधों पर अंकुश प्राथमिकता में है। शासन की योजनाओं को महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया गया।अंत में उन्होंने कानून-व्यवस्था को और मजबूत रखने, सतर्कता बढ़ाने तथा नियमित निगरानी के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह, पीआरओ संजय कुमार, प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह और इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार सिंह मौजूद रहे।

लम्भुआ में कोतवाली प्रभारी को हटाने की मांग तेज, पत्रकारों के समर्थन में प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लम्भुआ/सुल्तानपुर। लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर में हुए अमित सिंह हत्याकांड की कवरेज के दौरान पत्रकार से कथित अभद्रता के विरोध में शुक्रवार को लम्भुआ तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में पत्रकारों के साथ किसान यूनियन व विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद लम्भुआ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को पद से हटाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी सुल्तानपुर को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी लम्भुआ को सौंपा गया। उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार अभयराज पाल ने ज्ञापन प्राप्त किया। प्रदर्शन में भारतीय किसान यूनियन, मानवाधिकार सुरक्षा संगठन सहित अन्य संगठनों ने एकजुटता दिखाते हुए घटना की कड़ी निंदा की। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और उनके साथ अभद्र व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला (आईएएस) ने पत्रकारों से वार्ता कर आश्वासन दिया कि प्रकरण से जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया जाएगा तथा जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

रास्ते पर छह माह से चला आ रहा कब्जा तहसीलदार ने पुलिस बल के सहयोग से हटवा दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज तहसील के गांव बिजासन में पत्रकार विश्व देव राठौर के खेत पर जाने वाले रास्ते पर गांव के जयचंद महेश पुत्र मैकूलाल आदि ने जबरन रास्ता बंद कर दिया था यह मामला 24 सितंबर 2025 से लेकर अब तक 25 अक्टूबर 2025 को नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह ने बलपूर्वक बनी दीवार को हटवा दिया था इसके बाद दबंगों ने पुन कब्जा कर लिया गया था। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर 17 नवंबर को नायब तहसीलदार शोभित सिंह चौधरी ने उसको पुनः हटवाया था परंतु दबंगों ने पुनः कब्जा जमा रखा था जिसके कारण पत्रकार राठौर का खेत में कोई भी फसल नहीं बाई जा सकी इस कब्जे को लेकर आज तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह तीन राजस्व निरीक्षक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने बलपूर्वक परमेश्वरी दयाल कि रास्ते में बनी दीवार को हटवा दिया। साथ ही जयचंद महेश चंद आदि के द्वारा बंद किए गए रास्ते को भी उन्होंने खुलवा दिया और चेतावनी दी यदि इस रास्ते को पुनः बंद करने की कोशिश की तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी यह कार्य करने के लिए उन्हें गांव बिजासन में 1 घंटे से अधिक समय तक खड़े होकर रास्ता खाली करवाना पड़ा उनके साथ उप निरीक्षक देशराज सिंह तोमर महिला उप निरीक्षक मीनाक्षी एवं अन्य पुलिस फोर्स मौजूद था उन्होंने उन्होंने छह माह से बंद पड़ी रास्ता को आज खुलवाया गया है जिसको लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे उसे पर आज विराम लग गया है।

मत्स्य आखेट नीलामी प्रक्रिया में धांधली का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर, अयोध्या। अयोध्या जिले के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा रसूलपुर लिलहा क्षेत्र स्थित गोमती नदी के मत्स्य आखेट की नीलामी को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। रसूलपुर लिलहा निवासी राम खेलावन निषाद ने नीलामी प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। निषाद के अनुसार, 25 सितंबर 2025 को आयोजित नीलामी में उन्होंने रसूलपुर लिलहा से इदिलपुर आशिक तक लगभग 8 किलोमीटर के प्रथम खंड के लिए 4,07,500 रुपये की बोली लगाई थी। उन्होंने निर्धारित जमानत राशि भी जमा की थी।शिकायतकर्ता का कहना है कि नीलामी समाप्त होने के बाद कार्यकारी अधिकारी ने उनकी जमानत धनराशि तो वापस कर दी, लेकिन उन्हें कोई रसीद जारी नहीं की गई। रसीद मांगने पर मौखिक रूप से बताया गया कि लिखित मांग करने पर ही विवरण दिया जाएगा। राम खेलावन का आरोप है कि उनकी सबसे ऊंची बोली को नजरअंदाज कर मनमाने ढंग से अपने चहेतों को नीलामी दे दी गई।उन्होंने यह भी बताया कि नीलामी से पहले मत्स्य विभाग कार्यालय ने सूचित किया था कि जंगल विभाग के क्षेत्र को छोड़कर नीलामी की जाएगी, क्योंकि वन विभाग मछली पकड़ने की अनुमति नहीं देता। निषाद का दावा है कि संबंधित प्रथम खंड में नदी के नाम पर कोई भूमि दर्ज नहीं है और यह नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के खाते से प्रवाहित हो रही है। इस संबंध में स्थानीय लेखपाल ने जिलाधिकारी के आदेश पर एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की है। राम खेलावन निषाद ने अपनी शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी दर्ज कराई है। वहीं, मत्स्य विभाग की कार्यकारी अधिकारी सुषमा निषाद ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और नियमानुसार संपन्न हुई है। सुषमा निषाद ने स्पष्ट किया कि नीलामी न मिलने के बाद शिकायतकर्ता लगातार आरोप लगा रहे हैं, जबकि प्रक्रिया में कोई अनियमितता नहीं हुई है।

मिल्कीपुर में समग्र विकास की पहल

● बैंक ऑफ बड़ौदा और नाबार्ड ने बसवार कला व बसवार खुर्द को लिया गोद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत बसवार कला एवं बसवार खुर्द ग्राम पंचायत के समग्र विकास के लिए बैंक आफ बड़ौदा तथा नाबार्ड ने संयुक्त रूप से पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसानों, बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में स्थायी वृद्धि करना है। सीजेएम नाबार्ड पंकज कुमार ने बताया कि अब तक बैंक ऑफ बड़ौदा और नाबार्ड अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से कार्य करते रहे हैं, लेकिन अब दोनों संस्थाएं मिलकर एकीकृत रणनीति के तहत गांव के चहुंमुखी विकास की दिशा में काम करेंगी। ग्राम पंचायत को तीन प्रमुख वर्गों–युवा, महिला और किसान–में विभाजित कर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम के तहत युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उन्हें बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे गांव में ही अपना रोजगार स्थापित कर सकें। बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि प्राथमिकता गांव में ही रोजगार सृजन करना है, जिससे युवाओं को दिल्ली या गुजरात जैसे राज्यों में पलायन न करना पड़े। सभी प्रशिक्षण निःशुल्क होंगे तथा स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से आधुनिक और वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हाइड्रोपोनिक सिस्टम सहित हाईटेक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने की योजना है। अधिकारियों के अनुसार दोनों गांवों में लगभग 650 एकड़ कृषि योग्य भूमि है, जिससे उन्नत तकनीकों के माध्यम से बेहतर उत्पादन और आय संभव है। शैलेंद्र सिंह ने टमाटर उत्पादन का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि गांव में प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जाए तो किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकता है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध संग्रह केंद्र और लघु उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। दोनों गांवों में कुल मतदाता लगभग 3700 हैं। पांच वर्षीय समग्र विकास योजना के तहत 350 से 400

करोड़ रुपये तक निवेश की संभावनाएं जताई गई हैं। चालू वित्तीय वर्ष में ही लगभग 100 करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान किसान राम बहोर, राम सूरत और अगनू को 1.90 लाख रुपये तथा हरिराम को 1.72 लाख रुपये के किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि वैज्ञानिक सलाह और वित्तीय सहयोग के माध्यम से ग्रामीणों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।इस अवसर पर विनय शर्मा, नीरज सचान, अखिलेश मिश्रा, अजय यादव, संजय प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के दौरे से पहले कांग्रेस में बवाल! क्यों दिया हेमंत कटारे ने इस्तीफा? इस बड़े नेता से अनबन की खबरें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भोपाल: मध्यप्रदेश विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष रहे हेमंत कटारे ने अपने पद से अचानक इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया है। ऐसे में संगठनात्मक कारणों और पार्टी अनुशासन से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठने लगे हैं। कयास लगाए जाने लगे है कि हाल के राजनीतिक घटनाक्रम और आंतरिक मतभेदों के बीच उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का निर्णय लिया है या सच में ही पारिवारिक कारण रहे हैं।

पार्टी अनुशासन और संगठनात्मक संदेश

सूत्रों के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के बीच पटरी नहीं बैठ पा रही थी। इससे पहले भी पार्टी नेतृत्व ने संगठन में अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के संकेत दिए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में कटारे का इस्तीफा एक संदेश के रूप में देखा गया, ताकि विपक्ष की भूमिका अधिक संगठित और प्रभावी ढंग से निभाई जा सके।

राहुल गांधी के दौरे से पहले मचा बवाल

वहीं 24 फरवरी को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मध्य प्रदेश आने वाले हैं। मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भारत-यूएस ट्रेड डील पर बड़े प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भोपाल आ रहे हैं। दोनों दिग्गज नेताओं के दौरे से पहले हेमंत कटारे के पद से इस्तीफा देने से प्रदेश की राजनीति में गरमा गई है।

राजनीतिक रणनीति का हिस्सा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम आगामी रणनीतियों और विधानसभा सत्रों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया हो सकता है। विपक्ष के भीतर नई ऊर्जा और समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से भी नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा रही है।

आधिकारिक बयान का इंतजार

हालांकि, इस्तीफे को लेकर विस्तृत आधिकारिक कारणों पर पार्टी की ओर से विस्तृत बयान का इंतजार है। कटारे ने अपने वक्तव्य में कहा कि वे पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहेंगे और संगठन के निर्देशों का पालन करेंगे। यह घटनाक्रम मध्यप्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर रहा है और आने वाले समय में विपक्ष की रणनीति पर इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है।1

गुजरात के वलसाड में बड़ा हादसा: कार और ट्रक की जोरदार टक्कर, 7 लोगों की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुजरात के वलसाड जिले के कपराड़ा कुंभ घाट क्षेत्र में आज कार और ट्रक की टक्कर से भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर ही कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में एक महिला, एक युवती और 5 पुरुष शामिल हैं।

हादसे की वजह

कप्राडा तहसीलदार ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और राहत दल ने तुरंत घटनास्थल पर पहुँचकर शवों को अपने कब्जे में लिया और यातायात सुचारू किया।

ट्रम्प का 'बोर्ड ऑफ पीस' और गाजा संकट की नई कूटनीति भारत की भागीदारी, राहत पैकेज और वैश्विक शक्ति-संतुलन की बदलती तस्वीर

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक ने वैश्विक राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल पर गठित इस मंच का उद्देश्य गाजा युद्ध के बाद पुनर्निर्माण, स्थिरता और दीर्घकालिक शांति की रूपरेखा तैयार करना बताया गया है। इस बैठक में भारत ने ऑब्जर्वर देश के रूप में भाग लिया, जबकि करीब 50 देशों के प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए। गाजा के पुनर्निर्माण के लिए लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा ने इसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। यह पहल केवल मानवीय सहायता तक सीमित नहीं दिखती, बल्कि इसके माध्यम से वैश्विक शक्ति-संतुलन और कूटनीतिक नेतृत्व की नई दिशा भी उभरती दिखाई दे रही है।

गाजा में पिछले ढाई वर्षों से जारी युद्ध ने अभूतपूर्व मानवीय संकट खड़ा कर दिया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, लगभग 75 हजार लोगों की मौत हो चुकी है और 1.7 लाख से अधिक घायल हैं। मरने वालों में बड़ी संख्या आम नागरिकों और बच्चों की है। 19 लाख लोग बेघर हो चुके हैं और 78 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त बताई जाती हैं। इस पृष्ठभूमि में राहत और पुनर्निर्माण की किसी भी पहल का महत्व स्वतः बढ़ जाता है। ट्रम्प ने बैठक में कहा कि यह राशि युद्ध पर होने वाले खर्च की तुलना में बहुत कम है, और यदि सभी देश मिलकर प्रयास करें तो स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है।

बैठक में 9 सदस्य देशों द्वारा लगभग 7 अरब डॉलर और अमेरिका द्वारा 10 अरब डॉलर देने की घोषणा की गई। ट्रम्प स्वयं इस बोर्ड के अध्यक्ष हैं। इसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बगया और ट्रम्प के सलाहकार जारेद कुधनर जैसे नाम शामिल हैं। इस संरचना से स्पष्ट है कि यह मंच केवल सरकारी प्रतिनिधियों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक और वित्तीय नेतृत्व को साथ लेकर चलने का प्रयास है।

भारत की भागीदारी विशेष महत्व रखती है। भारत ने अभी पूर्ण सदस्यता को लेकर कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है, परंतु ऑब्जर्वर के रूप में उसकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि वह पश्चिम एशिया के बदलते समीकरणों पर पैनी नजर बनाए हुए है। भारत की विदेश नीति परंपरागत रूप से संतुलन और संवाद पर आधारित रही है। एक ओर उसके इजराइल से मजबूत रणनीतिक संबंध हैं, तो दूसरी ओर वह फिलिस्तीन के मानवीय अधिकारों का भी समर्थन करता रहा है। ऐसे में इस मंच पर भारत की भागीदारी उसकी बहुपक्षीय कूटनीति का हिस्सा मानी जा सकती है।

बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रोबो सुप्रिण्टो अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जावेद मिलाई और हंगरी के प्रधानमंत्री विकटन ओबराय स्वयं उपस्थित रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि कई देश इस मंच को गंभीरता से ले रहे हैं। हालांकि जर्मनी, ब्रिटेन और नॉर्वे जैसे कुछ देशों ने सदस्यता नहीं ली, पर ऑब्जर्वर के रूप में भागीदारी की।

इस बैठक का एक अहम पहलू गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती का प्रस्ताव है। लगभग 12 हजार पुलिसकर्मियों और 20 हजार सैनिकों की जरूरत का अनुमान लगाया गया है। इसका उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना और हमास को निरस्त्र करना बताया गया है। इजराइल की यह प्रमुख मांग रही है कि जब तक हमास हथियार नहीं छोड़ता, तब तक सेना की वापसी संभव नहीं है। दूसरी ओर हमास का कहना है कि जब तक इजराइली सेना पूरी तरह नहीं हटती, वह हथियार नहीं डालेगा। इस टकराव की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय बल की भूमिका निर्णायक हो सकती है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता और स्वीकृति पर अभी प्रश्नचिह्न बना हुआ है।

ट्रम्प ने इस मंच को संयुक्त राष्ट्र की निगरानी करने वाला बताया है। उनका कहना है कि संयुक्त राष्ट्र में क्षमता तो बहुत है, लेकिन उसका पूरा उपयोग नहीं हो पाया है। यह बयान वैश्विक कूटनीति में नई बहस को जन्म देता है। क्या यह बोर्ड वास्तव में संयुक्त राष्ट्र का पूरक बनेगा या उसकी भूमिका को चुनौती देगा? यूनाइटेड नेशन और विशेष रूप से यूनाइटेड नेशन सिक्युरिटी काउंसिल की भूमिका पर पहले से ही प्रश्न उठते रहे हैं। यदि यह नया मंच प्रभावी हुआ तो वैश्विक संस्थागत ढांचे में बदलाव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

बैठक के दौरान ट्रम्प द्वारा ईरान को 10 दिन का अल्टीमेटम देना भी महत्वपूर्ण है। यह संकेत है कि यह मंच केवल गाजा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक क्षेत्रीय समीकरणों को भी प्रभावित कर सकता है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजराइल और अरब देशों के बीच जटिल संबंध हैं। यदि यह बोर्ड किसी ठोस समझौते की दिशा में आगे बढ़ता है तो क्षेत्रीय राजनीति में नए संतुलन बन सकते हैं।

फिर भी इस पहल को लेकर शंकाएं भी कम नहीं हैं। फंडिंग, सैनिक तैनाती की समयसीमा, प्रशासनिक ढांचा और स्थानीय स्वीकृति जैसे कई सवाल अनुत्तरित हैं। गाजा के दक्षिणी हिस्से में नए शहर बसाने और पर्यटन परियोजनाओं के प्रस्ताव को भी आलोचनात्मक नजर से देखा जा रहा है। पुनर्निर्माण केवल भौतिक ढांचे तक सीमित नहीं होता; इसके लिए सामाजिक विश्वास, राजनीतिक समाधान और दीर्घकालिक सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता होती है।

भारत जैसे देशों के लिए यह मंच अवसर और चुनौती दोनों है। अवसर इसलिए कि वह वैश्विक शांति प्रयासों में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है; चुनौती इसलिए कि उसे अपने पारंपरिक संतुलन को बनाए रखते हुए नए शक्ति-संतुलन में खुद को स्थापित करना होगा। भारत की भूमिका भविष्य में इस बात पर निर्भर करेगी कि यह बोर्ड कितनी पारदर्शिता और निष्पक्षता से कार्य करता है।

अंततः 'बोर्ड ऑफ पीस' की सफलता केवल घोषित धनराशि या सैनिक तैनाती पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इस पर निर्भर करेगी कि क्या यह वास्तव में स्थायी राजनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ पाता है। गाजा का संकट केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक और मानवीय परीक्षा बन चुका है। यदि यह पहल वास्तविक संवाद, न्याय और पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है, तो यह वैश्विक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण अध्याय सिद्ध हो सकती है। अन्यथा, यह भी इतिहास के उन प्रयासों में शामिल हो जाएगी जो उम्मीदों के साथ शुरू हुए, पर जटिल राजनीतिक यथार्थ के सामने टिक नहीं सकती।

कांतिलाल मांडोत

क्या बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना समाधान है

आज की दुनिया में तकनीक ने जीवन को जितना सरल बनाया हैए उतना ही जटिल भी। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने संवादए शिक्षा और अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैंए लेकिन इनके साथ ऐसे जोखिम भी जुड़े हैं जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। इसी संदर्भ में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा भारत को उस पहल में शामिल होने का प्रस्तावए जिसमें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई हैए वैश्विक विमर्श को एक नई दिशा देता है। यह प्रस्ताव केवल तकनीकी या कानूनी बहस नहीं हैए बल्कि समाजए शिक्षाए अभिभावकीय जिम्मेदारी और बच्चों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। भारत जैसे युवा.प्रधान देश में यह विषय और अधिक संवेदनशील हो जाता हैए क्योंकि यहां डिजिटल अवसरों और सामाजिक असमानताओं का संतुलन एक साथ मौजूद है। आज की डिजिटल दुनिया में सोशल मीडिया बच्चों के लिए अवसरों और खतरों का मिश्रण बन चुका है। इंस्टाग्रामए टिकटॉकए एक्स ;पूर्व ट्विटरद्ध और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट की बाढ़ हैए जिसमें हिंसाए यौन शोषणए फेक न्यूज और साइबर बुलिंग का बोलबाला है। यूनिसेफकी रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत में 10.19 साल के 40 प्रतिशत से अधिक युवा ऑनलाइन उत्पीड़न के शिकार होते हैंए जो डिप्रेशनए एंग्जाइटी और यहां तक कि आत्महत्या तक ले जाता है। 15 साल से कम उम्र के बच्चों का मस्तिष्क अभी विकास के दौर में होता हैए और प्लेटफॉर्म्स के एडिक्टिव एल्गोरिदम उन्हें घंटों स्क्रीन से बांधे रखते हैं। इससे न केवल पढ़ाई प्रभावित होती हैए बल्कि शारीरिक गतिविधियां और सामाजिक कौशल भी पीछे छूट जाते हैं। फ्रांस जैसे देशों में यह प्रतिबंध बच्चों को इन जोखिमों से बचाएगाए अभिभावकों को मानसिक राहत देगा और शिक्षा पर फोकस बढ़ाएगा। मैक्रों का तर्क स्पष्ट है बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देकर हम भविष्य की पीढ़ी को मजबूत बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही 16 साल से कम उम्र पर सख्त बैन लगा दिया हैए और नॉर्वेए स्पेन जैसे देश इसी राह पर हैं। भारत में भी केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया कंपनियों से उम्र.आधारित एक्सेस कंट्रोल पर बातचीत की पुष्टि की है।

फिर भीए भारत जैसे विविध और विकासशील देश के संदर्भ में इस प्रतिबंध के सकारात्मक पक्षों के साथ नकारात्मक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा मुद्दा है डिजिटल डिवाइड। शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट प्रचुर हैए लेकिन ग्रामीण भारत में पहुंच सीमित होने के बावजूद सोशल मीडिया ही शिक्षा और संचार का प्रमुख माध्यम बन चुका है। यूट्यूब पर लाखों कोचिंग ट्यूटोरियल्स उपलब्ध हैंए जिनसे सुदूर देहाती बच्चे घर बैठे पढ़ाई कर रहे हैं। खान अकादमीए बायजूज जैसे प्लेटफॉर्म्स ने लाखों छात्रों को सशक्त किया है। प्रतिबंध लगाने से ये अवसर छिन जाएंगेए खासकर जहां पारंपरिक शिक्षा संसाधन अभावग्रस्त हैं। घर में बुराइयों से बचाव के लिए दरवाजा बंद करना ठीक नहींए क्योंकि अच्छाई के रास्ते भी अवरुद्ध हो जाएंगे। इतिहास गवाह है प्राचीन भारत में समुद्र पार करने पर धर्म भ्रष्ट होने का नियम बनाए जिससे बाहरी विचारों और प्रगति से वंचित रह गए। आजादी के बाद हमने वैश्विक संपर्क को अपनायाए जिससे विज्ञानए तकनीक और संस्कृति का आदान.प्रदान हुआ। सोशल मीडिया पर पूर्ण बैन इसी तरह का अलगाव पैदा कर सकता है। लागूकरण की व्यावहारिक चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उम्र सत्यापन कैसे होगाघ् आधार या अन्य डिजिटल आईडी से लिंक करने पर गोपनीयता का जोखिम बढ़ेगाए जो डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ;डीपीडीपीद्ध एक्ट 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले 13 साल से कम उम्र के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध की पीआईएल खारिज कर दी थीए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ;अनुच्छेद 19 का हवाला देकर। माद्रास हाईकोर्ट ने भले ही ऑस्ट्रेलिया मॉडल की सिफारिश की होए लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनाना कठिन है। बैन से बच्चे वीपीएन या अंडरग्राउंड ऐप्स का सहारा लेंगेए जो और असुरक्षित साबित होंगे डार्क वेब कंटेंट तक पहुंच आसान हो जाएगी। आंध्र प्रदेश जैसे राज्य स्तर पर प्रयास हो रहे हैंए जहां 16 साल से कम उम्र पर बैन का प्रस्ताव हैए लेकिन केंद्र में संसाधनों की कमी एक बड़ी बाधा है। सूचना प्रौद्योगिकी ;मध्यस्थ दिशानिर्देशद्ध नियम 2021 के तहत प्लेटफॉर्म्स पहले ही अवैध कंटेंट 36 घंटे ;अब 3 घंटेद्ध में हटाने को बाध्य हैंए लेकिन उम्र.विशिष्ट बैन के लिए अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए जो महंगा और जटिल होगा।

भारत की सामाजिक संरचना भी इस प्रतिबंध को जटिल बनाती है। यहां परिवार.केंद्रित समाज हैए जहां माता.पिता खुद बच्चों पर नजर रखते हैं। पश्चिमी देशों में न्यूक्लियर फैमिलीज में अभिभावक व्यस्त रहते हैंए इसलिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी लगता है। लेकिन भारत में संयुक्त परिवार प्रथा अभी प्रासंगिक हैए और सांस्कृतिक मूल्य बच्चों को नैतिक सीमाओं में बांधते हैं। पूर्ण बैन की बजाय रेगुलेटेड एक्सेस ज्यादा व्यावहारिक है। उदाहरणस्वरूपए डीपीडीपी एक्ट में बच्चों के लिए पैरेंटल कंसेंट अनिवार्य करने का प्रावधान है। प्लेटफॉर्म्स को उम्र.अनुरूप कंटेंट फिल्टरिंगए एआई.आधारित मॉनिटरिंग और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चलाने चाहिए। सरकार ने डीपफेक पर सख्ती बढ़ाई है 2 घंटे में अश्लील कंटेंट हटाना जरूरी हैए जो आईटी एक्ट की धारा 67बी के तहत बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। स्कूलों में डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देकर बच्चे खुद खतरों से अवगत हो सकते हैं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह ट्रेंड अपरिहार्य लगता है। फ्रांस 15 सालए ऑस्ट्रेलिया 16 साल की सीमा पर हैए जबकि अमेरिका में प्लेटफॉर्म्स स्वयं 13 साल की न्यूनतम उम्र रखते हैं। लेकिन भारत की 140 करोड़ आबादी में 35 करोड़ से अधिक 15 साल से कम उम्र के बच्चे हैंकृइसे एकसमान लागू करना अकल्पनीय है। संसाधन.कमी वाले विकासशील देश में मुकदमों की बाढ़ आ जाएगीए क्योंकि अभिभावक चुनिंदा एक्सेस की मांग करेंगे। भारतीय न्याय संहिता 2023 ऑनलाइन अश्लीलता और घृणा भाषण पर दंडित करती हैए लेकिन रोकथाम के लिए नीतिगत स्मार्टनेस चाहिए। मैक्रों का न्यौता विचारणीय हैए लेकिन भारत को अपना मॉडल गढ़ना होगा जैसे चाइना का फायरवॉल या यूरोप का जीडीपीआर।

संतुलन बनाना ही कुंजी है। सख्त बैन से बेहतर है उम्र.आधारित टियर सिस्टमरू 13 साल तक पूर्ण प्रतिबंधए 13.15 तक पैरेंटल कंट्रोल के साथ सीमित एक्सेसए और 15.18 तक सशर्त स्वतंत्रता। एनजीओए एजुकेटर्स और टेक कंपनियों को शामिल कर पायलट प्रोजेक्ट चलाए जा सकते हैं। अभिभावकों के लिए ऐप्स विकसित करेंए जो उपयोग ट्रैक करें। शिक्षा मंत्रालय यूट्यूब एजुकेशनल चैनल्स को बढ़ावा दे। अंततःए यह पहल सफल होगी यदि हम प्रतिबंध को अवसर में बदल दें बच्चों को डिजिटल दुनिया की साक्षर नागरिक बनाएंए न कि उसे बंद करके। भारत की युवा शक्ति हमारा सबसे बड़ा संपदा हैय इसे सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। मैक्रों का प्रस्ताव एक अवसर हैए लेकिन इसका स्वरूप भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए।

महेन्द्र तिवारी

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव : क्या जनादेश भी अब सौदेबाज़ी का विषय है?

गांव की गलियों में इन दिनों फिर चुनावी सरगर्मी है। चौपालों पर चर्चा है, नुक्कड़ों पर बहस है और घर-घर में उम्मीदों की नई गूंज है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव–ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत–लोकतंत्र की वह बुनियाद है, जहां से शासन की असली धारा शुरू होती है। लेकिन इस लोकतांत्रिक पर्व के बीच एक चिंताजनक प्रवृत्ति भी दिखाई दे रही है। कुछ लोग ऐसे दावे कर रहे हैं, मानो पंचायत चुनाव कोई किराना स्टोर की सौदेबाज़ी हो। खुलेआम कहा जा रहा है– 'चाहे जितना रुपया लगे, हम जीत कर दिखाएंगे... जनता को साध लेंगे। ' यह सोच केवल लोकतंत्र का अपमान नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज की चेतना को कम आंकने की भूल भी है।

पंचायत चुनाव : सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था का उद्देश्य गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य–ये केवल पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारियां हैं। इन पदों के माध्यम से गांव की सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की दिशा तय होती है। जब कोई उम्मीदवार इसे केवल धनबल के माध्यम से जीतने की वस्तु समझता है, तब वह इस पवित्र जिम्मेदारी का मोल घटा देता है। पंचायत का चुनाव संसद या विधानसभा जितना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहीं से विकास की पहली ईंट रखी जाती है। यदि यह ईंट ही सौदेबाज़ी की मानसिकता से रखी जाएगी, तो पूरी इमारत कमजोर हो जाएगी।

धनबल की राजनीति बनाम जनबल की शक्ति गांव का मतदाता अब पहले जैसा भोला नहीं रहा। वह यह समझता है कि पांच साल तक उसके दरवाजे पर कौन आएगा और कौन केवल चुनाव के दिनों में नजर आएगा। कुछ लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि पैसा खर्च कर वोट खरीदे जा सकते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि वोट केवल कागज पर डाला गया निशान नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। धन से क्षणिक समर्थन मिल सकता है, लेकिन स्थायी सम्मान नहीं। जनता की आंखें सब देखती हैं– किसने विपत्ति में साथ दिया, किसने केवल भाषण दिए।

वर्तमान पंचायत चुनाव की चुनौती आज पंचायत चुनाव केवल व्यक्तियों का मुकाबला नहीं है, बल्कि विचारधारा और कार्यशैली का भी मुकाबला है। क्या हम ऐसे प्रतिनिधि चुनेंगे जो जीतने के बाद जनता से दूर हो जाएं? या ऐसे लोग जो हर समस्या में गांव के साथ खड़े रहें? यह चुनाव केवल पद का नहीं, बल्कि पंचायत की दिशा और दशा का चुनाव है।

जनता बिकाऊ नहीं, जागरूक है जो लोग यह सोचते हैं कि 'जनता को खरीद लेंगे ', वे लोकतंत्र की आत्मा को नहीं समझते। गांव का समाज रिश्तों और विश्वास पर चलता है। यहां सम्मान और भरोसे की कीमत नोटों से अधिक होती है। जनता को खरीदना आसान नहीं– जनता को जीतना पड़ता है। और जीतने का एकमात्र रास्ता है– ईमानदार कर्म, पारदर्शी कार्यशैली और निरंतर जनसेवा। दिलों पर राज कीजिए, जेबों पर नहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में असली जीत उसी की होगी, जो गांव के हर वर्ग–किसान, मजदूर, युवा, महिला और बुजुर्ग–के दिलों में स्थान बनाएगा। 'नोटों की चमक कुछ पल की होती है, पर सेवा की चमक पीढ़ियों तक रहती है। ' जनता अब जागरूक है। वह यह समझती है कि उसका एक वोट पांच साल की तस्वीर बदल सकता है। इसलिए वह तात्कालिक लाभ से अधिक दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देती है। लोकतंत्र की असली ताकत पंचायत चुनाव हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र की जड़ें गांव में हैं। यदि गांव मजबूत होगा, तो देश मजबूत होगा। जो इसे सौदेबाज़ी समझते हैं, वे राजनीति के मूल अर्थ को नहीं समझते। पंचायत का पद सत्ता का नहीं, सेवा का माध्यम है। जय हो जनता जनार्दन की, क्योंकि अंततः वही तय करती है कि पंचायत की कमान किसे सौंपनी है।

बृजभूषण तिवारी

संपादकीय

मैक्रों की पुकार, मोदी का संकेतः क्या बदलेगा डिजिटल भविष्य?

[बचपन दांव पर हैः क्या भारत निर्णायक कदम उठाएगा?]

[विश्व बहस के केंद्र में भारतः क्या बनेगा नया डिजिटल मानक?]

दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट का वह क्षण ऐतिहासिक बन गया। इमैनुएल मैक्रों मंच पर खड़े थे; आँखों में गहरी चिंता और स्वर में पिता-सी व्याकुलता। उन्होंने प्रधानमंत्री की ओर देख कहा– 'मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, क्या आप इस क्लब में शामिल होंगे?' यह केवल कूटनीतिक प्रश्न नहीं, एक पिता की पुकार और सभ्यता की चेतावनी थी। उन्होंने पूछा, 'जो चीजें वास्तविक जीवन में अपराध हैं, वे हमारे बच्चों के सामने क्यों परोसी जा रही हैं? फ्रांस पंद्रह वर्ष से कम आयु के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध की दिशा में बढ़ रहा है। स्पेन और ग्रीस भी आगे हैं। अब भारत को 'कोलिशन ऑफ विलिंग' में शामिल होने का आमंत्रण है– क्योंकि यह नियमों से बढ़कर हमारी सभ्यता का प्रश्न है।' उनके शब्द सभागार में गूँजे और असंख्य माता-पिताओं के हृदय तक पहुँचे। क्या हम अब भी मौन रहेंगे?

यह विमर्श अब केवल तकनीक की प्रगति का नहीं, हमारे बच्चों के मन और मर्म की सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। वैज्ञानिक शोध निरंतर चेतावनी दे रहे हैं कि सामाजिक माध्यम किशोरों में अवसाद, चिंता और आत्महत्या जैसे विचारों की प्रवृत्ति को बढ़ा रहे हैं। अनवरत स्क्रीन पर अंगुली चलाने की आदत ऐसी जकड़ बन चुकी है कि बच्चे नींद, अध्ययन और वास्तविक संबंधों से दूर होते जा रहे हैं। भारत में पचास करोड़ से अधिक युवा इंटरनेट से जुड़े हैं, जिनमें दस से चौदह वर्ष आयु के लाखों बच्चे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे मंचों पर घंटों डूबे रहते हैं। इमैनुएल मैक्रों इसे स्पष्ट शब्दों में 'डिजिटल अब्यूज' कहते हैं। प्रश्न यह है– क्या हम इसे अब भी मात्र 'एक्सपोजर' का नाम देकर टालते रहेंगे, या फिर समय की पुकार सुनकर अपने बच्चों को इस विषैली स्क्रीन-जगत से बचाने का साहस करेंगे? भारत में यह बहस पुरानी है, पर अब निर्णायक हो चली है। आर्थिक सर्वेक्षण ने सोशल मीडिया पर आयु-आधारित सीमा की अनुशंसा की है। एआई इंपैक्ट समिट में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार मंचों से डीपफेक और आयु-नियंत्रण पर चर्चा कर रही है। आंध्र प्रदेश सोलह वर्ष से कम आयु के लिए प्रतिबंध का प्रस्ताव रख चुका है। पर प्रश्न है– क्या केवल कानून पर्याप्त होगा? फेक आईडी और वीपीएन को कैसे रोका जाएगा? ऑस्ट्रेलिया ने सोलह वर्ष से कम आयु पर प्रतिबंध लगाया, फिर भी चुनौतियाँ बनी रहीं। भारत जैसे विशाल देश में यह और कठिन होगा। फिर भी इमैनुएल मैक्रों का प्रश्न स्पष्ट है– क्या बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि होगी?

विरोधी पक्ष का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक समाधान नहीं है। बच्चे शिक्षा, संवाद और सृजन के लिए इन मंचों का उपयोग करते हैं; कठोर प्रतिबंध उन्हें छिपे और अनियंत्रित उपयोग की ओर धकेल सकता है। इसलिए सख्त अभिभावकीय निगरानी, प्रभावी आयु-सत्यापन और सुदृढ़ सामग्री छनन को अधिक संतुलित विकल्प माना जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत आँकड़ा संरक्षण अधिनियम अठारह वर्ष से कम आयु के लिए अभिभावकीय सहमति अनिवार्य करता है, किंतु प्रश्न शेष है– क्या यह पर्याप्त है? इमैनुएल मैक्रों का स्पष्ट मत है– जब तक मंच स्वयं जवाबदेही नहीं स्वीकारेंगे, तब तक बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी। फ्रांस में विधेयक आगे बढ़ चुका है। अब प्रश्न भारत के सामने है– क्या वह प्रतीक्षा करेगा?

यह प्रश्न केवल बच्चों तक सीमित नहीं, पूरे समाज का है। सोशल मीडिया ने सूचना को जनसुलभ बनाया, पर साथ ही घृणा, उत्पीड़न और मिथ्या समाचार का खुला बाजार भी खड़ा कर दिया। सबसे आसान लक्ष्य हमारे बच्चे बनते हैं। एआई के दौर में डीपफेक और एआई जेनरेटेड कंटेंट ने खतरा दोगुना कर दिया है। ग्रोक चैटबॉट से हजारों बच्चों की सेक्शुअलाइज्ड इमेज बनने की घटना ने दुनिया को झकझोर दिया। इमैनुएल मैक्रों ने स्पष्ट कहा, 'एआई सबके लिए होनी चाहिए, पर बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है।' नरेंद्र मोदी ने भी उत्तर दिया कि एआई को 'फैमिली-गाइडेड' और 'चाइल्ड-सेफ' बनाना अनिवार्य है। जब दोनों नेता एक स्वर में चेतावनी दे रहे हैं, तो प्रश्न यही है– क्या यह संकल्प केवल मंचीय शब्द बनकर रह जाएगा?

अब निर्णय की घड़ी आ पहुँची है। भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है; हमारी डेमोग्राफी हमारी ताकत है, लेकिन अगर हम बच्चों को डिजिटल जहर से नहीं बचाएंगे, तो यह ताकत कमजोर पड़ सकती है। मैक्रों का प्रस्ताव एक सीधी चुनौती है– क्या हम यूरोप के साथ संतुलित और नियंत्रित मार्ग चुनेंगे, या अमेरिकी मॉडल (फ्रीडम फर्स्ट) को अपनाएंगे? जी-7 की अध्यक्षता इस समय फ्रांस के पास है और यह विषय उनकी प्राथमिकताओं में अग्रणी है। यदि भारत इस पहल से जुड़ता है, तो वैश्विक मानक तय हो सकते हैं। निस्संदेह, क्रियान्वयन सरल नहीं होगा। प्लेटफॉर्म्स प्रतिरोध करेंगे, उपयोगकर्ता असंतोष प्रकट करेंगे। पर प्रश्न सीधा है– जब बच्चों का भविष्य दाँव पर हो, तब क्या कठिनाई निर्णय को टालने का कारण बन सकती है?

अंततः प्रश्न हम सबके लिए है– क्या हम सोशल मीडिया को अपने बच्चों का मित्र मानते हैं या अनजाने में उन्हें उनके भविष्य का शत्रु बना रहे हैं? इमैनुएल मैक्रों ने दिल्ली की धरती पर जो कहा, वह केवल फ्रांस की नीति की घोषणा नहीं थी; वह समूची मानवता के अंतःकरण से उठी चेतावनी थी। अगर हम अब नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। समय आ गया है कि भारत दृढ़ और साहसी निर्णय ले। बच्चों की हँसी आभासी परदे की चमक में नहीं, वास्तविक जीवन की खुली धूप में खिलनी चाहिए। प्रश्न यही है– क्या हम इस परिवर्तन के लिए तैयार हैं? उत्तर किसी और के पास नहीं, हमारे सामूहिक संकल्प में छिपा है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

सच्ची घर वापसी : अपने मूल संस्कार, संस्कृति और स्वदेश का आत्म-साक्षात्कार

'घर वापसी' शब्द प्रायः धार्मिक या संकीर्ण वैचारिक बहसों तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि इसके मर्म में निहित अर्थ कहीं अधिक व्यापक, सकारात्मक और राष्ट्रबोध से जुड़ा हुआ है। यदि इसे समग्र दृष्टि से देखा जाए, तो 'घर वापसी' का आशय अपने मूल संस्कारों, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र के प्रति आत्मीय निष्ठा की ओर लौटने से है। यहाँ 'घर' किसी भौतिक संरचना या सीमित पहचान का नाम नहीं, बल्कि वह राष्ट्र है जो हमारी जन्मभूमि और कर्मभूमि होने के साथ-साथ हमारी पहचान, सुरक्षा और स्वाभिमान का शाश्वत आधार है।

सच्ची घर वापसी का प्रथम और अनिवार्य सोपान है - स्वदेश हित में सोचना, बात करना और कर्म करना। निस्संदेह आलोचना लोकतंत्र की संजीवनी है, किंतु जब यही आलोचना राष्ट्र की संस्थाओं को दुर्बल करने लगे, उसकी अखंडता पर प्रहार करे या शत्रु शक्तियों को वैचारिक बल प्रदान करने लगे, तब वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि आत्मघाती विघटन का रूप ले लेती है। सच्ची राष्ट्रनिष्ठा का अर्थ यह नहीं कि नीतियों पर प्रश्न न उठाए जाएँ, बल्कि यह है कि विमर्श प्रखर और तथ्याधारित हो, किंतु राष्ट्र की एकता और संप्रभुता सर्वोपरि बनी रहे।

वस्तुतः राष्ट्र केवल मानचित्र पर खिंची रेखाओं का समूह नहीं होता; वह साझा इतिहास, गौरवशाली संस्कृति और असंख्य बलिदानों से निर्मित एक जीवंत चेतना है। इस दृष्टि से 'घर वापसी' का सबसे महत्वपूर्ण आयाम अपने उन संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों से पुनः जुड़ना है, जिनसे हम आधुनिकता की अंधी दौड़ या बाह्य प्रभावों के कारण विमुख होते जा रहे हैं। जब कोई नागरिक अपनी सांस्कृतिक थाती को पहचानकर उसे आत्मसात करता है और उसके संरक्षण-संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध होता है, तभी उसका वास्तविक आत्म-साक्षात्कार होता है। देश की आन-बान-शान के लिए स्वयं को अर्पित करने का भाव ही वह कसौटी है, जो नागरिक को राष्ट्ररूपी 'घर' से जोड़ती है। यह राष्ट्रबोध केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक सीमित नहीं होना चाहिए। एक निष्ठावान शिक्षक, वैज्ञानिक, किसान, श्रमिक, उद्यमी, प्रशासक या जनप्रतिनिधि आदि सभी के आचरण में राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व समान रूप से प्रतिबिंबित होना चाहिए। राष्ट्रहित में अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करना भी राष्ट्रसेवा का ही सशक्त रूप है।

घर वापसी का एक साहसी और अनिवार्य पक्ष उन भटके हुए स्वरों को भी मुख्यधारा से जोड़ना है, जो जाने-अनजाने में राष्ट्रविरोधी विमर्श या गतिविधियों का हिस्सा बन जाते हैं। राष्ट्रीय अस्मिता और अखंडता के प्रश्न पर तटस्थता सदैव सद्गुण नहीं होती; कई अवसरों पर यह मौन कायरता का पर्याय बन जाती है। जब कोई भारतीय राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का परित्याग कर राष्ट्रहितैषी आचरण की ओर लौटता है, तो वह भी 'घर वापसी' का ही एक सशक्त रूप है।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियाँ वे विचार, क्रियाएँ या आंदोलन हैं जो देश की एकता, संप्रभुता, संविधान और राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुँचाते हैं,जैसे अलगाववादी प्रवृत्तियाँ ; आतंकवाद या हिंसा का समर्थन; देशद्रोही संगठनों से सहानुभूति; संविधान, राष्ट्रीय ध्वज या राष्ट्रगान का अपमान; विदेशी शक्तियों के हित में राष्ट्र को कमजोर करने के प्रयास तथा झूठे प्रचार द्वारा समाज में विद्वेष, अस्थिरता और अविश्वास फैलाना। इसके विपरीत, राष्ट्र समर्थित गतिविधियाँ वे आचरण और प्रयास हैं जो देश की सुरक्षा, विकास और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करते हैं,जैसे संविधान और कानून का सम्मान, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा, राष्ट्रनिर्माण और आत्मनिर्भरता में योगदान, मर्यादित एवं संवैधानिक ढंग से असहमति व्यक्त करना तथा समाज में सद्भाव, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा देना। राष्ट्रविरोधी मार्ग से राष्ट्रसमर्थित मार्ग की ओर लौटना भी घर वापसी का ही सार्थक अर्थ है।

घर वापसी का एक आधुनिक और व्यावहारिक आयाम उन भारतीयों से भी जुड़ा है, जो बेहतर सुख-सुविधाओं, आर्थिक अवसरों या पेशेवर कारणों से विदेशों में बस गए हैं और जिन्होंने विदेशी नागरिकता तक ग्रहण कर ली है या ऐसा करने का सोच रहे हैं। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय अवसरों की खोज स्वाभाविक है, किंतु जब भौतिक समृद्धि के साथ-साथ अपने स्वदेश के प्रति भावनात्मक, सांस्कृतिक और नैतिक दायित्वों का बोध पुनः जागृत होता है, तब स्वदेश लौटने की आकांक्षा स्वयं में एक प्रकार की घर वापसी बन जाती है। ऐसे नागरिकों का भारत लौटना केवल भौगोलिक वापसी नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, अनुभव, पूंजी और वैश्विक दृष्टि के साथ राष्ट्रनिर्माण में पुनः सहभागी होना है। यह प्रक्रिया राष्ट्र के लिए 'ब्रेन गेन' का मार्ग प्रशस्त करती है।यह भी मेरी नजर में घर वापसी होगी।

इस दिशा में समाज और शासन,दोनों स्तरों पर सकारात्मक और संवेदनशील प्रयास आवश्यक हैं, ताकि स्वदेश लौटने वालों को सम्मान, अवसर और अनुकूल वातावरण मिल सके। जब विदेशों में अर्जित दक्षता और अनुभव भारत की प्रगति में लगते हैं, तब राष्ट्र भी सशक्त होता है और वह व्यक्ति भी राष्ट्ररूपी घर से पुनः आत्मिक रूप से जुड़ जाता है। भावनात्मक लगाव, सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव और राष्ट्र के भविष्य में सहभागी बनने की यह चेतना भी घर वापसी का ही एक आधुनिक, सृजनात्मक और राष्ट्रहितकारी रूप है।

राष्ट्रवादी चेतना हमें यह बोध कराती है कि राष्ट्र की एकता और सुरक्षा पर किसी भी प्रकार का समझौता आत्मघाती सिद्ध होता है। इस चेतना का मार्ग संविधान-सम्मत आचरण तथा राष्ट्रीय प्रतीकों और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अटूट श्रद्धा से होकर गुजरता है। संविधान केवल विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक आत्मा है। तिरंगा हमारा स्वाभिमान है और राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत हमारी एकता का स्वर। इनका सम्मान किसी राजनीतिक विचारधारा के प्रति निष्ठा नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रत्येक नागरिक का प्राथमिक कर्तव्य है।जो लोग इन कर्तव्यों का पालन नहीं करते हैं, उन्हें पालन करने के लिए प्रेरित करना भी घर वापसी मुहिम है।

निष्कर्षतः, घर वापसी किसी एक पहचान को त्यागकर दूसरी को अपनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने मौलिक राष्ट्रबोध, सांस्कृतिक गौरव और संवैधानिक मूल्यों की ओर लौटने की यात्रा है। यह वह बिंदु है जहाँ नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी सहर्ष स्वीकार करता है और जहाँ विविधताओं के विशाल समुद्र के बीच राष्ट्रहित सर्वोपरि रहता है। जब व्यक्ति राष्ट्र को अपना घर और उसकी संस्कृति को अपना प्राण मान लेता है, तभी उसकी घर वापसी पूर्ण होती है।

डा. मनमोहन प्रकाश

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

सीएम युवा क्रेडिट कैम्प में लाभार्थियों को मिला ऋण स्वीकृति पत्र

देवरिया। विकास भवन सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी राजेश सिंह एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव/सिविल जज शैलजा मिश्रा ने किया। उपायुक्त उद्योग एस. सिद्दीकी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योजना की विस्तृत जानकारी दी। अग्रणी जिला प्रबंधक आर.एस. प्रेम ने बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कैम्प में विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों द्वारा चयनित लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं डेमो चेक वितरित किए गए। लाभार्थियों अमृता तिवारी, अंजली चौरसिया, सत्यम कुमार और हर्षित ने अपने उद्यम से जुड़े अनुभव साझा किए। मुख्य विकास अधिकारी ने युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह योजना आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक मनीष वर्मा, बैंक प्रतिनिधि, सीएम युवा फेलोज तथा जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राम जानकी मार्ग के दोनों किनारे पर बने पक्के नालों की ढकाई न होने से दे रहे है दुर्घटना को दावत

गोलाबाजार गोरखपुर- गोला उप नगर के बेवरी व चंद चौराहे पर राम जानकी मार्ग के दोनों तरफ जल भराव से मुक्ति दिलाने के लिए बन रहे गहरे नाले सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते दुर्घटना को दावत दे रहे है। यदि समय रहते गहरे खुले नालों को ढका नहीं गया तो गोरखपुर (रासीनगर) की घटना दोहराने से इंकार नहीं किया जा सकता है। प्राप्त विवरण के अनुसार गोला उपनगर राम जानकी सड़क मार्ग के किनारे स्थित है। सिकरीगंज से बडहलगंज तक यह सड़क करीब दो साल से बन रहा है। सड़क तो लगभग बन गई है। लेकिन चौराहों के आस पास कहीं सड़क नहीं बनी है तो कहीं जल निकासी के लिए नाला नहीं बना है। सब निर्माणाधीन है। गोला उपनगर में गोपालपुर चौराहा,चंद चौराहा,बेवरी चौराहा पड़ता है। गोपालपुर चौराहा , चंद चौराहा पर सड़क एवं नाली का निर्माण हो चुका है। अभी पटरियां नहीं बनी है। लेकिन चंद चौराहा से आगे बेवरी चौराहा पर एक साल से सड़क, नाला, पटरी सभी निर्माणाधीन है। लेकिन ठेकेदार द्वारा सुरक्षा मानक की अनदेखी करते जो गहरा नाला बना कर जगह ह्र जगह खुला छोड़ दिया गया है। उसमें से जो छड़ बाहर निकले हुए खुले छूटे हुए हैं। वह दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। यदि समय रहते उसको ढका नहीं गया तो पैदल या सायकिल से जाने वाले राहगीर व स्कूली बच्चे गिर कर दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। गोला उपनगर वासियों के साथ साथ क्षेत्रवासियों ने शीघ्र निर्माणाधीन नाले को बनाकर ढकने की मांग किया है।।

खड्डा में खाटू श्याम फाल्गुन महोत्सव पर धूमधाम से निकली निशान यात्रा – गूंजा बाबा श्याम का जयघोष

खड्डा (कुशीनगर)। स्थानीय उपनगर में शुक्रवार को मारवाड़ी युवा मंच एवं राधा महिला मंडल के तत्वाधान में खाटू श्याम फाल्गुन महोत्सव के अवसर पर गाजे-बाजे के साथ भव्य निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने पूरे नगर का भ्रमण कर बाबा श्याम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना दिया। निशान यात्रा की शुरुआत हनुमान मंदिर में खाटू श्याम की पूजा-अर्चना के बाद हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं का जत्था आजाद चौक, फलमंडी चौराहा, रेलवे स्टेशन रोड, सुभाष चौक और पुराना बस स्टैंड होते हुए डालमिया विवाह भवन पहुंचा, जहां निशान को विधिवत पूजा स्थल पर स्थापित किया गया। पूरे मार्ग में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर झूमते और नाचते नजर आए। यात्रा में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी रही। इस दौरान चेयरमैन संगीता वर्मा, दुर्गेश वर्मा, डॉ. निलेश मिश्र, अमर जायसवाल, संतोष जायसवाल, शशी डालमिया, राजू तुलस्यान, राजेश अग्रवाल, पवन गोयल, प्रवीण गोयल, आदर्श अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, रौनक तुलस्यान, हर्ष अग्रवाल, मनीष तुलस्यान, नत्थू शर्मा, धीरज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोरखपुर में ट्रैफिक पर बड़ा प्रहारः चार नए ट्रैफिक थाने खुलेंगे, अवैध पार्किंग और ई-रिक्शा मनमानी पर सख्त कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। शहर की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रशासन ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। लगातार बढ़ते जाम, अवैध पार्किंग और ई-रिक्शा की मनमानी से जूझ रहे शहर में अब चार नए ट्रैफिक थाने खोले जाएंगे। धर्मशाला, मोहद्दीपुर, बेतियाहाता और नौसढ़ में स्थापित होने वाले ये ट्रैफिक थाने क्षेत्रवार निगरानी को मजबूत करेंगे और जवाबदेही तय करेंगे। प्रशासन के अनुसार धर्मशाला ट्रैफिक थाना गोरखनाथ क्षेत्र की व्यवस्था संभालेगा। मोहद्दीपुर थाना पिपराइच रोड और मेडिकल रोड की निगरानी करेगा। बेतियाहाता ट्रैफिक थाना घंटाघर और रुस्तमपुर इलाके को कवर करेगा, जबकि नौसढ़ ट्रैफिक थाना ट्रांसपोर्ट नगर और फल मंडी क्षेत्र की जिम्मेदारी उठाएगा। स्पष्ट है कि शहर के सबसे व्यस्त और जाम प्रभावित इलाकों को प्राथमिकता दी गई है। सबसे सख्त कार्रवाई अवैध पार्किंग के खिलाफ होगी। सड़क की बाई ओर बेतरतीब खड़े वाहन अब सीधे कार्रवाई की जद में आएंगे। खासकर गोलघर, घंटाघर, मेडिकल रोड और ट्रांसपोर्ट नगर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। नियम तोड़ने वालों का चालान होगा, साथ ही क्रेन से वाहन उठाकर सीधे यार्ड भेज दिया जाएगा। इस संयुक्त अभियान में नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस और जीडीए की टीमें मिलकर काम करेंगी।

ई-रिक्शा संचालन को भी पूरी तरह से रेगुलेट किया जाएगा। अब ई-रिक्शा केवल निर्धारित रूट पर ही चल सकेंगे। चौराहों पर सवारी बैठाना-उतारना, बीच सड़क वाहन रोकना या बिना अनुमति रूट बदलना भारी पड़ेगा। बार-बार उल्लंघन करने वालों के परमिट निरस्त करने तक की कार्रवाई होगी। यार्ड प्रबंधन में भी बड़ा सुधार किया जाएगा। वर्षों से अव्यवस्थित ढंग से खड़ी जब्त गाड़ियों को व्यवस्थित स्थानों पर शिफ्ट कर पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाएगी, ताकि भविष्य की कार्रवाई प्रभावी ढंग से लागू हो सके। अधिकारियों का दावा है कि चार नए ट्रैफिक थानों के संचालन से क्षेत्रवार निगरानी मजबूत होगी और हर थाना प्रभारी अपने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था के लिए सीधे जिम्मेदार होगा। शहरवासियों की नजर अब इस बात पर है कि यह सख्ती धरातल पर कितनी प्रभावी साबित होती है। संकेत साफ हैं–अब गोरखपुर की सड़कों पर नियम तोड़ने वालों के लिए कोई राहत नहीं।

विधायक विमलेश पासवान ने सदन में उठाया जानीपुर को ब्लॉक बनाने का मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर। बांसगांव विधान सभाइ क्षेत्र में विकास को गति देने के उद्देश से विधायक विमलेश पासवान ने विधानसभा के सदन में जानीपुर को नया विकास खंड (ब्लॉक) बनाए जाने की मांग जोरदार तरीके से उठाई। उन्होंने कहा कि जानीपुर क्षेत्र की बढ़ती आबादी और भौगोलिक विस्तार को देखते हुए यहां अलग ब्लॉक की स्थापना अत्यंत आवश्यक हो गई है। विधायक ने सदन में बताया कि वर्तमान में क्षेत्र की ग्राम सभाओं को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर-दराज के ब्लॉक मुख्यालय पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे आम जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि जानीपुर को ब्लॉक का दर्जा मिल जाता है तो स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

इस मुद्दे पर क्षेत्रवासियों में भी उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि 'जानीपुर को ब्लॉक का दर्जा मिलना क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक कदम होगा। इससे विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों आएगी।' 'लंबे समय से क्षेत्रवासी इस मांग को उठा रहे थे। विधायक द्वारा सदन में मुद्दा उठाना सराहनीय है। यदि जानीपुर ब्लॉक बनता है तो आम जनता को प्रशासनिक कार्यों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।' युवाओं, किसानों और महिलाओं को योजनाओं का लाभ घर के नजदीक मिलेगा। यह सिर्फ प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि क्षेत्र की तकदीर बदलने वाला कदम साबित होगा। ' विधायक के इस प्रयास से क्षेत्र में उम्मीद की नई किरण जगी है और लोगों को भरोसा है कि सरकार जल्द ही इस पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

शटर का ताला तोड़कर मोबाइल के दुकान में चोरी

रूद्रपुर, देवरिया। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के लुअठई चौराहे पर स्थित डीके मोबाइल शॉप पर चोरों ने बीती रात शटर का ताला तोड़कर दुकान में रखा लैपटॉप इयरफोन और नकदी चुरा लिया। सुबह जब लक्ष्मीपुर के भुतहा टोला निवासी दुकानदार दिलीप निषाद पुत्र सुभाष निषाद दुकान खोलने गया तो देखा कि उसके शटर का ताला टूटा हुआ है। शटर उठते ही उसके होश उड़ गए। दुकानदार ने कोतवाली पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाला तो चोरों की करतूत दिखाई दी। कोतवाली पुलिस अपने स्तर से चोरों का पता लगाने में जुट गई है। दुकानदार ने पुलिस को घटना के बाबत तहरीर सौंप दिया है। जिसमें लैपटॉप, मोबाइल, इयरफोन व नकदी चुराने की बात लिखी गई है। क्षेत्रीय विधायक जयप्रकाश निषाद के आवास से महज 50 मी दूर चौराहे पर हुई इस घटना से जहां एक तरफ पुलिसिया गश्त पर सवालिया निशान खड़ा होता है वही अन्य दुकानदारों में दहशत पैदा हो गई है।

कुंवानो नदी में 12 वर्षीय अज्ञात बच्ची का शव मिलने से सनसनी, पहचान न होने से बढ़ी रहस्य की परत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार (गोरखपुर)। गोला तहसील क्षेत्र के उरुवा थाना अंतर्गत धुरियापार के नायका घाट के पास शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब कुंवानो नदी में करीब 12 वर्षीय अज्ञात लड़की का उतराता हुआ शव दिखाई दिया। सुबह नदी किनारे पहुंचे ग्रामीणों की नजर जैसे ही शव पर पड़ी, इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही उरुवा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी मशक्कत के बावजूद बच्ची की शिनाख्त नहीं हो सकी। शव की स्थिति देखकर आशंका जताई जा रही है कि वह चार से पांच दिन पुराना हो सकता है। पानी में रहने के कारण शव फूल चुका था, जिससे पहचान करना और भी मुश्किल हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। परिजन की तलाश में पुलिस आसपास के थानों से संपर्क कर हाल के दिनों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। साथ ही आसपास के गांवों में भी सूचना भिजवाई जा रही है ताकि पहचान हो सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है और मामले को गंभीरता से लिया गया है। इस हृदयविदारक घटना से क्षेत्र में शोक और भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पहचान हो जाए तो परिजनों को सूचना दी जा सकेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के यहां से बच्ची लापता है तो तत्काल उरुवा थाने से संपर्क।

गीडा में पार्टी के बहाने बुलाकर युवक की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद के गीडा थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी बरामद किया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर डॉ कौस्तुभ के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत, पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी गीडा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान निखिल कुमार गौड़ उर्फ गोलू उर्फ रितिक पुत्र नन्दू गौड़ निवासी सुअरज थाना गोला, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है।

ऐसे हुआ खुलासा

मृतक के पिता ने थाना गीडा पर तहरीर देकर बताया था कि उनका पुत्र 6 फरवरी 2026 की शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों द्वारा कई बार मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन फोन नहीं उठा। पूरी रात इंतजार के बाद 7 फरवरी को युवक का शव बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि युवक की चाकू मारकर हत्या की गई थी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 0051/2026 धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान पवन कुमार, विजय और निखिल कुमार गौड़ का नाम प्रकाश में आया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मृतक से उनका आपसी विवाद था। 6 फरवरी को उसे पार्टी के बहाने बुलाया गया और चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2022 में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप में उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज हो चुका है।

बरामदगी और आगे की कार्रवाई

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद किया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस हत्याकांड के खुलासे से जहां परिजनों को आंशिक संतोष मिला है, वहीं क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई का संदेश भी गया है।

बेलवनिया-शास्त्रीनगर पुल DPR पर उठे सवाल

●- मंत्रालय की अनुमति से पहले तैयारी पर बड़ा प्रश्नचिह्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गडक नदी पर प्रस्तावित 4-लेन पुल का प्रस्ताव

कुशीनगर। पश्चिम चंपारण में गंडक नदी पर प्रस्तावित बगहा (शास्त्रीनगर)-बेलवनिया 4-लेन पुल परियोजना को लेकर अब एक नया विवाद खड़ा हो गया है। बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग द्वारा यह जानकारी दी गई कि पुल के लिए छ्क्क्र तैयार कर केंद्र के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को स्वीकृति हेतु भेजा गया है, लेकिन इसी प्रक्रिया पर अब सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब परियोजना को अभी तक मंत्रालय की स्वीकृति नहीं मिली है, तो बिना अनुमति छ्क्क्र तैयार कैसे कर लिया गया। लोगों के अनुसार छ्क्क्र तैयार होना यह संकेत देता है कि परियोजना पहले से स्वीकृत प्रक्रिया में होनी चाहिए थी, जबकि विभाग अब कह रहा है कि स्वीकृति के बाद ही निर्माण की अगली कार्रवाई होगी।

इस मुद्दे को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि छ्क्क्र पहले ही तैयार है, तो अब मंत्रालय से किस प्रकार की अनुमति अपेक्षित है—क्या यह तकनीकी स्वीकृति है, वित्तीय स्वीकृति है या प्रशासनिक मंजूरी। यह स्थिति पूरे मामले को और अधिक जटिल बना रही है। उधर, विभाग का पक्ष है कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में छ्क्क्र तैयार कर केंद्र सरकार को भेजना एक सामान्य प्रक्रिया है और अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद ही कार्यारंभ होता है। लेकिन जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जनता के बीच यह स्पष्ट नहीं किया गया कि परियोजना किस चरण में है, जिससे भ्रम और आक्रोश की स्थिति बन रही है। गौरतलब है कि यह प्रस्तावित पुल पश्चिम चंपारण और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर क्षेत्र के बीच आवागमन का एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है और इसके निर्माण से सीमावर्ती क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। ऐसे में परियोजना को लेकर अस्पष्टता और प्रक्रियागत सवालों ने इसे एक बड़ा जन मुद्दा बना दिया है।

अश्लीलता और चारित्रिक पतन को बढ़ावा दे रहा मोबाइल का दुरूपयोग

●-रासेयो का विशेष शिविर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। रक्षा राव राजनाथ राव महाविद्यालय नारायणपुर देवरिया में सात दिवसीय शिविर के छठवें दिन स्वयंसेवकों ने रुद्रपुर स्थित छोटी काशी के रूप में विख्यात दुग्धेश्वर नाथ महादेव की पूजा अर्चना की।मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र की व मंदिर के पीछे स्थित सतासी राज स्टेट से जुड़े शकुन कोर्ट के अवशेषों का सर्वे भी किया। इस दौरान वहां स्थापित मां सहनकोट देवी मंदिर में जाकर पूजा अर्चना किया। जहां पुजारी महंत भारती व विदुर जी ने मंदिर का इतिहास साझा किया। वहां से लौटने के बाद आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रवक्ता डॉक्टर विपुल सिंह ने युवाओं में बढ़ते मोबाइल के दुरुपयोग विषय पर विस्तृत विचार रखा। उन्होंने कहा कि मोबाइल के बढ़ते दुरुपयोग से युवाओं के भीतर एकाकीपन अश्लीलता व चारित्रिक पतन जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। परिवार में हर सदस्य के पास मोबाइल है जिससे आपस में बातचीत ही बंद हो जा रही है। इंटरनेट डाटा के बढ़ते दुरुपयोग से वर्तमान युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक इंस्टाग्राम आदि पर जमकर रील बना रहा है। कम समय में प्रसिद्धि पाने और पैसा कमाने की होड़ में लगातार नीचे की तरफ गिर रहा है। परिणाम स्वरूप समाज में यौन हिंसा घृणित रूप से बढ़ती जा रही है। गांव से लेकर शहर तक कहीं भी बेटियां और महिलाएं सुरक्षित नहीं है। इनमें ज्यादा दोष उन व्यक्तियों एवं महिलाओं का भी है जो परिवार से आजाद हो चुकी हैं। इस अवसर पर स्वयं सेविका खुशी राव ने सरस्वती वंदना तथा रंजय साहनी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। गोष्ठी के दौरान डॉ राजेश सिंह अश्वनी द्विवेदी शालिनी पांडे के एम उपाध्याय सुख सागर शुक्ला सुशील सिंह अमित चंद जवाहर राव सहित शिविरार्थी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया ने अधिकारों के प्रति सजग होने और नई पहचान बनाने का दिया मंचः डा सानिया

देवरिया। बीआरडीपीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन स्वयंसेवकों ने ग्राम साहू टोला और मेहड़ा पुरवा में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद यातायात जागरूकता रैली निकालकर सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, हेलमेट लगाना है जीवन बचाना है जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। बिना हेलमेट व सीट बेल्ट यात्रा करने वालों से सावधानी बरतने की अपील की गई। बौद्धिक सत्र में कीट विज्ञान विभाग की सहायक आचार्या डॉ. सानिया त्यागी ने 'सोशल मीडिया और महिला सशक्तिकरण' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने महिलाओं को अपनी बात रखने, अधिकारों के प्रति सजग होने और नई पहचान बनाने का मंच दिया है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रद्योत सिंह, डॉ. विजय पाल सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

महिला शिक्षकों के कर्तव्य, चुनौतियाँ और योगदान पर विशेषः संतुलन, सहयोग और सम्मान की आवश्यकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खड्डा(कुशीनगर)। क्षेत्र की शिक्षिका आशा शर्मा ने महिला शिक्षकों के कर्तव्यों, योगदान और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर विचार व्यक्त करते हुए समाज से संवेदनशील सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन में सहायक होती हैं, बल्कि उनके चरित्र निर्माण और समाज में शिक्षा के प्रसार में भी अहम योगदान देती हैं। इसके बावजूद महिला शिक्षकों को अपने कार्यक्षेत्र और निजी जीवन में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। परिवार और बच्चों को पर्याप्त समय न दे पाना, स्वयं के लिए समय का अभाव, तथा विभागीय जिम्मेदारियों के निर्वहन के बीच अपने शौक और रुचियों को समय न दे पाना उनके भीतर मानसिक दबाव और कुंठा उत्पन्न करता है, जिसका असर उनके व्यक्तित्व और जीवन पर दिखाई देता है।

लेखिका का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय विश्राम, आत्ममंथन और आनंद के लिए भी चाहिए। महिलाओं को भी परिवार से सहयोग, अवसर और सम्मान मिलना चाहिए ताकि वे अपने व्यक्तित्व का पूर्ण विकास कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि स्त्रियों को केवल पारिवारिक दायित्वों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने विचार और अभिरुचियों को व्यक्त करने का अवसर दिया जाए। जब परिवार और समाज मिलकर महिलाओं का सहयोग करते हैं, तब उनके भीतर की प्रतिभा और सृजनशीलता खुलकर सामने आती है, जिससे समाज और अधिक सशक्त और सुंदर बनता है। आशा शर्मा ने समाज से अपील की कि महिलाओं को समझा जाए, उन्हें अवसर और सम्मान दिया जाए तथा उनके योगदान को स्वीकार किया जाए। इससे वे कुंठा से मुक्त होकर नए सृजन में योगदान देंगी और परिवार तथा समाज दोनों के लिए गौरव का कारण बनेंगी। उन्होंने अंत में इस सकारात्मक बदलाव के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी व्यक्त कीं।

धनंजय को एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर उत्साह का माहौल

देवरिया। एनएसयूआई के शीर्ष नेतृत्व ने देवरिया जनपद के मेहड़ा पुरवा निवासी धनंजय यादव को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से जिले के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं में उत्साह का माहौल है। जिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि धनंजय यादव के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाएगी तथा महाविद्यालयों और विद्यालयों में संगठनात्मक विस्तार को गति देगी। कांग्रेस नेताओं ने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी के साथ यादव जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करेंगे और छात्र आंदोलनों को धार देंगे। जनपद के अनेक वरिष्ठ एवं युवा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की है।

खजनी तहसील में SIR को लेकर अहम बैठक, एसडीएम राजेश प्रताप सिंह ने दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी- तहसील में आज शुक्रवार विशेष पुनरीक्षण (SIR) अभियान को लेकर एसडीएम राजेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को बूथवार प्रगति तेज करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि कल शाम 4 बजे सभी लेखपालों एवं सुपरवाइजरों की अनिवार्य बैठक होगी, जिसमें निम्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की जाएगी– नोटिस सुनवाई एवं अपलोड की बूथवार प्रगति ASDD कॉलिंग के डेटा पृष्ठ जमा करने की प्रगति फॉर्म-6 की फीडिंग की स्थिति रेलवे अंश निर्धारण फॉर्मर रजिस्ट्री की समीक्षा उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से कार्य पूर्ण करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में निर्वाचन कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि आगामी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

भारी मात्रा में चरस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

●सेखुआनी से जुड़ा था सम्पतिहा में बरामद करीब 19 किलो चरस का तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी की बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए स्विफ्ट डिजायर कार से भारी मात्रा में चरस बरामद किया है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए आंका जा रहा है। पुलिस ने मौके से एक शातिर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायिक हिरासत में उसे जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेखुआनी टोला शंकरपुर से गुरुवार की देर रात करीब दो बजे क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार यूपी 14 बीएम 4258 में छुपाकर रखा कुल 59 अलग-अलग पोलीथीन से 48 किलो 686 ग्राम चरस बरामद किया है। बरामद चरस की अनुमानित कीमत करोड़ों रुपए आंका जा रहा है। वहीं पुलिस ने मौके से स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेखुआनी टोला शंकरपुर निवासी 35 वर्षीय राकेश यादव पुत्र रामनरेश यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध 8/20/23 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सेखुआनी से जुड़ा था सम्पतिहा में बरामद चरस का तार

नौतनवां थाना क्षेत्र के सम्पतिहा चौकी के सामने गोरखपुर-सोनौली मुख्य मार्ग पर एक माह पूर्व 12 जनवरी की शाम पुलिस और

एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा एक लग्जरी कार के सीएनजी सिलेंडर के भीतर छुपाकर रखा 38 पैकेट प्लास्टिक की पोलीथीन से 18 किलो 928 ग्राम चरस बरामद हुआ था। इस पूरे प्रकरण में परसामलिक थाना क्षेत्र के सेखुआनी गांव की अहम भूमिका बताई गई थी। खबरों के मुताबिक सम्पतिहा में बरामद चरस को नेपाल से लाकर उसे सेखुआनी गांव में घंटों सीएनजी में लोड किया गया था। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों को जब इसकी जानकारी हुई तो खोजबीन शुरू कर दिया गया था लेकिन एजेंसियों को वहां पहुंचने से पूर्व ही आरोपी वहां से गाड़ी लेकर फरार हो चुका था। वहीं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सक्रियता से सम्पतिहा चौकी के पास एक लग्जरी कार के सीएनजी से करीब 19 किलो चरस की बरामदगी हुई थी। वहीं सेखुआनी से चरस की तस्करी का तार जुड़ा होने के कारण परसामलिक पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी नजर सेखुआनी के गतिविधियों पर थी कि गुरुवार की देर रात पुलिस ने भारी मात्रा में चरस के साथ एक आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिए न्यायालय पेशी के बाद जेल भेज दिया। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम ने बताया कि चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। ऐसे में मादक पदार्थ की तस्करी का कारोबार किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सामाजिक विज्ञान के 31 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी

बरेली/रिठौरा। नगर के दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज में शुक्रवार को स्टेटिक मजिस्ट्रेट विपिन कुमार सक्सेना, केंद्र व्यवस्थापक आशीष कुमार सिंह,उप केंद्र व्यवस्थापक सुधीरवीर विक्रम सिंह ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रथम पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान में पंजीकृत 547 में 516 ने परीक्षा दी जबकि 31 ने परीक्षा छोड़ दी।कक्षा ग्यारहवीं में कृषि एग्रोनोमी में पंजीकृत 15 में 14 ने परीक्षा दी जबकि 1 ने छोड़ दी। बारहवीं में कृषि में 28 में 28 ने परीक्षा दी। द्वितीय पाली में बारहवीं में अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। जिसमें कुल पंजीकृत 532 में 510 ने परीक्षा दी 22 ने परीक्षा छोड़ दी। कालेज की शक्ति के चलते दोनों पालियों में कोई बाहरी सचलदल नहीं आया।इस दौरान परीक्षा प्रमुख डॉ सर्वेश कुमार, रघुवीर सरन, कुसुम गंगवार, ब्रजेश शर्मा, डॉ हरमीत सिंह, राजपाल, रामसिंह, डॉ राजेश कुमार गंगवार, दीपाली सक्सेना,एकता वाधवा, सिद्धी सिंह, दीपकमल सक्सेना, मुरारी लाल, यतेंद्र गंगवार, रमेश चंद्र, सुरेश चंद्र, गिरिजेश कुमारी, प्रवेश पाठक, आकाश गंगवार, चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता कांस्टेबल मोहित सहित तमाम पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

बजाज हिंदुस्थान शुगर मिल गोला मे धुम्रपान से मनाया गया 29 वां वार्षिकोत्सव

गोला गोकरननाथ खीरी। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला मैं स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर का 29 वाँ वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिर के पुजारी सुधीर बिजल्वाण ने मुख्य यजमान चीनी मिल के यूनिट हेड राकेश यादव व उनकी पत्नी श्रीमती शिखा यादव के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन कराया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से ए के पांडे , पी एस चतुर्वेदी, के के तिवारी, पी सी गुप्ता, अजीत तिवारी, संदीप कटियार, जी एन सिंह, अखिलेश सिंह, सतीश श्रीवास्तव, राहुल मिश्रा, दीपक सिंघल, धर्मेंद्र सचान, गोपाल जायसवाल, चेतराम सिंह, सहित श्रमिक यूनियन के पदाधिकारी नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। हवन पूजन एवं आरती के उपरांत सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया ।नगर के प्रमुख मंदिरों के पुजारियों एवं ब्राह्मणों को वस्त्र व दक्षिणा देकर भोजन कराया गया।

गरीब बेटी की शादी में आगे आया पटेल सेवा संस्थान, 70 हजार का सहयोग

मितौली (खीरी)। मितौली क्षेत्र के बभिया रामपुर गांव में समाज की एक गरीब बेटी की शादी के लिए पटेल सेवा संस्थान ने सराहनीय पहल की है। संस्थान की टीम ने गांव पहुंचकर आर्थिक एवं सामग्री सहयोग प्रदान किया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। इस अवसर पर करुणेश वर्मा (गोला) ने 50,000, रामनिवास वर्मा (ओबीसी मोर्चा) ने 15,000 तथा प्रमोद वर्मा एडवोकेट (गोला) ने 5,000 का नगद सहयोग दिया। इस प्रकार मौके पर कुल 70,000 की धनराशि बेटी के परिजनों को सौंपी गई। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा 1 अलमारी, 1 बक्सा एवं पचहड़ के बर्तन उपलब्ध कराए गए, जो कल ही बेटी के घर पहुंचा दिए गए हैं। विवाह 19 तारीख को संपन्न हुआ संस्थान की इस पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। सामाजिक संगठनों व समाज के लोगों ने इसे सेवा, सहयोग और एकजुटता की प्रेरणादायक मिसाल बताया है।

पहले जुमे दिन सैकड़ों नमाजी पहुंचे मस्जिद

● नमाजियों की संख्या अधिक होने से मस्जिद की जगह दिखी कम।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। रमजान के पहले जुम्मे की नमाज कस्बे की जामा मस्जिद में अदा की गई। इस दौरान सैकडों नमाजी मस्जिद पहुंचे तो इतनी बड़ी इमारत भी छोटी नजर आई। नमाज में सैकड़ों हाथ खुदा की बारगाह में इबादत के लिए उठे। सभी ने प्यार, मोहब्बत, रहमत, बरकत, देश की खुशहाली और बेहतर बारिश की दुआ मांगी। नमाजियों ने अपने गुनाहों के लिए माफी भी मांगी। मौलाना शोयब साहिल ने कहा कि प्रत्येक मोमीन को अपनी गाढ़ी कमाई का कुछ हिस्सा गरीबों में बांटना चाहिए। रमजान-उल-मुबारक के मुकद्दस महीने के पहले शुक्रवार को मस्जिदों में नमाज अदा की गई, जिसमें भारी तादाद में रोजेदारों ने शिरकत की। बच्चों में भी काफी उत्साह देखा गया। साथ ही सभी ने मुल्क व कौम की तरक्की और आपसी भाईचारे की दुआएं मांगी गई। कस्बे की जामा मस्जिद में दोपहर बारह बजे से नमाजियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। नमाज का वक्त होते-होते मस्जिद के अंदर से लेकर आंगन तक खचाखच भर चुका था। नमाज से पहले खिताब करते हुए पेश इमाम मौलाना शोयब ने कहा कि अल्लाह के नबी ने रमजान को सब्र और गमगुसारी का महीना फरमाया है। मोमिन को इस महीने में सब्र व शुक्र से काम लेना चाहिए और गरीबों, मोहताजों, बेवाओं और यतीमों की मदद के लिए हर वक्त तैयार रहना चाहिए। इसके बाद खुत्बा पढ़ा गया फिर दो रकात नमाज अदा की गई। आखिर में सभी ने अल्लाह तआला के सामने हाथ उठाकर मुल्क में अमनो-अमान और कौम की तरक्की व भाईचारे की दुआ मांगी।

किस पर वाजिब है सदका-ए-फित्र

मौलाना मोहम्मद मोहम्मद उमर ने बताया कि पैगम्बर-ए-इस्लाम ने इरशाद फरमाया कि हर आकिल, बालिग साहिबे निसाब मुसलमान पर अपनी और अपने नाबालिग बच्चों की तरफ से सदका-ए-फित्र वाजिब है। सदका-ए-फित्र के हकदार भी फकीर और मिस्कीन हैं।

सदका-ए-फित्र कब अदा करें

मुफ़्ती मोहम्मद राशिद ने कहा कि सदका-ए-फित्र ईद के दिन ईदगाह जाने से पहले हकदारों में तकसीम कर देना चाहिए। इसके अलावा अगर कोई शख्स ईद से पहले रमजान-उल-मुबारक के महीने में सदका-ए-फित्र अदा कर दे तो यह अदा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सदका-ए-फित्र की मिकदार प्रति व्यक्ति दो किलो 45 ग्राम गेहूं या उसकी कीमत है। बेहूदा बातों से रोजे में जो कराहत आ जाती है, सदका-ए-फित्र उसकी पाकीजगी और तहारत का जरिया और मिस्कीनों, गरीबों की खुराक का इंतजाम है।

निघासन में दर्जनों अवैध डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित, बिना डॉक्टर के हो रहे एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद के निघासन कस्बे में कथित तौर पर दर्जनों अवैध डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इन केंद्रों पर न तो कोई पंजीकृत डॉक्टर मौजूद है और न ही प्रशिक्षित टेक्नीशियन, इसके बावजूद एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी जांचें धड़ल्ले से की जा रही हैं। कई सेंटर बिना वैध लाइसेंस के चल रहे हैं और अनट्रेंड लड़कों से जांच कराई जा रही है, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है। स्वास्थ्य मानकों और सरकारी नियमों की अनदेखी कर खुलेआम यह कारोबार संचालित हो रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निघासन के अधीक्षक इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

नियमों के अनुसार एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी जांचें केवल पंजीकृत केंद्रों पर योग्य रेडियोलॉजिस्ट या प्रशिक्षित तकनीशियन की देखरेख में ही की जा सकती हैं। स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है कि ऐसे अवैध केंद्रों की जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करे और अवैध रूप से संचालित सेंटरों पर तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता की जान के साथ हो रहे खिलवाड़ पर रोक लग सके।

एसपी ने बहाई चौकी के नए कार्यालय कक्ष का किया लोकार्पण

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली निरीक्षण के बाद एसपी रवि कुमार बहाई चौकी पहुंचे। वहां चौकी परिसर में नवनिर्मित कार्यालय कक्ष का फीता काटकर लोकार्पण किया। एसपी ने कहा कि जनसहयोग से कक्ष का निर्माण सराहनीय है। इससे पुलिस कार्य में सुविधा होगी। अभिलेखों के रखरखाव में भी आसानी रहेगी। उन्होंने कहा कि फरियादियों को बैठने की बेहतर व्यवस्था मिलेगी। चौकी का कामकाज व्यवस्थित होगा। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, चौकी इंचार्ज अजय कुमार मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। ग्रामीण भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

गोला मे दिन दहाडे हुये गोली कांड मे युवक जख्मी,लखनऊ रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला कोतवाली क्षेत्र के नई बाईपास स्थित अंधेरी बाग के पास शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पैसों के लेन-देन को लेकर चल रहा विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान बीच-बचाव करने आए लईक नामक युवक को गोली लग गई। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जाता है कि दो युवक काशीराम कॉलोनी में एक व्यक्ति को दौड़ाते हुए घुस आए थे। कॉलोनी के कुछ लोग, जिनमें लईक भी शामिल था, हमलावरों को पकड़ने के लिए पीछे दौड़े। पीछा करते-करते सभी नई बाईपास अंधेरी बाग तक पहुंच गए। इसी दौरान हमलावरों ने तमंचा निकालकर फायर कर दिया। गोली लईक के सीने में बाई ओर नीचे की तरफ जा लगी।

सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। सीओ गोला रमेश तिवारी व कोतवाली प्रभारी अंबर सिंह अपने दलबल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे औरहालात को काबू में लिया। घायल युवक को आनन-फानन में सीएचसी गोला ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि युवक के सीने में बाई ओर नीचे की तरफ गोली लगी है और उसकी हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए लखनऊ भेज दिया गया।प्रारंभिक जांच में सामने आया है, कि प्रशांत कमल पुत्र दिनेश कुमार और प्रशांत वर्मा पुत्र सर्वेश कुमार, निवासी हेमपुर थाना हैदराबाद, का संगम बिजुआ निवासी (वर्तमान पता काशीराम कॉलोनी) से एक लाख रुपये का लेन-देन था। इसमें 47 हजार रुपये ऑनलाइन दिए जा चुके थे, जबकि 53 हजार रुपये बकाया थे। इसी बकाया रकम को लेकर विवाद बढ़ते-बढ़ते फायरिंग तक जा पहुंचा।

घटना के तुरंत बाद सीओ गोला रमेश तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को तमंचे समेत हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपियों की फौरन गिरफ्तारी ने लोगों को कुछ राहत जरूर दी है। वही प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने बताया कि दो लोगो के खिलाफ 109 बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है।

खंड विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल में सुना ग्रामीणों की समस्या

● जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण करने का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। शासन के निर्देशानुसार शुक्रवार को विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय महुगढ़ में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी हलिया विजय शंकर त्रिपाठी ने जनता की समस्यायों को सुनकर उसके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया। कहा कि शासन के निर्देशानुसार स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को विना भागदौड़ किए उनकी समस्या का समाधान हो। इसके लिए विकास खंड में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी विभागों के कर्मचारी मौजूद जन समस्याओं का निस्तारण करेंगे। चौपाल में सड़क आवास,शौचालय, नाली और राशनकार्ड की समस्या की मांग की गई। वही खंड विकास अधिकारी हलिया विजय शंकर त्रिपाठी ने पंचायत सहायक शिवानी शुक्ला को मोबाइल फोन देकर कार्य में तेजी लाने

का निर्देश दिए और काहे की ग्राम पंचायत में किसी भी प्रकार का लोगों को समस्या नहीं होना चाहिए इस दौ। बाल विकास परियोजना की मुख्य सेविका रिया दूबे ने गर्भवती और धात्री महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को शासन से मिलने वाली सुविधा के बारे में अवगत कराया गया। प्रधान प्रतिनिधि विजेंद्र पांडेय ने ग्राम पंचायत में मिलने वाले परिवार रजिस्टर सहित अन्य कागजात पंचायत भवन पर उपलब्ध होने की जानकारी दी। इस मौके पर पंचायत सहायक शिवानी शुक्ला कोटेदार ओंकार नाथ शुक्ला लेखपाल कृष्ण चंद्र मिश्रा सचिव संदीप कुमार एच एसो रोशन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विजेंद्र पांडे जितेंद्र पांडे सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस ने अपहरण बा दुष्कर्म का प्रयास करने बाले आरोपी को किया गिरफ्तार भेजा जेल

बरेली/क्योलडिया। थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को देर रात फोनकर घर से बुलाकर कथित तौर पर जबरन बाइक पर बैठा कर ले जाने का और दुष्कर्म करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है विरोध करने पर आरोपियों ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी युवती किसी तरह जान बचाकर भागी और दूसरे गांव में पूर्व प्रधान के घर जाकर सरण ली और परिवार को सूचना दी जिस पर पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया था। इस पर आज प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह उपनिरीक्षक अरिमर्दन सिंह नवीन कुमार सुमित यादव लकी सिंह ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी अमित कुमार पुत्र ब्रह्म स्वरूप को मेथी चौराहे से गिरफ्तार कर लिया पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अमित कुमार बताया कि वह इंटर पास है और नीट की तैयारी कर रहा है पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

एक वारंटी गिरफ्तार,पहले से ही था मुकदमा

मैलानी-खीरी। मैलानी नगर मे वार्ड नं 1 में चल रहा था शराब का कारोबार।बताया जाता हूं कि देसी दारू की पेटी लेकर घर और दुकान से करता था कारोबार।सुना और देखा है कि इसी चक्कर लगा अभियुक्त ने अपनी दुकान बंद कर घर से किया कारोबार।यह भी पता चला है उक्त व्यक्ति शराब के कारोबार बहुतों की मदत से करता था।ये बहुत लोग कौन हैं और नहीं इसका खुलासा नहीं किया गया।हर राष्ट्रीय त्योहार की बंदी पर उक्त व्यक्ति शराब ब्लैक करता था।विचार करने वाली बात है कि लाता कहां से था?ये जानकारी सिर्फ वही जानता है या कोई और जिसका नाम नहीं लिया गया। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार ने बताया कि इस पर पहले से ही मुकदमा पंजीकृत था।इसलिए शुक्रवार को गिरफ्तार कर उचित कार्यवाही की जा रही है।

राजश्री कालेज के प्रबंधन विभाग द्वारा नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शोध-पत्र प्रस्तुति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, के प्रबंधन विभाग ने नेपाल स्थित सुदूर पश्चिमी विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरी अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में ''हेरिटेज, इनोवेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन'' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर विभाग के प्रोफेसर डॉ0 रवीश अग्रवाल, डॉ0 अंकित अग्रवाल तथा डॉ0 गौरव कपूर एवं एमबीए के छात्र लवी साहू, पवन सिंह एवं तरून गंगवार को बधाई दी और बताया कि यह शोध शिक्षा, तकनीक एवं सांस्कृतिक पुनर्जीवन के बीच संतुलित संबंध स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है तथा भविष्य की ज्ञान-आधारित शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए नए आयाम प्रस्तुत करता है।

इस शोध-पत्र में शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण तथा शैक्षिक परिवर्तन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है। शोध का मुख्य उद्देश्य यह दर्शाना है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक विरासत के समन्वय द्वारा शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, समावेशी एवं नवाचार-उन्मुख बनाया जा सकता है।

कृषि महाविद्यालय में लापरवाही के चलते 20 फरवरी का परीक्षा कार्यक्रम निरस्त

● विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण के संज्ञान में आने के बाद लिया गया कठोर निर्णय

परीक्षा कार्यक्रम में घोषित विषय कोई और जबकि तिथि पर दूसरे विषय के परीक्षा की जानकारी छात्र छात्राओं को दी गई

परीक्षा कार्यक्रम बदला देख छात्र-छात्राओं के हाथ पांव फूले, विश्वविद्यालय प्रशासन से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज में चल रही सेमेस्टर परीक्षा कृषि महाविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लापरवाही की भेंट चढ़ गई। मामला विश्वविद्यालय प्रशासन के संज्ञान में आने के बाद कृषि महाविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारी हरकत में आए। जिसका परिणाम रहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र-

छात्राओं की 20 फरवरी शुक्रवार को आयोजित होने वाली परीक्षा अचानक स्थगित करनी पड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के अधीन कृषि महाविद्यालय अंतर्गत बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं की प्रथम सेमेस्टर परीक्षा की समय सारणी बीते 6 फरवरी को अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ धीरेंद्र कुमार सिंह की तरफ से जारी कर दी गई थी।

जिसमें बीते 18 फरवरी से 28 फरवरी तक परीक्षा संपन्न कराए जाने का उल्लेख है। पूर्व घोषित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 20 फरवरी शुक्रवार को विषय कोड एपीए 112 की परीक्षा अपरान्ह 2 बजे से सुनिश्चित थी, किंतु छात्र-छात्राओं में अपरा तफरी एवं उहा पोह की स्थिति तब पैदा हो गई जब शुक्रवार को मोबाइल फोन पर बने के ग्रुप में विषय कोड एपीए-111 की परीक्षा होने की सूचना प्रसारित कर दी गई। मामले की जानकारी छात्र-छात्राओं सहित उनके अभिभावकों को होने के बाद उन्होंने समूचे घटनाक्रम की शिकायत विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता सहित विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण दो सुशांत श्रीवास्तव से कर दी। मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण डॉ सुशांत श्रीवास्तव ने कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता सहित जिम्मेदार लोगों की जमकर क्लास लगा दी। इसके बाद कृषि महाविद्यालय का प्रशासनिक अमला नींद से जगा और शुक्रवार 20 फरवरी को आयोजित होने वाली परीक्षा का कार्यक्रम निरस्त करते हुए आगामी 26 फरवरी की तिथि घोषित की गई है। निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण डॉ सुशांत श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में लापरवाही कदापि क्षम्य नहीं है। मेरे द्वारा मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।

2030 तक भदोही को सशक्त एवं सामर्थ जनपद बनाने हेतु व्यापक विचार-विमर्श, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

● 'सशक्त जनपद-समृद्ध उत्तर प्रदेश' का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हर भदोहीवासी इसमें भागीदारी निभाएं-जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय कम वाले 20 जनपदों में शामिल जनपद भदोही को वर्ष 2030 तक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं सामर्थ जनपद बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के संभ्रांत नागरिकों, समाजसेवियों, विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक में जिलाधिकारी के नेतृत्व में कृषि, उद्योग, कौशल विकास, पर्यटन एवं महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार एवं विकास की संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कृषि एवं सहायक गतिविधियों पर विशेष बल

बैठक में प्राथमिक क्षेत्र कृषि को लाभकारी बनाने हेतु पारंपरिक खेती से हटकर सब्जी, फल, फूल एवं औषधीय खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। साथ ही किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से सामूहिक खेती एवं विपणन को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं मछली पालन जैसे सहायक व्यवसायों को आय के प्रमुख स्रोत के रूप में विकसित करने पर विशेष चर्चा की गई।

स्थानीय उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा

जनपद की पहचान बुनकर उद्योग के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए स्थानीय उद्योगों को सशक्त करने पर बल दिया गया। युवाओं को स्टार्टअप, सूक्ष्म उद्यम, हस्तशिल्प एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। घर आधारित उद्योगों जैसे बुनाई, कढ़ाई, अगरबत्ती एवं पापड़ निर्माण को बढ़ावा देने तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आय सृजन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

कौशल विकास एवं रोजगार सृजन

युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं डिजिटल स्किल सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने पर सहमति बनी।

पर्यटन विकास की संभावनाएं

जनपद में स्थित सीतामढ़ी जैसे धार्मिक स्थलों को विकसित कर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इसके अंतर्गत होम-स्टे, टूरिस्ट गाइड एवं स्थानीय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन के नए अवसर विकसित करने पर विचार व्यक्त किए गए।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने हेतु स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से छोटे उद्योग स्थापित करने, प्रशिक्षण एवं ऋण सुविधा उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। महिला सशक्तिकरण के माध्यम से परिवार की आय एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी उपस्थित जनों के सुझावों

एवं विचारों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि जनपद के समग्र विकास के लिए सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि किसान आधुनिक खेती अपनाएं, युवा कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसरों का सृजन करें, महिलाएं आर्थिक गतिविधियों से जुड़ें और सभी नागरिक स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करें, तो वर्ष 2030 तक जनपद भदोही को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'सशक्त जनपद - समृद्ध उत्तर प्रदेश' का लक्ष्य तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगा। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष जिला पंचायत अनिरुद्ध त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संतोष कुमार चक, उपायुक्त जी राम जी राजाराम, डीडीओ ज्ञान प्रकाश, जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार, विधायक औराई प्रतिनिधि विजय शंकर दुबे छेदीलाल यादव प्रतिनिधि एमएलसी, अनीता बिंद ग्रामप्रधान मवैया हरदोपटटी, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी रमेश चंद्र, मुकेश कुमार ईएसएमसहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों जनपद को 2030 तक विकसित बनाने के लिए अपने अमूल्य सुझाव प्रस्तुत किया।

तहसीलदार ने गांव अल्लापुर में होली का विवाद निपटाया

विकासखंड भदपुरा की ग्राम पंचायत बिहारीपुर अब्दुल रहमान के गांव अल्लापुर में होली रखने के विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए थे यह मामला जब तूल पकड़ गया जब एक पक्ष ने रखी गई होली को उठाकर दूसरी जगह रख दिया यह मामला पुलिस के संज्ञान में पहुंचा इस पर पुलिस ने अधिकारियों के संज्ञान में मामला रखा गया। इस पर आज तहसीलदार नवाबगंज दुष्यंत प्रताप सिंह प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह एवं अन्य पुलिस बल के साथ मौके पर गए ग्रामीणों को सुनने के बाद उन्होंने होली का विवाद निपटाते हुए होली को अब देवस्थान पर स्थापित किया जाएगा जिसको लेकर दोनों पक्ष संतुष्ट हो गए और होली का विवाद शांत हो गया जिसको लेकर गांव में तनावपूर्ण स्थिति थी प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह द्वारा बताया गया पुलिस प्रशासन की इस गांव पर पहनी नजर रहेगी जब के तहसीलदार की उपस्थिति में दोनों पक्षों ने फैसले को स्वीकार किया है। इस बाबत तहसीलदार नवाबगंज दुष्यंत प्रताप सिंह ने बताया होली का विवाद दो पक्षों को लेकर था दोनों पक्षों को बिठाकर होली का निस्तारण करके देवस्थान पर होली स्थापित की गई है जिस पर किसी भी पक्ष को कोई आपत्ति नहीं है और वह जगह भी किसी की नहीं है इसलिए वहां होली दोनों पक्ष मनाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

भदोही में नकलविहीन रही बोर्ड परीक्षा की दोनों पालियां

भदोही। जनपद में आयोजित उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा 2026 की प्रथम एवं द्वितीय पाली कड़ी सुरक्षा एवं सघन निगरानी के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुई। प्रथम पाली में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा में 27,517 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 26,135 उपस्थित रहे तथा 1,382 अनुपस्थित पाए गए। इंटरमीडिएट कृषि विषय में सभी 44 पंजीकृत परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। वहीं संस्कृत बोर्ड की पूर्व मध्यमा सामाजिक विज्ञान परीक्षा में 286 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 192 उपस्थित रहे और 94 अनुपस्थित रहे। सभी केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय पर प्रारंभ हुई और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट अंग्रेजी विषय की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें 23,867 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 22,684 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1,183 अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान ने बताया कि दोनों पालियों की परीक्षा पूरी तरह नकलविहीन रही तथा किसी भी परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए नहीं पकड़ा गया। परीक्षा केंद्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उड़नदस्ता टीम एवं सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मधुमेह नियंत्रण पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ज्ञानपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शुक्रवार को काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मधुमेह नियंत्रण विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रमेश चंद्र यादव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बॉम्बे अस्पताल के डॉ. सुशील मिश्रा ने कहा कि मधुमेह एक गंभीर रोग है, जिसमें रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। यदि समय रहते इसका उपचार न किया जाए तो आंख, गुर्दा, हृदय और नसों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि पारिवारिक इतिहास, असंतुलित आहार, अधिक मीठा व वसा युक्त भोजन, शारीरिक श्रम की कमी तथा अधिक वजन इसके प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि अधिक प्यास लगना, बार-बार मूत्र आना, शरीर का वजन कम होना, थकान तथा दृष्टि कमजोर होना इसके प्रमुख लक्षण हैं। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग, चिकित्सकीय परामर्श, औषधि सेवन एवं आवश्यकता पड़ने पर इंसुलिन उपचार से मधुमेह को नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यक्रम में डॉ. ईरा त्रिपाठी, डॉ. मधु विश्वकर्मा, डॉ. लता सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मधुमेह के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

सुरियावां दुर्गागंज थाना प्रभारी निरीक्षक ने की पीस कमेटी की बैठक

दुर्गागंज थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गुप्ता ने आगामी त्यौहार होली एवं रमजान को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक की इस दौरान दोनों धर्मों के लोगों से बातचीत किया और कहां की कोई समस्या हो तो आप लोग बताए आप लोगों की समस्या का हल किया जाएगा साथ ही होली में किसी भी प्रकार की अश्लीलता करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी

बंदरों के हमले में महिला घायल

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात जो लिखेगा, वही टिकेगा www.swatantraprabhat.com
ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सेमरपहा गांव में शुक्रवार को बंदरों के हमले में एक महिला घायल हो गई। बंदरों के झुंड ने उसे काटकर जख्मी कर दिया गया। घायल महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। गांव निवासिनी बिंदादेई (55) पत्नी बिंदादीन ने बताया कि वह घर के पास बाग में बकरी चरा रही थी। इसी दौरान एक बंदर का छोटा बच्चा उसके पास आकर बैठ गया। महिला कुछ समझ पाती उससे पहले बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। बंदरों ने उसे कई जगह काट लिया। इससे वह लहूलुहान हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। किसी तरह बंदरों को भगाया गया। इसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज किया गया।

खादी विभाग ने देवाजितपुर में लगाया जागरूकता शिविर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिला खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यालय द्वारा विपणन विकास सहायता योजनान्तर्गत विकास खंड ज्ञानपुर के देवाजितपुर गांव में शुक्रवार को एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने शिविर की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत स्थापित इकाइयों के उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु प्रदर्शनी, क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आदि आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना एवं माटीकला टूल्स किट वितरण योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि विभाग रोजगार सृजन कर समृद्धि की नई राह बुन रहा है। जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने युवाओं व महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि कौशल विकास, स्टार्टअप स्थापना और आसान ऋण सुविधा के माध्यम से हर हुनरमंद हाथ को काम देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खादी विभाग गांव-गांव चौपाल लगाकर अंत्योदय वर्ग को लाभान्वित कर रहा है।

प्रशिक्षण समन्वयक आरसेटी देवेन्द्र दुबे, उद्योग अधिकारी विवेक सिंह तथा जिला मिशन प्रबंधक एनआरएलएम अज़म ने भी विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र में ब्यूटी पार्लर, सिलाई-कढ़ाई, रेफ्रिजरेटर-एसी मरम्मत, अगरबत्ती, अचार, पापड़, डिटर्जेंट आदि ट्रेड में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद खादी विभाग के माध्यम से ऋण एवं अनुदान की सहायता से स्वरोजगार स्थापित करने की बात कही गई।

कार्यक्रम का संचालन ग्रामोद्योग अधिकारी राजेश कुमार सिंह एवं वरिष्ठ सहायक पवन कुमार ने किया। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा माटीकला योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान देवाजितपुर कृष्ण कांत उपाध्याय, इद्रेश दुबे, समहू सखी रेशमा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन परियोजना का सीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

भदोही। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने विकास खंड डीघ की ग्राम पंचायत खेदोपुर में शुक्रवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित पेयजल परियोजना का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मौके पर निर्माण कार्य बंद पाया गया। स्थल पर बाउंड्री वॉल, गेट एवं पंप हाउस का निर्माण तो पूर्ण मिला, लेकिन कार्यस्थल पर परियोजना संबंधी सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया था। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता, जल निगम को निर्देशित किया कि परियोजना की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत करें तथा कार्य शीघ्र प्रारंभ कराते हुए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ग्राम पंचायत शेरवा में स्वच्छता मार्ट का बीडीओ ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश पर विकास खंड भदोही की ग्राम पंचायत शेरवा में गुरुवार को स्वच्छता को बढ़ावा देने की दिशा में जिलाधिकारी के महत्वपूर्ण पहल के तहत स्वच्छता मार्ट का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी विनोद कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता मार्ट के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता संबंधी सामग्री जैसे कूड़ेदान, सफाई उपकरण, फिनाइल, ब्लीचिंग पाउडर आदि उचित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इससे गांव में साफ-सफाई की व्यवस्था मजबूत होगी तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सहयोग मिलेगा।

कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) मनोज कुमार मौर्य ने ग्रामवासियों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से सफल होने वाली सतत प्रक्रिया है। इस मौके पर ग्राम प्रधान जावित्री देवी, पंचायत सहायक ज्योति मौर्या, रोजगार सेवक विजय कुमार, चंद्रेश कुमार मौर्य तथा केयर टेकर कुसुम देवी सहित अन्य ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने स्वच्छता मार्ट की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे गांव के लिए उपयोगी पहल बताया।

भदोही में मेडिकल कॉलेज की मांग तेज, केंद्रीय मंत्री चिराग़ पासवान ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिले में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर भदोही में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि हाल ही में लोजपा के उत्तर प्रदेश महासचिव एवं भदोही प्रभारी कमल तिवारी ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जाने की मांग की थी। उसी मांग को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री से आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

पत्र में कहा गया है कि कालीन उद्योग के लिए विश्वविख्यात भदोही जिले में एक भी उच्च स्तरीय अस्पताल उपलब्ध नहीं है। गंभीर दुर्घटना अथवा आपातकालीन स्थिति में मरीजों को वाराणसी या प्रयागराज ले जाना पड़ता है। कई बार समय पर उपचार न मिल पाने के कारण मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। ऐसे में राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना से न केवल बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा और रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री से भदोही में राजकीय मेडिकल कॉलेज की शीघ्र स्थापना सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। मंत्री की सक्रियता पर लोजपा पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। जिलाध्यक्ष विकास दुबे, धनंजय दुबे, राहुल तिवारी, गोविंद पासवान व संतोष दुबे ने कहा कि इससे जिले की बहुप्रतीक्षित मांग को नई गति मिली है।

अनियंत्रित बोलेरो रेंलीग से टकराकर पलटी एक की मौत, छह घायल

● हलिया थाना क्षेत्र के बड़ौंही निवासी सुनील कुमार पाल ने मौके पर ही तोड़ा दम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा चौकी अंतर्गत रीवा मिर्ज़ापुर हाइवे पर स्थित बरौंधा बेलन नहर पुल की रेलिंग से बृहस्पतिवार की देर रात बारातियों को लेकर लौट रही एक बोलेरो अनियंत्रित होकर बेलन नदी पुल पर बने रेंलीग से टकरा कर बीच सड़क पर पलट गई जिससे बोलरो मे बैठे हलिया थाना क्षेत्र के बड़ौंही निवासी सुनील कुमार पाल (15) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बोलेरो पर सवार बड़ौंही निवासी अश्विनी पाल (16) पवन पाल (12), जीतबहादुर पाल (13), गोलू पाल (08), गढवा घोरावल निवासी अंजनी पाल (06), पवांरी कला निवासी लीलम पाल (14) घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुचे बरौधा चौकी इंचार्ज संजय सिंह ने सभी घायलों को सीएचसी लालगंज भेजवाया। जहां चिकित्सक ने सुनील कुमार पाल को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल बारातियों को वहां से मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मृतक के चाचा बृजेश कुमार पाल ने बताया कि बृहस्पतिवार को ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के इंद्रवार गांव निवासी उनके रिस्तेदार लक्ष्मण पाल के पुत्र बृजेश पाल की बारात लालगंज के लखनिया गांव मे गई थी। जहां शादी समारोह में शामिल होने के बाद देर रात उपरोक्त सभी लोग बोलेरो में बैठकर वापस घर लौट रहे थे। उसी दौरान बेलन नहर पुल की रेलिंग में अनियंत्रित बोलेरो टकरागई गई।

थानाध्यक्ष लालगंज अभय कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल सुनील कुमार पाल की मौत हो गई है। दुर्घटना में घायल अन्य छह लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लक्ष्य प्राप्ति में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी श्रीराम शोध पीठ सेमिनार हॉल में हुई। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में पर्यावरण विज्ञान विभाग और आईसीएसएसआर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन प्रभु श्रीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी प्राचीन धरोहर है और वेद इसके प्रतिनिधि ग्रंथ हैं। उन्होंने गीता के अनुभूति-परक ज्ञान को जीवन को दिशा देने वाला बताया। मेयर त्रिपाठी ने वेदांगों - शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद और ज्योतिष को ज्ञान के विस्तार का आधार बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय चिंतन-मनन से प्राप्त अमृत तत्व ज्ञान आज भी प्रासंगिक है।

विशिष्ट अतिथि गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए मातृभाषा और राष्ट्रभाषा को सशक्त करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों का मूल भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है। प्रो. त्रिपाठी ने यह भी कहा कि डिजिटल शिक्षा प्रणाली समावेशी विकास का एक सशक्त माध्यम बन सकती है। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए भारतीय परंपरा की वैश्विक प्रेरणा को रेखांकित किया।

मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने बताया कि आयुर्वेद, कृषि, ज्योतिष और शल्य चिकित्सा में भारत का योगदान विश्वविख्यात रहा है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने क्लीन एंड ग्रीन अर्थव्यवस्था, जल संरक्षण और जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया। इस संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। आयोजन के संयोजक प्रो. विनोद चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय और नगर निगम के बीच हुआ एमओयू अयोध्या के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

उद्यमियों के लिए पूंजी की रुकावट नहीं होगी: सीडीओ

भदोही। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के मार्गदर्शन में यूनियन बैंक क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के निर्देशानुसार जनपद में वृहद ऋण वितरण शिविर एवं वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने कहा कि युवाओं को उद्यम स्थापना के लिए पूंजी की समस्या नहीं आने दी जाएगी और बैंक प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने लाभार्थियों से ऋण का सदुपयोग एवं समय पर पुनर्भुगतान की अपील की। इस दौरान लगभग 65 लाभार्थियों को करीब 4 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि शिविर से जिले में ऋण प्रवाह को गति मिलेगी और सीडी अनुपात मजबूत होगा। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न योजनाओं के स्टॉल लगाए गए, जहां कृषकों, महिला समूहों और युवा उद्यमियों ने जानकारी प्राप्त की। साइबर धोखाधड़ी से बचाव पर भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत ज्ञानपुर के चेयरमैन घनश्यामदास गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान एस आई रामलाल रॉय सोनू पांडेय कमलेश फिरोज अहमद, आदि मौजूद रहे

» जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला एकीकरण समिति की बैठक सम्पन्न

» जाति, धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर आपस में प्रेम सौहार्दपूर्वक आगे बढ़ना ही एकीकरण बैठक का उद्देश्य-अनिरुद्ध त्रिपाठी

» आपसी भाईचारे व खुशियों का प्रतीक है सभी त्योहार-जिलाधिकारी

» ताने-बाने का शहर जनपद भदोही,गंगा- जमुनी तहजीब का सदैव रहा है प्रवाहक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय एकता, आपसी भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने तथा जनपद में साम्प्रदायिक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में जिला एकीकरण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष जिला पंचायत अनिरुद्ध त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संतोष कुमार चक, उपायुक्त जी राम जी राजाराम, डीडीओ ज्ञान प्रकाश, विधायक औराई प्रतिनिधि विजय शंकर दुबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत अनिरुद्ध त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि जाति, धर्म एवं वर्ग से ऊपर उठकर यदि देखा जाए तो सभी लोग मानव हैं, और मानव होने के नाते प्रत्येक त्यौहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाना ही एकीकरण समिति का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनपद भदोही अपनी गंगा-जमुनी तहजीब एवं आपसी मेल-जोल के लिए प्रसिद्ध है, जिसे आगे भी बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जनपद की महान विभूतियों के जन्म दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, जिससे नई पीढ़ी उनके जीवन एवं योगदान से परिचित हो सके और समाज में सकारात्मक प्रेरणा प्राप्त हो। ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के संबंध में उन्होंने कहा कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों/डीजे का प्रयोग निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा के अनुरूप ही किया जाए, जिससे विद्यार्थियों एवं आमजन को असुविधा न हो।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि जिला एकीकरण समिति का मुख्य उद्देश्य विभिन्न त्यौहारों के दौरान राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में ईद एवं होली के पर्व निकट हैं, जो आपसी भाईचारे एवं खुशियां बांटने के प्रतीक हैं। सभी जनपदवासी इन पर्वों को मिल-जुलकर एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने आगे कहा कि यदि किसी भी क्षेत्र में त्यौहारों के पूर्व कोई समस्या या विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसकी सूचना समय रहते जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं, जिससे उसका समाधान किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि त्यौहारों के दौरान जनसुविधाओं के दृष्टिगत नगर निकायों एवं संबंधित विभागों को पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनपद भदोही अपने ताना-बाना उद्योग के साथ-साथ आपसी भाईचारे के लिए भी जाना जाता है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने कहा कि सभी त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने मैत्रीपूर्ण व भ्रातृत्व भावना सहित सहयोग व समन्वय के विचार पर बल दिया। बैठक में वरिष्ठ नागरिक डॉ लक्ष्मीधर चतुर्वेदी ने एकीकरण समिति की बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जनपद की महान विभूतियों के जन्म दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए, जिससे नई पीढ़ी उनके जीवन एवं योगदान से परिचित हो सके और समाज में सकारात्मक प्रेरणा प्राप्त हो। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ कृष्णावतार त्रिपाठी 'राही' ने कहां कि ताने-बाने का शहर जनपद भदोही, गंगा- जमुनी तहजीब का सदैव प्रवाहक रहा है। उन्होंने जनपद में राष्ट्रीय एकता ,भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता लोकतांत्रिक भावना, सौहार्दपूर्ण वातावरण के निरंतरता पर बल दिया। समाजसेवी एवं व्यापार मंडल पदाधिकारी मो0 शकील खान ने कहा कि महापुरुषों के जन्म दिवस पर सभी धर्मों के लोगों को एक साथ जोड़ते हुए कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने गुरुद्वारों में सभी लोगों द्वारा एक साथ बैठकर लंगर ग्रहण करने की परंपरा को कौमी एकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। शिक्षक एवं पर्यावरणविद अशोक गुप्ता ने कहा कि अहिंसा एवं आपसी सद्भाव के सिद्धांतों को अपनाकर ही त्यौहारों को मनाया जाए, तभी एकीकरण समिति की बैठक का उद्देश्य सफल होगा। इस अवसर पर सूचना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा प्रकाशित सूचना डायरी-2026, टेबल कैलेंडर एवं 'विरासत भी विकास भी - काम दमदार डबल इंजन सरकार' थीम पर आधारित कैलेंडर जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार द्वारा उपस्थित जनों को वितरित किए गए। बैठक में छेदीलाल यादव प्रतिनिधि एमएलसी, अनीता बिना ग्रामप्रधान मवैया हरदोपटटी, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी रमेश चंद्र, मुकेश कुमार ईएसएम ने भी एकीकरण पर बल दिया।

क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर सीएम से मिले सांसद डॉ. विनोद बिंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। लोकसभा क्षेत्र भदोही के सांसद डॉ. विनोद बिंद ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार मुलाकात कर अपने लोकसभा क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन तथा क्षेत्र की प्रमुख स्थानीय समस्याओं के समाधान जैसे विषयों पर सकारात्मक संवाद हुआ। साथ ही, चल रही विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने और नई योजनाओं की स्वीकृति दिलाने पर विशेष जोर दिया गया।

मुलाकात के दौरान सांसद ने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में नए संस्थानों की स्थापना तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के माध्यम से आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना लक्ष्य है। सांसद डॉ. विनोद बिंद ने कहा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। युवाओं के लिए स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु भी ठोस पहल की जा रही है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. राकेश दुबे, अजय पटेल, संतोष बिंद, आदित्य मौर्य सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम चौपाल का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

● ग्राम चौपाल का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। शुक्रवार को सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देश के अनुसार माह के प्रत्येक शुक्रवार को विकास खण्ड के 2 ग्राम पंचायतों मे जन चौपाल का आयोजन कर जन समस्या सुनने के क्रम मे विकास खण्ड के ग्राम पंचायत खानपुर एवं ग्राम पंचायत मेड़िया में ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम प्रधान की उपस्थिति में चौपाल संपन्न हुआ वही खानपुर में जिला सेवायोजन अधिकारी के द्वारा नामित पटल सहायक विरेन्द्र, तथा मुख्य सेविका रेनू मौर्या ग्राम प्रधान खानपुर रोमा सिंह एवं ग्राम प्रधान मेड़िया महेंद्र की उपस्थिति में ग्राम चौपाल मे सचिव सतेन्द्र यादव एवं अर्चना सिंह द्वारा अपने अपने विभाग से संचालित योजनाओ की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा उनसे योजनाओं का लाभ लेने का अनुरोध किया गया।

तथा चौपाल मे आये ग्रामीणों के समक्ष ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये कार्यो को पढ़ कर सुनाया गया।तथा दोनों ग्राम पंचायतों में आए कुल 4 शिकायत पत्रो जिसमें वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन आयुष्मान काड? आदि को सुनकर मौके पर निस्तारण किया गया । ग्राम चौपाल कार्यक्रम मे ग्राम सचिव आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहित कृषि विभाग स्वास्थ विभाग की तथा अन्य विभागों के कर्मचारी तथा सैकड़ों की संख्या में दोनों ग्राम पंचायतों की जनता उपस्थित रही।

संक्षिप्त खबरें

झूंसी में भू-माफिया व हिस्ट्रीशीटर हाईकोर्ट के अधिवक्ता के परिवार के साथ कि मारपीट मचा हड़कंप

झूंसी (प्रयागराज)। जानकारी के मुताबिक बताते चले कि हाई कोर्ट के अधिवक्ता साकेत सिंह कि मां झूंसी के नैका में रहती है बीते दिन गुरुवार को भू माफिया व हिस्ट्री शीटर जय हिंद भारतीय उर्फ शुभम व रिंकू ने अधिवक्ता साकेत सिंह के घर पर पहुंच कर रास्ते पर अतिक्रमण कराने लगे जब आवाज सुनकर अधिवक्ता साकेत सिंह कि मां बाहर निकली जैसे ही कुछ समझ पाती तब तक भू-माफिया व हिस्ट्रीशीटर जय हिंद भारतीय उर्फ शुभम ने गाली देते हुए अधिवक्ता साकेत सिंह कि मां विमला देवी के साथ झूमा झपटी करते हुए हांथ मुक्के से वार कर दिया जिससे अधिवक्ता साकेत सिंह कि मां विमला देवी के मुंह में काफी चोट लग गई वही हल्ला गुहार मचने पर काफी लोग एकत्रित हो गए तब भू-माफिया व हिस्ट्रीशीटर जय हिंद भारतीय उर्फ शुभम वहां से जान से मारने कि धमकी व फर्जी एस सी एसटी के मुकदमे कि धमकी देते हुए भाग गए। वही हाईकोर्ट के अधिवक्ता साकेत सिंह झूंसी थाने में तहरीर देकर कार्यवाही कि मांग कि है लेकिन पुलिस ने अभी तक भू-माफिया व हिस्ट्रीशीटर जय हिंद भारतीय उर्फ शुभम के ऊपर कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है। जिससे भू-माफिया व हिस्ट्रीशीटर जय हिंद भारतीय उर्फ शुभम का हौसला बुलंद है यह वही भू-माफिया व हिस्ट्रीशीटर जय हिंद भारतीय उर्फ शुभम जिसने टोल प्लाजा पर गोली चलवाई थी।

नयापुल पर युवक की लाठी-डंडों से पिटाई, दो नामजद पर केस दर्ज

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में नयापुल नदीपार रावतयाना के पास एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित के भाई की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मु. लक्ष्मीपुरा निवासी अंकित पुत्र स्व. जुगल किशोर साहू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 फरवरी 2026 को उसका भाई पंकज साहू नयापुल नदीपार रावतयाना क्षेत्र में मौजूद था। इसी दौरान सम्यक जैन और अक्कू कुशवाहा वहां पहुंचे और उसके भाई के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार विरोध करने पर आरोपियों ने पंकज साहू पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित पक्ष ने घायल का चिकित्सीय परीक्षण कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस की धारा 352, 115(2) और 351(3) के तहत एफआईआर संख्या 0181/2026 दर्ज कर ली है।

बिल्ला के किसान पुत्र संदीप सिंह राजपूत का इंडियन नेवी में चयन, गांव में हर्षोल्लास

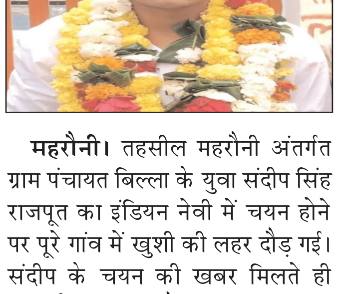

महरौनी। तहसील महरौनी अंतर्गत ग्राम पंचायत बिल्ला के युवा संदीप सिंह राजपूत का इंडियन नेवी में चयन होने पर पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। संदीप के चयन की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने गर्व और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। संदीप सिंह राजपूत, पिता द्वारिका प्रसाद (किसान), ने सीमित संसाधनों और ग्रामीण परिवेश में रहकर अपने साहस, अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। प्रशिक्षण पर रवाना होने से पूर्व गांव के लोगों ने उन्हें फूल मालाओं से लादकर तिलक लगाया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

ग्रामीणों का कहना है कि संदीप बचपन से ही लक्ष्य के प्रति सजग और परिश्रमी रहे हैं। नियमित अध्ययन, दृढ़ आत्मविश्वास और देशसेवा की भावना ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हो, तो सफलता अवश्य मिलती है। संदीप की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे ग्राम पंचायत बिल्ला का नाम गौरवान्वित हुआ है। गांव के युवाओं के लिए वे प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं।

उन्नाव रेप केस: कुलदीप सेंगर के भाई को नहीं मिली जमानत, पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत केस में कोर्ट ने सरेंडर करने को कहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज – दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी कुलदीप सेंगर के भाई जयदीप सेंगर को पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में उसकी दोषसिद्धि के संबंध में जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ दोषी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने 10 साल की सजा को निलंबित करके अंतरिम जमानत को और बढ़ाने का अनुरोध किया है।''अदालत ने कहा कि जयदीप सेंगर को जुलाई 2024 में दी गई अंतरिम जमानत को आखिरी बार अप्रैल 2025 में बढ़ाया गया था और तब से, पांच तारीखें पड़ने के बावजूद, अदालत द्वारा उसकी अंतरिम जमानत को और बढ़ाने या उसकी सजा को निलंबित करने का कोई आदेश पारित नहीं किया गया है। जयदीप सेंगर के वकील ने उसकी सेहत को देखते हुए उसकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया, जिस पर पीठ ने कहा, 'आप आत्मसमर्पण कीजिए, फिर हम देखेंगे।' पीठ ने आदेश दिया, ''हालांकि सुनायी गई सजा के अंतरिम निलंबन की अवधि नहीं बढ़ाई गई है, फिर भी उसने आत्मसमर्पण नहीं किया है। सजा निलंबन की अवधि बढ़ाने के उसके आवेदन पर विचार करने से पहले, हम अपीलकर्ता से कहते हैं कि पहले वह आत्मसमर्पण करे।''जयदीप सेंगर के वकील ने अदालत को आश्वासन दिया कि वह शनिवार तक आत्मसमर्पण कर देगा। अदालत ने मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध की।जयदीप सेंगर (50) ने मुंह के कैंसर से पीड़ित होने के आधार पर जमानत बढ़ाने का अनुरोध किया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के वकील ने पहले कहा था कि यह अंतरिम जमानत बढ़ाने का उपयुक्त मामला नहीं है और जयदीप सेंगर द्वारा अपनी याचिका के समर्थन में दी गई जानकारी मनगढ़ंत है। जयदीप सेंगर ने अपने आवेदन में कहा है कि वह चौथे चरण के मुंह के कैंसर से पीड़ित है, जो एक जानलेवा स्थिति है और उसे कैंसर फिर से उभरने के लक्षण दिखायी दिये हैं। याचिका में कहा गया है कि इस स्थिति के लिए निरंतर और विशेष चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है। कुलदीप सेंगर को 20 दिसंबर, 2019 को नाबालिग से 2017 में बलात्कार के आरोप में दोषी ठहराया गया था और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।कुलदीप सेंगर और जयदीप सेंगर को बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में निचली अदालत द्वारा 13 मार्च, 2020 को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी और उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।

रेलवे का फॉर्मूला: तारीख बढ़ाओ, भुगतान टालो!

● डेट बढ़ायेगे, रेलवे जमीन भुगतान की तारीख नही बतायेगे? छितौनी-तमकुही रेल परियोजना में किसानों का धैर्य टूटने की कगार पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। वर्षों से अधर में लटकी छितौनी-तमकुही रोड रेल परियोजना अब जमीन पर तो उतरती दिख रही है, लेकिन मुआवजा भुगतान के मोर्चे पर प्रशासनिक उदासीनता ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। जमीन अधिग्रहण की पूरी धनराशि राजस्व विभाग को मिल जाने के बावजूद प्रभावित किसानों को अब तक उनका हक नहीं मिला है, जिससे आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने 29 दिसंबर 2025 को नोटिस जारी कर पहले चरण में ग्राम पंचायत जटहा के 28 और एकवनही उर्फ भागवतपुर के 18 किसानों को 15 फरवरी 2026 तक कागजात जमा करने का निर्देश दिया था। दूसरे चरण में ग्राम पंचायत जरार के 42 किसानों को नोटिस तामील कराया गया। ज्ञात हो कि खड्डा तहसील के ग्राम पंचायत कटाई भरपुरवा और पडरौना तहसील के छह गांवों के किसानों को भी मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में शामिल किया गया। फॉर्म 41/45 और 1359 भरकर जमा करने के बाद भुगतान की व्यवस्था तय की गई थी। लेकिन हकीकत यह है कि तय समय सीमा गुजर जाने के बाद भी किसानों के हाथ न तो जरूरी कागजात पहुंचे और न ही भुगतान की कोई स्पष्ट तारीख घोषित हुई। किसान रोजाना एडीएम (न्यायिक), तहसील, लेखपाल और अन्य राजस्व कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। हर बार नई तारीख का आश्वासन मिलता है, लेकिन नतीजा शून्य है। पीड़ित किसानों का दर्द साफ झलकता है 'सरकार ने जमीन ले ली, लेकिन भुगतान कब मिलेगा, यह कोई बताने वाला नहीं है'। दफ्तरों में बैठे बाबू और लेखपाल किसानों की मजबूरी से बेपरवाह नजर आ रहे हैं। बाबुओं द्वारा बताया जा रहा है तारीख बढ़ा दी गई है, और कहते है चिंता करने की कोई बात नही है, मगर सवाल उठना लाजमी है पहले नोटिस दिया गया तो डेट बताया गया, जब बढ़ाया गया तो तारीख नही बताया जा रहा है। तारीख क्यो और किसकी कमी से बढ़ाया जा रहा है ये बड़ा सवाल है? आरोप है कि फाइलें जानबूझकर लटकाई जा रही हैं, जिससे किसानों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक तीनों तरह की मार झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह देरी अब सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। एक तरफ सरकार विकास परियोजना का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ उसी विकास की कीमत चुकाने वाले किसान अपने हक के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। अब प्रभावित किसानों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भुगतान की स्पष्ट तिथि घोषित कर प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। सबसे बड़ा सवाल यही है – जब जमीन ली जा चुकी है और धनराशि जारी हो चुकी है, तो आखिर किसानों का मुआवजा कब मिलेगा?

मुफ्त की स्कीमों पर सुप्रीम कोर्ट ने पार्टियों को लगाई फटकार, कहा- खैरात नहीं रोजगार दो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश की सर्वोच्च अदालत (Supreme Court) ने राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए मुफ्त उपहार (Freebies) बांटने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस तरह की मुफ्त घोषणाओं से देश के Economic Development (आर्थिक विकास) में बड़ी बाधा उत्पन्न हो रही है। अदालत ने इस मुद्दे को एक गंभीर आर्थिक और लोकतांत्रिक समस्या बताया है। न्यायालय के अनुसार, चुनाव के समय राजनीतिक दल बिना किसी ठोस आर्थिक योजना के लोकलुभावन वादे कर देते हैं। इसका सीधा असर सरकारी खजाने पर पड़ता है। जब सरकार का बजट इन मुफ्त की योजनाओं में खर्च हो जाता है, तो आधारभूत ढांचे (Infrastructure), स्वास्थ्य, और शिक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के विकास के लिए पैसा नहीं बचता। इसका अंतिम नुकसान आम करदाता (Taxpayer) को ही उठाना पड़ता है। इस मामले की सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई कि सिर्फ राजनीतिक दलों को दोष देना काफी नहीं है, बल्कि इस पर लगाम लगाने के लिए एक स्पष्ट नीति की जरूरत है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि इस 'Freebies Culture' को नियंत्रित करने के लिए चुनाव आयोग (Election Commission) और केंद्र सरकार को मिलकर एक व्यापक दिशा-निर्देश (Guidelines) तैयार करने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी ने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी है। अदालत का मानना है कि जनता को सशक्त बनाने और उन्हें मुफ्त की चीजें देकर उन पर निर्भर बनाने के बीच एक बड़ा अंतर है। सही मायने में आर्थिक विकास तब होता है जब रोजगार के अवसर पैदा हों और आधारभूत सुविधाएं मजबूत हों, न कि सिर्फ चुनाव जीतने के लिए सरकारी खजाने को खाली कर दिया जाए। यह टिप्पणी देश की राजनीति में दूरगामी बदलाव ला सकती है। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद आर्थिक विशेषज्ञों और आम जनता की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। अर्थशास्त्रियों ने अदालत के इस रुख का स्वागत किया है और कहा है कि इससे राज्यों को कर्ज के जाल में फंसने से बचाया जा सकेगा। वहीं, कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 'मुफ्त उपहार' और 'गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं' के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को नुकसान न हो।

निजी अस्पतालों को देना होगा नर्स को न्यूनतम 20 हजार वेतन, स्वास्थ्य महानिदेशक ने दिया आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजधानी लखनऊ के सभी निजी अस्पतालों को अब अपने यहां नर्स को प्रति माह न्यूनतम 20 हजार रुपये वेतन देना होगा। स्वास्थ्य महानिदेशक ने सीएमओ को पत्र भेजकर इस आदेश का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। कम वेतन देने वाले अस्पतालों के खिलाफ शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। सीएमओ डॉ. एनवी सिंह का कहना है कि जिले के सभी निजी अस्पतालों को इस संबंध में ईमेल भेज दिया गया है। आदेश का सख्ती से पालन करने के लिए निर्देश भी दिए गए हैं। राजधानी में एक हजार से अधिक छोटे-बड़े निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं। इसमें 10 से 50 बेड के करीब 84, जबकि 51 से 100 बेड तक के करीब 30 अस्पताल हैं। निजी अस्पतालों में नर्स को 10 से 12 हजार रुपये वेतन देकर 08 से 10 घंटे तक काम लिया जाता है। नर्सिंग स्टाफ को कम मानदेय या वेतन दिए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार को आदेश दिया कि निजी अस्पतालों में नर्स को न्यूनतम 20 हजार रुपये वेतन दिलाने की व्यवस्था कराएं। कोर्ट के आदेश की कॉपी शासन के जरिये स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण के पास पहुंची तो उन्होंने सीएमओ लखनऊ को पत्र भेजकर इसका सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह के मुताबिक, 10 से 100 बेड तक के सभी निजी अस्पतालों को अब न्यूनतम 20 हजार रुपये वेतन नर्स को देना होगा।

सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि नर्स को निर्धारित न्यूनतम वेतन मिले, इसके लिए एक मॉनिटरिंग सेल बनाई जाएगी जो निजी अस्पतालों की जांच करेगी। पंजीकरण के वक्त अस्पतालों की ओर से नर्सिंग व अन्य स्टाफ का रिकॉर्ड पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। यह सेल नर्सों से संपर्क कर वेतन संबंधी जानकारी जुटाएगा। सीएमओ का कहना है कि नर्स को कम मानदेय देने के आरोप यदि जांच में सही मिले तो अस्पताल का लाइसेंस भी निरस्त किया जाएगा। इसके लिए सभी प्रमाण जरूरी होंगे जिससे न्यायालय के आदेश की अवहेलना का हवाला देकर लाइसेंस निरस्त करने में किसी तरह की कोई अड़चन न आए। बहुत से निजी अस्पताल अपने यहां नर्स की भर्ती प्रशिक्षु (ट्रेनी) के तौर पर करते हैं, जिससे उन्हें वेतन देने की बाध्यता नहीं रहती। उन्हें मानदेय के नाम पर पांच से दस हजार रुपये का भुगतान किया जाता है।

ग्रामीण विकास योजनाओं से संबंधित प्रधानों को दिया गया प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

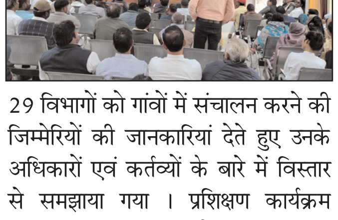

प्रयागराज– पंचायत राज निदेशालय लखनऊ के निर्देश पर शुक्रवार को फूलपुर ब्लाक सभागार में ग्राम प्रधानों,पंचायत सहायिकाओं एवं ग्राम पंचायत सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा ग्रामीण विकास योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारियां दी गईं। जिसमें पंचायतों का विकेंद्रीय करण के तहत ग्राम प्रधानों को 29 विभागों को गांवों में संचालन करने की जिम्मेरियों की जानकारियां देते हुए उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम सहायक विकास अधिकारी पंचायत फूलपुर राजेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। मौके पर प्रशिक्षक बीरेंद्र कुमार,वकार अहमद और सरोज सिंह के अतिरिक्त प्रधान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश कुमार गुप्ता,प्रधान संघ अध्यक्ष फूलपुर योगेन्द्र कुमार भारतीय,मौजी लाल रावत,कमलेश कुमार यादव,अनूप बिंद,भूलेश्वर नाथ तिवारी,जय सिंह यादव सहित अन्य ग्राम प्रधान एवं पंचायत सहायक तथा ग्राम पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

दिशा छात्र संगठन का छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा जारी स्त्री विरोधी फैसले के खिलाफ महिला छात्रावास के सामने विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज– छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सोमवार (16 फ़रवरी) को 2004 के एक मामले में यह टिप्पणी किया है कि 'महिला के निजी अंग में बिना पेनिट्रेशन केवल इजैकुलेशन को रेप नहीं माना जा सकता' और इस आधार पर आरोपी की सज़ा 7 साल से घटाकर 3 साल 6 महीने कर दी। कोर्ट ने कहा कि पेनिट्रेशन (योनि में पुरुष जननांग का प्रवेश) नहीं हुआ, इसलिए इसे बलात्कार नहीं माना जा सकता–सिर्फ़ 'रेप की कोशिश' मानी जायेगी। इस पर बात रखते हुए दिशा छात्र संगठन की निधि ने कहा कि सवाल यह है कि क्या किसी महिला की देह पर जबरन हमला, उसकी असहमति, उसका भय और उसकी गरिमा–सब कुछ केवल एक 'तकनीकी शब्द' से कमतर कर दिया जाएगा? यह फ़ैसला केवल एक केस नहीं है, यह उस पूंजीवादी पितृसत्तात्मक सोच का हिस्सा है जो महिलाओं की पीड़ा को कानूनी पेचीदगियों में उलझाकर अपराधियों को राहत देती है। दूसरी ओर, बलात्कार के दोषी ठहराए गये तथाकथित 'धर्मगुरुओं' और रसूख़दार लोगों को बार-बार पैरोल और फरलो मिल जाती है। स्त्री मुक्ति लीग से चंचल ने कहा कि यह कोई पहला फ़ैसला नहीं है जिसने न्यायपालिका के स्त्री विरोधी चरित्र को उजागर किया है। कुलदीप सिंह सेंगर और चिन्मयानंद की जमानत, आशाराम का बार-बार पैरोल पर बाहर आना, बिल्किस बानो के अपराधियों की रिहाई, IIT bhu में एक छात्रा से दिन दहाड़े रेप करने वाले भाजपा के IT सेल के कार्यकर्ताओं की जमानत, इसके अलावा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक फ़ैसला दिया था कि 'स्तन को दबाना' और 'सलवार की डोरी खींचना' अपने-आप में POCSO की धारा 7 के तहत 'यौन हमला' नहीं माना जा सकता, जबतक 'त्वचा से त्वचा (skin-to-skin)' सम्पर्क न हो। इसी तरह इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक और फ़ैसला आया था जिसमें आरोपी को जमानत देते हुए अदालत ने कहा कि आरोपी-पीड़िता 'साथ में रह सकते हैं' और पीड़िता को रक्षाबंधन पर आरोपी को राखी बांधने का सुझाव दिया गया था। इसके अलावा 1979 का मथुरा बलात्कार मामला (पुलिस थाने में एक आदिवासी किशोरी 'मथुरा' के साथ बलात्कार हुआ। सर्वोच्च न्यायालय ने आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि 'पीड़िता ने प्रतिरोध नहीं किया, इसलिए सहमति मानी जाएगी।'...... इसके ख़िलाफ़ देशव्यापी आन्दोलन उठा, जिसके दबाव में 1983 में बलात्कार कानून में संशोधन हुआ और 'कस्टोडियल रेप' को अलग अपराध माना गया।), Harvinder Kaur v. Harmander Singh मामला (जिसमें कहा गया था कि पति/पत्नी अदालत के आदेश से साथ रहने को बाध्य किए जा सकते हैं।), 'दो उँगली परीक्षण' आदि मामलों ने न्यायपालिका के स्त्री विरोधी चरित्र को दिखाया है।

इसी का नतीजा है पिछले 10 सालों में करीब 35 लाख से ज़्यादा स्त्री उत्पीड़न के मामले दर्ज़ हुए लेकिन इनमें से केवल 20% मामलों में ही पीड़िता को ही न्याय मिल पाया। ये तो वो घटनायें हैं जो सामने आ गये लेकिन हर रोज़ न जाने कितनी ही घटनाओं को सामने आने से पहले ही दबा दिया जाता है। ख़ासतौर पर ग़रीब बस्तियों और निम्न मध्यवर्ग के इलाकों में होने वाली ऐसी घटनाओं को ताकत और पैसे के दम पर सामने नहीं आने दिया जाता। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि इन घटनाओं के दोषियों को पकड़ने और सज़ा देने के बजाय उन्हें खुली छूट मिल रही है। पुलिस प्रशासन से लेकर न्यायालय तक ऐसे अपराधियों को बरी करने और संरक्षण देने का काम खुलेआम कर रहा है। आगे बात रखते हुए चंचल ने कहा कि अगर हाईकोर्ट अपने फैसले को वापस नहीं लेता है तो हम इंसाफपसंद नागरिक और छात्र-छात्राएं देशव्यापी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे

बटुकों पर सियासी संग्राम, पहले माघ मेले में योगी की पुलिस ने किया अपमान, अब डिप्टी सीएम पाठक ने किया सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज– उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के माघ मेला में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और प्रशासन के बीच हुआ विवाद अब राजनीतिक मुद्दा बन गया है। मामले को लेकर बयानबाजी तेज है और सियासी आरोप-प्रत्यारोप थमने का नाम नहीं ले रहे। माघ मेले में बटुकों का चोटी की खींचकर योगी की पलिस पर अपमानित करने का आरोप लगा था। अब बटुकों का उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सम्मान किया है। डिप्टी सीएम ने गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास पर बड़ी संख्या में बटुकों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया। इस दौरान बटुकों ने उन्हें फूल भेंट कर स्वागत किया और उनके समर्थन के लिए आभार जताया। एक बटुक ने कहा कि डिप्टी सीएम ने उनकी आवाज उठाई और सम्मान दिया। दूसरे बटुक ने कहा कि वे सनातन समाज के पक्ष में खड़े होने और उनके साथ हुए अन्याय के मुद्दे को उठाने के लिए उनका धन्यवाद करने आए हैं।वहीं, यूपी सरकार के मंत्री ओपी राजभर ने कहा, 'यह साफ है कि हिंदू धर्म के सिद्धांतों के अनुसार, जैसा कि ब्रजेश पाठक ने कहा है, किसी को 'चोटी' से खींचना हिंदू धर्म की परंपराओं के खिलाफ है और यह गलत है। यह बात सही है।' उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में पाप और पुण्य है। तो, पाप लगने की जो बात उन्होंने कही है, वह सही है। रही बात कानून व्यवस्था की, तो जो कानून के साथ खिलवाड़ करेगा, उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। इससे पहले समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल यादव ने बुधवार को तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि यदि ब्रजेश पाठक को इतना ही दुख है तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि जिस सरकार और मंत्रिमंडल का वे हिस्सा हैं, उसी से बटुकों का अपमान हुआ है। इससे पहले अखिलेश यादव भी इस मुद्दे पर सरकार को घेर चुके हैं और कई बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साध चुके हैं। विवाद की शुरुआत मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर संगम में स्नान के लिए जा रहे थे। आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोक लिया, जिसके बाद अधिकारियों से उनकी तीखी बहस हुई। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रशासन पर आरोप लगाया था कि उन्हें संगम स्नान से रोका गया और बटुकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कथित रूप से उन पुलिसकर्मियों की तस्वीरें भी दिखाईं, जिन पर चोटी खींचने का आरोप लगाया गया और इसी मुद्दे को लेकर वे धरने पर बैठ गए थे। बटुकों की चोटी खींचने की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

पुलिस-सत्ता गठजोड़ निंदनीय', अदालत का फरमान- MLC के खिलाफ हत्या का मामला 30 नवंबर तक निपटाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आंध्र प्रदेश के चर्चित हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कहा कि पुलिस और सत्ता के बीच गठजोड़ दिखाई दे रहा है। अदालत ने वाईएसआरसीपी के एमएलसी अनंथा सत्य उदया भास्कर राव के खिलाफ चल रहे 2022 के हत्या केस का ट्रायल 30 नवंबर तक पूरा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मामले में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समयसीमा में सुनवाई पूरी होनी चाहिए। अनंथा सत्य उदया भास्कर राव पर मई 2022 में अपने पूर्व ड्राइवर वीधी सुब्रमण्यम की हत्या का आरोप है। बताया गया कि पैसों के विवाद को लेकर यह वारदात काकीनाडा में हुई थी। मृतक दलित समुदाय से था। इस मामले में हत्या और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज हुआ था। राव को गिरफ्तार भी किया गया था। यह मामला उस समय का है जब राज्य में वाईएसआरसीपी की सरकार थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड देखने पर साफ लगता है कि राज्य पुलिस आरोपी के साथ 'हॉबनॉबिंग' कर रही थी। कोर्ट ने इसे सत्ता और पुलिस के बीच स्पष्ट गठजोड़ बताया। पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि जांच और ट्रायल में पारदर्शिता और तेजी जरूरी है।

सितंबर 2022 में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने राव की डिफॉल्ट बेल याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट को केवल तकनीकी खामियों के कारण अधूरा नहीं कहा जा सकता। बाद में दिसंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी और कहा था कि आरोपी को अनिश्चितकाल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई किसी वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी को सौंपी जाए, जो सप्ताह में कम से कम एक बार सुनवाई करे। राज्य पुलिस को 31 मार्च तक जांच पूरी करने का आदेश दिया गया है। ट्रायल कोर्ट को 18 अप्रैल 2026 तक आरोप तय करने को कहा गया है। अभियोजन पक्ष को 31 अगस्त तक गवाहों की जांच पूरी करनी होगी। आरोपी को बचाव पक्ष के साक्ष्य के लिए दो महीने दिए गए हैं। कोर्ट ने सभी अदालतों, यहां तक कि हाई कोर्ट को भी, ट्रायल रोकने वाला कोई आदेश पारित करने से रोक दिया है। जिला स्तर पर निगरानी की जिम्मेदारी भी तय की गई है।

माघ मेला, प्रयागराज-2026 के दौरान M-UTS से सर्वाधिक टिकट बिक्री करने वाले कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज– मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग, हरिमोहन के नेतृत्व में माघ मेला, प्रयागराज -2026 के पावन अवसर पर रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए टिकट वितरण को सुगम बनाया गया एवं मोबाइल अनारक्षित टिकट प्रणाली (M-UTS) के व्यापक उपयोग को बढ़ावा दिया गया। माघ मेला -2026 के दौरान प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी एवं सूबेदारगंज स्टेशन पर स्टेशनों पर रेलवे के विविध जोन से आए वाणिज्य कर्मचारियों ने प्रयागराज मण्डल के वाणिज्य कर्मचारियों (वाणिज्यिक सह टिकट लिपिक) के साथ करी किया एवं M-UTS के माध्यम से टिकट बिक्री में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उनके सराहनीय कार्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से M-UTS के माध्यम से सर्वाधिक टिकट बिक्री करने वाले 12 कर्मचारियों को सम्मानित गया।

प्रयागराज जंक्शन पर माघ मेला -2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वालों में मो. शहबाज (प्रयागराज मण्डल/उत्तर मध्य रेलवे) ने 6060 टिकट बिक्री कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। संजय कुमार (मुंबई मण्डल/मध्य रेलवे) तथा श्री प्रिंस कुमार (हुब्बल्लि मण्डल/ दक्षिण पश्चिम रेलवे) को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रयागराज छिवकी

उत्कृष्ट कार्य करने वालों में दिनेश सनप (मुंबई मण्डल/मध्य रेलवे) ने 4327 टिकट बिक्री कर प्रथम स्थान प्राप्त किया आनंद कुमार (मुंबई मण्डल/मध्य रेलवे) एवं श्री कुंदन कुमार (मुंबई मण्डल/मध्य रेलवे) को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

सूबेदारगंज स्टेशन पर

सुमन कुमार (प्रयागराज मण्डल/उत्तर मध्य रेलवे) ने 998 टिकट बिक्री कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। किशन राम लोचब (जोधपुर/उत्तर पश्चिम रेलवे) एवं अंशुल रोशन (टूंडला/मुंबई मण्डल/मध्य रेलवे) को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। नैनी जंक्शन पर अखिलेश कुमार सिंह (नागपुर मण्डल/मध्य रेलवे) ने 883 टिकट बिक्री कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। नवीन कुमार (रायपुर/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) एवं श्री अखिलेश कुमार (तिरुचिरापल्ली/दक्षिण रेलवे) को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इन सभी कर्मचारियों ने माघ मेला जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान अत्यधिक यात्री दबाव के बीच निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा दिया। M-UTS के माध्यम से टिकट लेने से यात्रियों को लंबी कतारों से राहत मिली, समय की बचत हुई तथा नकदरहित लेन-देन को प्रोत्साहन मिला। यह सम्मान न केवल संबंधित कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि अन्य कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। प्रयागराज मंडल प्रशासन ने सभी चयनित कर्मचारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी वे इसी प्रकार समर्पण और उत्कृष्टता के साथ कार्य करते रहेंगे तथा डिजिटल इंडिया की भावना को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

अनुमंडलीय अस्पताल बरही में टीबी उन्मूलन को लेकर हुई बैठक, निक्षय एप पर दिया गया प्रशिक्षण

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बीते दिन अनुमंडलीय अस्पताल बरही में टीबी उन्मूलन एवं लक्ष्य प्राप्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अस्पताल के डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने की। कार्यक्रम में बरही एवं पदमा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ), एएनएम, सहिया साथी एवं बीटीटी ने भाग लिया। बैठक में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. आर.के. जायसवाल, एसटीएस जयराम कुमार एवं विवेक कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान टीबी उन्मूलन अभियान की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई तथा निर्धारित लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण सत्र में निक्षय एप के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।स्वास्थ्यकर्मियों को बताया गया कि किस प्रकार टीबी मरीजों का पंजीकरण, उपचार की निगरानी एवं रिपोर्टिंग निक्षय एप के माध्यम से की जानी है, ताकि सभी मामलों का सही एवं समयबद्ध रिकॉर्ड संधारित हो सके। डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूर्णतः इलाज योग्य बीमारी है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए संदिग्ध मरीजों की पहचान करें और उन्हें शीघ्र जांच एवं उपचार से जोड़ें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम सबका लक्ष्य बरही को टीबी मुक्त बनाना है और इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। बैठक में बिजेंद्र कुमार, मोजहिर एहसान, सुधांशु, संतोष कुमार, इरशाद आलम एवं बैम गौतम कुमार, कुलदीप कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। अंत में सभी को अभियान को गति देने एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प दिलाया गया।

बलिया में दुष्कर्म और पाक्सो मामले में दो गिरफ्तार, गड़वार पुलिस ने भेजा जेल

बलिया। बलिया जिले के गड़वार थाना क्षेत्र में दुष्कर्म, पाक्सो और एससी/एसटी एक्ट से जुड़े मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार मु0अ0सं0 037/2026 में दर्ज मामले में राजू यादव (26) और रोशन यादव (25) को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी गड़वार थाना क्षेत्र के बहादुरपुर कारी गांव के निवासी बताए गए हैं। कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) कृपाशंकर के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर उस्मान के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। थानाध्यक्ष हितेश कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक नीरज कुमार और कांस्टेबल इमरान की टीम ने आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दो बाइक के आमने - सामने की टक्कर में तीन घायल

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के शोहरतगढ़-चेतिया मार्ग पर नकथर-खरगवार के बीच दो बाइक की आमने सामने टक्कर शुक्रवार शाम को हो गया। जिसमें तीन लोग घायल हो गये। जिन्हें लोगों ने एम्बुलेंस से सीएचसी शोहरतगढ़ पर इलाज के लिये पहुंचाया। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के डफरा निवासी नरेश यादव पुत्र तीरथ यादव शुक्रवार शाम को मोटरसाइकिल से शोहरतगढ़ से घर वापस जा रहे थे। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रहे आबिद अली (20 वर्ष) पुत्र हमीम निवासी सिद्धार्थनगर और संजय रस्तोगी (18 वर्ष) मदनपुर की मोटरसाइकिल आपस में भिड़ गयी। दोनों बाइक के सवार लोगों को काफ़ी चोट आयी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को लोगों की मदद से एम्बुलेंस के जरिये सीएचसी शोहरतगढ़ पर इलाज के लिये पहुंचाया। जहां उनका इलाज चल रहा है। बलिया में 22 फरवरी को मतदाता सूची संशोधन महाअभियान, बूथों पर होंगे दावे-आपत्तियां स्वीकार

मंजरों से लदा आम वृक्ष आम फसलें अधिक होने की सम्भावना से कृषकों में छाया उल्लास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

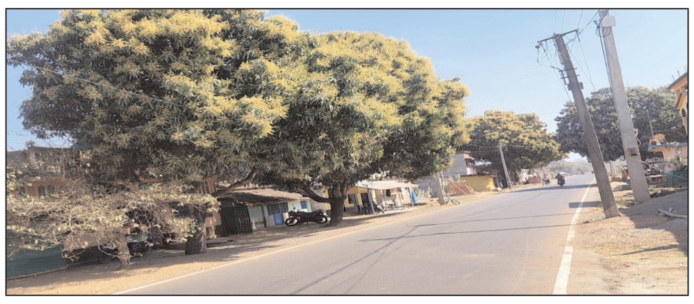

पाकुड़िया, पाकुड, झारखण्डः- प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में आम वृक्षों पर घने मंजरों से किसान आशान्वित हैं कि विगत साल की भांति इस वर्ष भी आम की फसलों की पैदावार अधिक हो सकती है। यद्यपि कृषकों का मानना है कि असमय बारिश व आंधी चली तो आम फसलों को क्षति होने की सम्भावनाएँ हैं। बहरहाल फिलहाल आम के मंजरों से लदा वृक्ष दिख रहा है। राज्य सरकार की तरफ से भी पाकुड़िया प्रखण्ड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर फलदार पौधा, विशेष रूप से आम के कई प्रजातियों के पौधों का रोपण कराया गया है। पिछले साल प्रखण्ड कार्यालय परिसर पाकुड़िया में विभिन्न प्रकार की आम फसलों की प्रदर्शनी आयोजित कर किसानों को प्रोत्साहित किया गया। इन दिनों प्रखण्ड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में हिमसागर, लंगड़ा आदि के अलावा स्थानीय आमों की पैदावार भी अच्छी होती दिख रही है। लखीपोखर, कचूवाबथान, चूनपाड़ा, रामघाटी, राजवाड़ी, झरिया आदि गांवों के आम की मिठास से पाकुड़िया बाजार सुगंधित होता रहा है। प्रखण्ड के किसानों का मानना है कि आम की फसलें अच्छी होने पर वर्षा भी पर्याप्त होने की सम्भावना रहती है। वर्षा समय पर तथा कृषि के अनुकूल हो तो किसानों के साथ लोगों की खुशहाली भी बढ़ेगी। आम स्वास्थ्यवर्धक है और लोग इसे कई प्रकार से सेवन करते रहे हैं। जानकार बताते हैं कि फलों का राजा आम श्रीलंका का प्रसिद्ध फल है। जब माता सीता जी की खोज में पवन पुत्र हनुमान जी लंका गए और माता से भेंट कर सभी समाचार सुनाए, इस बीच बजरंगबली को भूख लगने पर माता से आज्ञा लेकर वे अपनी भूख मिटाने के लिए बगिया जाकर क्षुधा शांत की तथा आम फलों को भारत की ओर फेंक दिया। तभी से फलों का राजा आम भारत भूमि को मिठास से सुगंधित करता रहा है। फलों का राजा आम हमारे लिए स्वास्थ्यवर्धक और गुणकारी फल है। इसका सेवन करना बुद्धिमानी है। वहीं दूसरी ओर इस मौसम में साजन का वृक्ष भी सफेद फूलों से आच्छादित दिख रहा है। किसानों ने बताया कि साजन की पत्तियां काफी गुणकारी हैं और साजन जिसे इन क्षेत्रों में लोग सोंटी कहते हैं, उसकी सब्जी बड़े ही स्वादिष्ट होती है। लोगों का कहना है कि साजन के फूल और आम के वृक्षों पर मंजर आने का संकेत वर्षा के मौसम के लिए विशेष रूप से अच्छा माना जाता रहा है।

दारू प्रखंड के बडवार बिरहोर टोला में लगेंगी 30 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगेंगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बोकारो, झारखंडः- बोकारो की सीएसआर पहल से आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय में खुशी आकांक्षी जिला हजारीबाग के दारू प्रखंड अंतर्गत ग्राम बडवार स्थित बिरहोर टोला में ओएनजीसी की सीबीएम परिसंपत्ति, बोकारो द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर मद से 30 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में समुदाय की सहमति से लाइट लगाए जाने वाले स्थानों का चयन किया गया। यह पहल विशेष रूप से आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। बैठक के दौरान स्थानीय स्कूल बिरहोर टोला के प्रधानाध्यापक बिरेन्द्र कुमार, हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग के कोषाध्यक्ष संजय गोप सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्य दयानंद कालुंडिया महाप्रबंधक, मानव संसाधन, डॉली कुमारी उप महाप्रबंधक मानव संसाधन एवं समन्वयक, सीएसआर, शशि कुमार वरिष्ठ राज्य भाषा पदाधिकारी एवं एफपीआर, सीएसआर तथा चन्दना चालसी एचआर, सीएसआर के दिशा निर्देशन में संपादित किया जा रहा है। बैठक में चमेली देवी, अजय बिरहोर, मनोज बिरहोर, बद्री बिरहोर, टहल बिरहोर, दशरथ बिरहोर, अनीता कुमारी, कार्तिक बिरहोर, सनोज बिरहोर, विजय बिरहोर, छोटू बिरहोर, रिसू बिरहोर, उषा देवी सहित लगभग 60 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर योजना का चयन किया। ग्रामीणों ने बताया कि टोला में बिजली की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण रात्रि में जंगली जानवरों विशेषकर हाथी, सियार एवं भालू का खतरा बना रहता है। हाल के समय में हाथियों की आवाजाही बढ़ने से भय का वातावरण है। सोलर स्ट्रीट लाइट लगने से रात्रि में आवागमन सुरक्षित होगा तथा वन्यजीवों के खतरे से काफी हद तक राहत मिलेगी। इस पहल से बिरहोर समुदाय में उत्साह और खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने ओएनजीसी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

रेनबो स्कूल बरही के विद्यार्थियों का आईसीएआर गोरियाकर्मा में शैक्षणिक भ्रमण

●कक्षा पंचम से नवम तक के छात्रों ने विभिन्न फसलों, पेड़-पौधों एवं कृषि अनुसंधान की ली जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही के रेनबो स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गोरियाकर्मा स्थित आईसीएआर केंद्र में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा पंचम से कक्षा नवम तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, अनाज, दलहन, तिलहन एवं सब्जी फसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने बच्चों को आधुनिक खेती की तकनीक, उन्नत बीजों के उपयोग, जैविक खेती तथा पौधों की देखभाल के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराया। छात्रों ने खेतों में जाकर प्रत्यक्ष रूप से फसलों को देखा और उनके उत्पादन की प्रक्रिया को समझा। आईसीएआर के विशेषज्ञों ने बच्चों को बताया कि किस प्रकार अनुसंधान के माध्यम से नई किस्मों की फसलें विकसित की जाती हैं, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। विद्यार्थियों ने पौधारोपण, बीज उपचार, सिंचाई पद्धति और मिट्टी की जांच जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कीं। इस अवसर पर बच्चों ने कई प्रश्न पूछे, जिनका वैज्ञानिकों ने सरल भाषा में उत्तर दिया। विद्यालय के निदेशक सिकंदर प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को नई तकनीकों और अनुसंधान कार्यों से जोड़ना है, ताकि वे भविष्य में कृषि, विज्ञान और पर्यावरण के क्षेत्र में रुचि लेकर आगे बढ़ सकें। भ्रमण के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अनुशासन बनाए रखने एवं जानकारी को गंभीरता से समझने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और इसे अपने लिए ज्ञानवर्धक अनुभव बताया। विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में भी इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर शिक्षकों में गौरी शंकर, अरमान आलम, परवीन कुमार, शुभम कुमार, उषा यादव, सुधा यादव, विशाल कुमार, पृथ्वीराज अंजली, कुमारी श्वेता कुमारी, पंकज कुमार, सुजीत कुमार, राहुल प्रजापति एवं विनय सकलदेव शामिल रहे।

13वें स्थापना दिवस पर आज सजेगा प्रतिभा का महाकुंभ, श्रीदस महोत्सव में दिखेगा बच्चों का जलवा

● नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजेगा विद्यालय परिसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल परिसर में आज विद्यालय के 13वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य श्रीदस महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस महोत्सव को लेकर विद्यालय परिवार, अभिभावकों और विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान नृत्य, संगीत, नाटक, विज्ञान एवं कला से जुड़ी आकर्षक प्रस्तुतियाँ मंचित की जाएगी। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह आयोजन बच्चों की छिपी प्रतिभा को मंच देने और उनके आत्मविश्वास को नई ऊँचाई प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और पूरे विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। इस दौरान प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि श्रीदस महोत्सव हमारे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का उत्सव है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक अभिभावक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करें। आपकी उपस्थिति बच्चों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाई देगी। वहीं विद्यालय के मैनेजर राकेश कुमार ने बताया कि हमारा प्रयास है कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा मंच मिले। श्रीदस महोत्सव उसी सोच का परिणाम है। हम सभी अतिथियों और अभिभावकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। महोत्सव में भाग ले रहे विद्यार्थियों में भी खासा उत्साह है। एक छात्र ने कहा हमने अपनी प्रस्तुति के लिए बहुत मेहनत की है और हम चाहते हैं कि सभी लोग आकर हमें प्रोत्साहित करें। वहीं एक छात्रा ने उत्साह जताते हुए कहा कि स्टेज पर परफॉर्म करने के लिए हम सभी बहुत उत्साहित हैं। श्रीदस महोत्सव हमारे लिए यादगार पल होगा। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे 21 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाएँ और बच्चों का मनोबल बढ़ाएँ।

प्रमाण पत्र बनाने में भ्रष्टाचार का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

●बरही विधायक मनोज यादव ने राजस्व मंत्री से पूछे तीखे सवाल, विद्यार्थियों को राहत देने का मिला आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- विधानसभा सत्र के दौरान विद्यार्थियों के जाति, आय, आवासीय एवं जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजा। कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव द्वारा उठाए गए प्रश्न पर चर्चा के दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने भी भाग लेते हुए अंचल कार्यालयों में व्याप्त अव्यवस्था और कथित लेन-देन की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े किए। डॉ. नीरा यादव ने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि निर्धारित नियमों के बावजूद विद्यार्थियों को जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अंचल कार्यालयों में अनियमितता के कारण छात्रों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक कार्य प्रभावित होते हैं। चर्चा में भाग लेते हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही यदि युवाओं को सरकारी कार्यालयों में लेन-देन और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़े, तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को नामांकन, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए समय पर प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है, लेकिन अनावश्यक देरी और कथित अवैध मांगों के कारण उन्हें मानसिक और आर्थिक परेशानियों से गुजरना पड़ता है। विधायक मनोज यादव ने सरकार से मांग की कि प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने राजस्व मंत्री से स्पष्ट जवाब की मांग करते हुए पूछा कि इस प्रकार की अनियमितताओं पर सरकार क्या ठोस कदम उठाएगी। राजस्व मंत्री ने अपने जवाब में आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के उपायुक्तों को विशेष रूप से निर्देशित किया जाएगा कि विद्यार्थियों को आय, जाति, जन्म एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम हो।

बरही अनुमंडल अस्पताल परिसर में बना पब्लिक हेल्थ यूनिट भवन, पैथोलॉजी व्यवस्था को लेकर सदन में बरही विधायक ने उठाया सवाल

●विधायक मनोज यादव के प्रश्न पर मंत्री का जवाब-मानव संसाधन हेतु आदेश निर्गत, कर्मियों के माध्यम से हो रही जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने बजट सत्र के दौरान सदन में बरही अनुमंडल अस्पताल के पुराने भवन परिसर में निर्मित पब्लिक हेल्थ यूनिट (पीएचयू) भवन को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या यह सही है कि उक्त परिसर में पब्लिक हेल्थ यूनिट का भवन बनकर तैयार हो चुका है। इस पर संबंधित मंत्री ने स्वीकारात्मक जवाब देते हुए पुष्टि की कि बरही अनुमंडल अस्पताल के पुराने भवन परिसर में पब्लिक हेल्थ यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। विधायक मनोज कुमार यादव ने इसके बाद सवाल किया कि क्या इस पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच की संपूर्ण व्यवस्था इसी वर्ष प्रारंभ करने की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। मंत्री ने जवाब में बताया कि वर्तमान में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच का कार्य बरही अनुमंडलीय अस्पताल में कार्यरत कर्मियों के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही सिविल सर्जन, हजारीबाग के पत्रांक 287 दिनांक 16.02.2026 से प्राप्त सूचना के अनुसार ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के लिए आवश्यक मानव संसाधन की नियुक्ति हेतु आदेश (कायादिश) निर्गत कर दिया गया है। विधायक ने अंत में पूछा कि यदि उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि होती है तो क्या सरकार शीघ्र ही पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करेगी? यदि हां, तो कब तक, अन्यथा क्यों? इस पर मंत्री ने कहा कि उपरोक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है। सदन में उठे इस प्रश्न के बाद विधायक मनोज यादव ने कहा कि पब्लिक हेल्थ यूनिट में पैथोलॉजी जांच की पूर्ण व्यवस्था शुरू हो जाने से स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

नारायणपुर में आंगनबाड़ी सेविकाओं की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड सभागार में क्षेत्र की आंगनबाड़ी सेविकाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महिला पर्यवेक्षिका नीयुति दास ने की।उन्होंने बताया कि पोषण अभियान की शुरुआत वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा विभिन्न मंत्रालयों के संयुक्त प्रयास से की गई थी। वर्तमान में सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र पोषण टू योजना के अंतर्गत कार्यरत हैं।

पोषण टू योजना के उद्देश्यः

पर्यवेक्षिका नीयुति दास ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य छह वर्ष से कम आयु के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती तथा स्तनपान कराने वाली महिलाओं के पोषण स्तर में समयबद्ध सुधार लाना है। इसके अंतर्गत गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के घर जाकर पोषण संबंधी जानकारी देना, गृह-भ्रमण के माध्यम से परिवार की स्थिति का आकलन करना, स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी समस्याओं की पहचान करना तथा आवश्यकता पड़ने पर रेफरल सेवाओं को सुलभ कराना शामिल है। बैठक के दौरान देर से पहुंचने वाली कई आंगनबाड़ी सेविकाओं को फटकार भी लगाई गई।

बैठक के दौरान देर से पहुंचने वाली कई आंगनबाड़ी सेविकाओं को फटकार भी लगाई गई।

उपस्थित प्रतिभागीः इस अवसर पर रेणु कुमारी, हीरा देवी, दुलेश्वरी देवी, पंचमी देवी, गीता भंडारी, सरीफन निषा, मर्शिला मरांडी, बहामुनी हांसदा सहित कई सेविकाएं उपस्थित थीं।

बलिया में 22 फरवरी को मतदाता सूची संशोधन महाअभियान, बूथों पर होंगे दावे-आपत्तियां स्वीकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

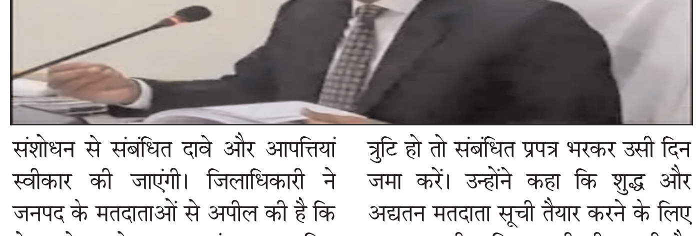

बलिया। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2026 के तहत 22 फरवरी 2026 (रविवार) को जनपद भर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि यह अभियान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आयोजित किया जा रहा है। निर्धारित तिथि पर सभी पदाभिहित स्थलों और मतदेय स्थलों (बूथों) पर सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान मतदाताओं से नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन से संबंधित दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। जिलाधिकारी ने जनपद के मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने-अपने बूथ पर पहुंचकर प्रकाशित मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। यदि नाम, पता, आयु या अन्य विवरण में कोई त्रुटि हो तो संबंधित प्रपत्र भरकर उसी दिन जमा करें। उन्होंने कहा कि शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची तैयार करने के लिए आमजन की सक्रिय भागीदारी जरूरी है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में शामिल किया जा सके।

शादी की 27 वीं सालगिरह पर ग्रीन गुरु जी ने किया गुलाब के पौध का रोपण

मीरजापुर। 20 फरवरी 2026 को ×888 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में खेल क्रान्ति एवं पर्यावरण शुद्धिकरण फाउंडेशन, ट्रस्ट द्वारा संचालित पर्यावरण शुद्धिकरण अभियान के संस्थापक,सचिव, अनिल कुमार सिंह,ग्रीन गुरु जी, मा. मु य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा गंगा सेवक स मान से स मानित, प्रधानाचार्य, शान्ति निकेतन इण्टर, कॉलेज, पचोखरा, मीरजापुर, नमामि गंगे,जिला गंगा संरक्षण समिति एवं जिला पर्यावरणीय समिति सदस्य, मीरजापुर, ब्रांड अ बेस्डर तथा ध्वजारोहक स्व'छता, नगरपालिका परिषद, मीरजापुर द्वारा 01 जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे पौध रोपण के ×888 वें दिन के क्रम में ग्रीन गुरु जी ने अपनी शादी की 27 वीं सालगिरह के अवसर पर शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज,पचोखरा,मीरज़ापुर के परिसर में हाइब्रिड टी. गुलाब के पौध का रोपण किया। इस अवसर पर ग्रीन गुरु जी ने अडाणी फाउंडेशन के दिनेश प्रताप सिंह,पवन कुमार सिंह व उनके साथ एक अन्य को पौध सप्रेम भेंट करते हुए, बतलाया कि लगातार प्रतिदिन जगह-जगह पौध रोपण का उद्देश्य हरा-भरा रहे धरा, पर्यावरण शुद्ध रहे,लोगों में पौध रोपण व संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है।

संक्षिप्त खबरें

मानदेय बढ़ोतरी की घोषणा से शिक्षा मित्रों में हर्ष

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने विधानसभा सदन में शिक्षा मित्रों को बड़ी सौगात देते हुए उनका मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की है। सरकार के इस फैसले के बाद शिक्षा मित्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग कर रहे शिक्षा मित्रों ने इसे अपने संघर्ष और धैर्य का सकारात्मक परिणाम बताया है। आठ हजार रुपये की सीधी बढ़ोतरी से हजारों परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। आदर्श शिक्षक-शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हेमंत शुक्ला ने मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम शिक्षा मित्रों के सम्मान और आत्मविश्वास को मजबूत करेगा। वहीं महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष साधना श्रीवास्तव ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि इससे महिला शिक्षा मित्रों को विशेष राहत मिलेगी और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

बोर्ड परीक्षा में सोशल साइंस व कृषि विज्ञान का पेपर शांतिपूर्ण सम्पन्न

ललितपुर। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को आयोजित परीक्षाएं जिले में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित माहौल में सम्पन्न हुईं। प्रशासन और शिक्षा विभाग की कड़ी निगरानी में परीक्षा केन्द्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक रहीं। हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान परीक्षा में कुल 19,700 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 18,770 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 930 अनुपस्थित रहे। संस्थागत श्रेणी में 19,588 पंजीकृत में से 18,672 उपस्थित और 916 अनुपस्थित रहे। वहीं व्यक्तिगत श्रेणी में 112 पंजीकृत में से 98 उपस्थित तथा 14 अनुपस्थित दर्ज किए गए। इधर इंटरमीडिएट कृषि विज्ञान परीक्षा में कुल 374 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 371 परीक्षार्थी उपस्थित हुए और मात्र 3 अनुपस्थित रहे। संस्थागत श्रेणी में 373 में से 370 उपस्थित और 3 अनुपस्थित रहे, जबकि व्यक्तिगत श्रेणी का एकमात्र परीक्षार्थी उपस्थित रहा। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की नकल या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। केंद्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं उड़नदस्तों द्वारा लगातार निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि आगामी परीक्षाएं भी इसी तरह कड़ी निगरानी में सम्पन्न कराई

ललितपुर में बारातियों और मोहल्लेवासियों में मारपीट, तीन युवक घायल

ललितपुर। गुरुवार रात सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पिसनारी बाग में बारातियों और स्थानीय लोगों के बीच जमकर मारपीट हो गई। विवाद घर के पास शराब पीने से मना करने पर शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में तीन युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बांसी कस्बे से एक बारात पिसनारी बाग स्थित विवाह घर में आई थी। रात करीब 11 बजे कुछ बाराती विवाह स्थल के पास मोहल्ले में शराब पी रहे थे। इस पर स्थानीय लोगों ने उन्हें मना किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मारपीट में घायल दो युवकों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस बारात पक्ष के दो युवकों को पूछताछ के लिए कोतवाली ले आई। बताया गया कि युवकों को छुड़ाने के लिए बारात में शामिल बीस से अधिक महिलाएं कोतवाली पहुंच गईं और करीब दो घंटे तक वहां मौजूद रहीं। इसी दौरान बारात घर से कोतवाली आ रहे बांसी निवासी बाराती आकाश शर्मा को रास्ते में कुछ युवकों ने रोककर फिर मारपीट कर दी, जिससे वह भी घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित आकाश शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

जमीन के विवाद में मारपीट, जान से मारने की धमकी

ललितपुर। जिले में जमीन के विवाद को लेकर मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने कई नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस्माइल खां पुत्र स्व. रहीस खां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 फरवरी 2026 को वह अपनी जमीन से संबंधित कार्य के सिलसिले में मौके पर मौजूद थे। इसी दौरान गांव/क्षेत्र के कुछ लोग वहां पहुंच गए और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसे चोटें आईं। बीच-बचाव करने आए परिजनों को भी आरोपियों ने धमकाया। घटना के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और अक्सर विवाद करते रहते हैं। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना संबंधित उपनिरीक्षक को सौंपी गई है।

परसपुर में शांति समिति की बैठक में बोले ASP- सौहार्द बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

परसपुर, गोण्डा। आगामी त्योहारों होली और रमजान (ईद-उल-फितर) को शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को थाना परसपुर परिसर में 'पीस कमेटी' की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों ने क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों और धर्मगुरुओं के साथ सीधा संवाद स्थापित किया।प्रशासनिक अधिकारियों ने परखीं तैयारियांबैठक की अध्यक्षता कर रहे अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) राधेश्याम राय ने कहा कि त्योहारों की पवित्रता बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था में खलल डालने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी कर्नलगंज अभिषेक दावाच्य और तहसीलदार कर्नलगंज ने शासन की ओर से जारी गाइडलाइन्स को विस्तार से साझा किया।

हिंदू-मुस्लिम धर्मगुरुओं ने पेश की एकता की मिसाल

बैठक में उपस्थित हिंदू और मुस्लिम समुदायों के धर्मगुरुओं, मौलवियों और संभ्रांत व्यक्तियों ने एक स्वर में प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे आगामी त्योहारों को पारंपरिक हर्षोल्लास और आपसी सहयोग से मनाएंगे। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से अपील की कि: सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह न फैलाएं। जुलूस और नमाज के दौरान निर्धारित मानकों और समय का पूर्ण पालन करें।किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल थानाध्यक्ष को दें।स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थितिबैठक में नगर पंचायत चेयरमैन वासुदेव सिंह सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार रखे। नवागत थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर है। प्रशासन ने साफ किया कि मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी और गश्त बढ़ाई जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर नकली उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध दर्ज हुई एफआईआर

●जनपद में यदि कोई भी नकली उर्वरक व फसल कीटनाशक दवाओं की बिकी करते पाया गया तो होगा मुकदमा दर्ज

जिला प्रशासन किसानों के हितों की रक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। किसानों के हितों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध जिला प्रशासन ने नकली उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्यवाही का स्पष्ट संदेश दिया है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित अपनी नियमित जनसुनवाई के दौरान कुछ किसानों द्वारा शिकायत प्राप्त हुई कि महरौनी क्षेत्र के एक खाद विक्रेता से खरीदी गई डीएपी उर्वरक के प्रयोग के उपरान्त उनकी फसल कुछ ही समय में पीली पड़कर सूखने लगी। किसानों ने आशंका व्यक्त की कि उन्हें अमानक अथवा नकली उर्वरक बेचा गया है, जिससे उनकी मेहनत और लागत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल उप जिलाधिकारी महरौनी एवं जिला कृषि अधिकारी राजीव भारती को मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिये, जांच के दौरान सम्बंधित खेत में फसल पीली पड़ने की स्थिति पायी गई तथा प्रथम दृष्टया फसल पर नकली अथवा अमानक उर्वरक के दुष्प्रभाव के संकेत मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा एक जांच समिति गठित की गई, समिति द्वारा सम्बंधित विक्रेता के यहां उपलब्ध उर्वरक के नमूने विधिवत अधिग्रहीत कर अधिकृत रूप से परीक्षण हेतु लखनऊ स्थित प्रयोगशाला को भेजे गए, प्राप्त परीक्षण रिपोर्ट में नमूना अमानक पाया गया, जिससे किसानों की शिकायत सही सिद्ध हुई। तत्पश्चात जिलाधिकारी के निर्देश पर सम्बंधित खाद विक्रेता मे0 देवता ट्रेडर्स के विरुद्ध थाना महरौनी में एफआईआर दर्ज करायी गई तथा विधिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने स्पष्ट कहा है कि जनपद में यदि कोई भी विक्रेता नकली अथवा अमानक उर्वरक एवं फसल कीटनाशक दवाओं की बिक्री करते हुए पाया गया तो उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे तत्वों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि इसके लिए सम्बंधित अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई है, जो जनपद में उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रेताओं की नियमित निगरानी कर रही है, आवश्यकता पड़ने पर औचक निरीक्षण, नमूना परीक्षण एवं लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कार्यवाही भी की जाएगी। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि उर्वरक एवं कीटनाशक दवाएं केवल अधिकृत एवं पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें तथा खरीद की रसीद अवश्य प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तत्काल जिला प्रशासन या कृषि विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्यवाही की जा सके। उन्होंने फिर से दोहराया कि जिला प्रशासन किसानों के हितों की रक्षा हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इस प्रकार की शिकायतों पर त्वरित एवं सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

उप्र बोर्ड परीक्षा में प्रशासन सख्त, महरौनी में नकल विहीन व्यवस्था के कड़े इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के तृतीय दिवस महरौनी तहसील क्षेत्र में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी और पारदर्शिता को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए, जिससे छात्र-छात्राएं निर्भीक होकर परीक्षा देने पहुंचे। सुबह से ही केंद्रों के बाहर पुलिस बल की तैनाती रही। प्रवेश द्वार पर सघन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर जाने दिया गया। प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र की बारीकी से जांच की गई, जबकि मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहा, अभिभावकों की भीड़ एवं वाहन पार्किंग को नियंत्रित करने के लिए केंद्रों के बाहर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी।

उपजिलाधिकारी रजनीश बाजपेई एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी रक्षपाल सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्र व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि परीक्षा पूर्णतः नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाए। प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, वॉइस रिकॉर्डर तथा स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती से परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित की गई। परीक्षा प्रारंभ होने से आधा घंटा पूर्व ही परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश दे दिया गया था। राजकीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों में शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न हुई। केंद्र व्यवस्थापकों के अनुसार सभी कक्षों में पर्याप्त प्रकाश, पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित साधनों के प्रयोग की सूचना नहीं मिली। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परीक्षा अवधि के दौरान निरंतर निगरानी जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं छात्र-छात्राओं ने सख्ती के बीच आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी और पारदर्शी व्यवस्था को मेधावी विद्यार्थियों के हित में बताया। इस प्रकार महरौनी क्षेत्र में यूपी बोर्ड परीक्षा का शुभारंभ शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं नकलविहीन वातावरण में हुआ, जिससे अभिभावकों और शिक्षकों ने संतोष व्यक्त किया।

घर से बुलाकर ले गए युवक का शव नदी में मिला, हत्या की आशंका

●मां की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

गले पर निशान और नाक से खून मिलने से बढ़ा संदेह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक को घर से बुलाकर ले जाने के बाद उसका शव नदी में मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए पुलिस से नामजद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मीपुरा निवासी शीला पत्नी स्व.मानसिंह ने चौकी प्रभारी घंटाघर को दी तहरीर में बताया कि 19 फरवरी 2026 की रात करीब 10 बजे उनके छोटे पुत्र संदीप को शहर के ही कुछ युवक घर से बुलाकर ले गए। उस समय घर के बाहर दो अन्य अज्ञात लोग भी खड़े थे, जिन्हें प्रार्थिनी चेहरे से पहचानती हैं। तहरीर के अनुसार, जब शीला ने पूछा कि संदीप को कहां ले जा रहे हो तो आरोपियों ने कहा कि कुछ बात करनी है, अभी आ जाएगा। लेकिन देर रात तक संदीप घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू की गई, मगर उसका कोई पता नहीं चला। बताया गया कि संदीप मोबाइल फोन भी अपने पास नहीं रखता था, जिससे संपर्क नहीं हो सका। पीड़िता के अनुसार, 20 फरवरी 2026 की सुबह करीब 8 बजे सूचना मिली कि संदीप का शव शहजाद नदी में डोंड़ाघाट के पास पड़ा है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान संदीप के रूप में की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया। परिजनों का कहना है कि शव की नाक से खून निकल रहा था और गले पर निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक की मां शीला ने पुलिस से प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर नामजद आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

युवक से मारपीट, तीन नामजद समेत अन्य पर केस दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में एक महाविद्यालय के बाहर एक युवक के साथ गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला चौकाबाग निवासी संदीप यादव पुत्र पप्पू यादव ने कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 फरवरी 2026 को वह अपने कॉलेज नेमवि गया हुआ था। इसी दौरान चौकाबाग निवासी व्यक्ति राजा, निवासी रवि कुशवाहा और आजाद चौक निवासी प्रिंस सरदार उर्फ पतलू अपने अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे और बिना किसी बात के उसे मां-बहन की भद्दी गालियां देने लगे। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे उसके मित्र केशव कुशवाहा को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा और उसके साथ भी मारपीट की गई। घटना में दोनों को शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और उन्होंने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि यदि कहीं शिकायत की तो अंजाम बुरा होगा।

वनवासी समाज का विकास ही हमारा लक्ष्य : के.एल. भाटिया

●वनवासी छात्रावास में मां शबरी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। सेवा समर्पण संस्थान द्वारा संचालित वनवासी छात्रावास, टेकरी में मां शबरी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम विधिवत रूप से संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वनवासी समाज के लोग व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंदिर के निर्माता कुंदन लाल भाटिया, अध्यक्ष फ्रंटियर ग्रुप ने परिवार सहित पूजा-अर्चना की। पूर्णाहुति के साथ समस्त धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके उपरांत छात्रावास परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष रामचरण शहरिया ने की।

मुख्य अतिथि कुंदन लाल भाटिया ने कहा कि वर्तमान में वनवासी समाज सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से सबसे पिछड़े पायदान पर खड़ा है। इसके समग्र विकास के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि वनवासी समाज को मुख्यधारा में लाना ही हमारा लक्ष्य है। विशिष्ट अतिथि मण्डल रेल प्रबंधक अनुरुद्ध उपाध्याय ने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए वनवासी समाज के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद जी ने सेवा समर्पण संस्थान द्वारा देशभर में संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। सीए राजनारायण तिवारी ने मां शबरी छात्रावास की स्थापना से लेकर मंदिर निर्माण तक के संघर्षपूर्ण सफर पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। विजय बाबा कबूतरा ने मां शबरी पर भक्ति गीत प्रस्तुत किया। नगर एवं जिला समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का अंगवस्त्र, माला व तिलक लगाकर स्वागत-सम्मान किया। छात्रावास के छात्रों की टोली ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वनवासी समाज के विशिष्ट योगदान देने वाले पुजारी, वैद्य, माताओं व अन्य समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में सलिल नेमानी, अनिल नेमानी, आर.के. शुक्ला, अजय शंकर दीक्षित, विवेक शुक्ला, मधुमति शुक्ला, मनोज तिवारी, सतेंद्र मिश्रा, लक्ष्मी शंकर गोस्वामी, रामगोपाल गोस्वामी, जी.एस. परिहार, डॉ. विशाल पाठक, रवि बिलगैयां, हाकिम सिंह, रमेश दुबे, काशीनाथ नायक, सुबोध गोस्वामी, डॉ. जगबीर सिंह, राजेंद्र शर्मा, पवन कौशिक, डॉ. हरिश्चंद्र झा, एम.पी. दीक्षित, विक्रांत गौर, देशराज शहरिया, मदन शहरिया, बृजेंद्र सोनी, अतुल सोनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कपिल मिश्रा, नरेंद्र सिंह बुंदेला व महेश रिछारिया ने संयुक्त रूप से किया। अंत में रामचरण सहरिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिजली बिल जांच टीम पर हमला

●कनेक्शन काटने पर बवाल, नामजद सहित कई पर केस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। महरौनी थाना क्षेत्र के ग्राम भौरदा में बिजली विभाग की टीम पर हमला और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। विभागीय कर्मचारी की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विद्युत विभाग में अवर अभियंता के पद पर तैनात आयुष कुमार पुत्र मोहनदास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शासन की महत्वाकांक्षी बिजली बिल राहत योजना 2025-26 के अंतर्गत पंजीकरण और राजस्व वसूली के लिए अपनी संविदा टीम के साथ ग्राम भौरदा गया था। आरोप है कि टीम ने उपभोक्ता अरविंद उर्फ बड़े रज्जू पुत्र भगवानी लखन से बिल संबंधी अभिलेख मांगे, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर लाइनमैन द्वारा अस्थायी रूप से विद्युत संयोजन काट दिया गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी और उसके 3-4 साथियों ने टीम के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने जूते-चप्पलों से हमला करते हुए सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई, संविदा कर्मी का मोबाइल तोड़ दिया और टीम की बाइक (नंबर यू.पी.94 एन 5376) में भी तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए सरकारी प्रपत्र भी छीनकर फाड़ दिए। स्थिति बिगड़ने पर टीम को मौके से जान बचाकर भागना पड़ा। महरौनी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3), 131, 132 और 324(4) के तहत एफआईआर संख्या 0067/2026 दर्ज कर ली है। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक साबिर अली को सौंपी गई है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत दो दिवसीय किसान मेला का हुआ शुभारम्भ

●जिलाधिकारी ने किसानों को किया संबोधित, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में करें वृद्धि

जब अन्नदाता समृद्ध होगा, तभी देश समृद्ध होगाः जिलाधिकारी सत्य प्रकाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत मा0 कल्याण सिंह सभागार रामनगर ललितपुर में दो दिवसीय किसान मेला का शुभारम्भ जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन एवं श्रम सेवायोजन राज्यमंत्री प्रतिनिधि चन्द्रशेखर पंथ द्वारा सरस्वती माँ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया। मेला में जनपद के कृषि सहयोगी विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों, पी0एम0एफ0एम0ई0 योजना के लाभार्थियों द्वारा स्टॉल लगाये गये। स्टॉलों का निरीक्षण जिलाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, राज्यमंत्री प्रतिनिधि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। स्टॉलों के माध्यम से किसानों को विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई। सर्वप्रथम जिला उद्यान अधिकारी राजेन्द्र कुमार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथिगणों एवं कृषकों का अभिवादन व्यक्त करते हुये उद्यान विभाग में संचालित सभी योजनाओं को विस्तार से बताया एवं आवेदन प्रक्रिया एवं पात्रता पर विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग की फ्लैगषिप योजना माइक्रो इरीगेशन योजनान्तर्गत जनपद में 4 हजार से अधिक कृषकों को लाभान्वित किया गया है जनपद में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से 388 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की गयी है एवं बागवानी योजना से 70 हे0 में नये बागों का रोपण किया गया है।

जिलाधिकारी कार्यक्रम में अपने संबोधन में उपस्थित समस्त कृषकों का अभिवादन करते हुए कृषकों को परम्परागत खेती के साथ-साथ औद्यानिक फसलें जैसे-बाग लगाना, सब्जी, मिर्च, हल्दी, धनिया आदि की खेती एक छोटे से खेत से शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि सरकार सभी औद्यानिक फसलों की खेती हेतु प्रोत्साहन के रूप में बीज, पौधे, खाद, दवाई एवं पोषक तत्व निशुल्क उपलब्ध कराती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वह सरकार द्वारा संचालित अनेकों किसान हितार्थ का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि जब अन्नदाता समृद्ध होगा तभी देश समृद्ध होगा। आपकी समृद्धि के लिए सरकार द्वारा अनेकों कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं, जिसका आवेदन अपने नजदीकी जन सेवा केन्द्र से कराकर उनका भरपूर लाभ उठाएं। इसके लिए उन्होंने मौके पर ही जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि वह अपनी सभी विभागीय योजनाओं से किसानों को अवगत कराएं और उसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं ताकि सभी किसानों को योजनाओं के बारे में जानकारी हो सके। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 दिनेश कुमार तिवारी द्वारा कृषकों को सूक्ष्म सिंचाई पद्धति की खूबियों को गिनाया उन्होने कहा कि यदि कृशक सूक्ष्म सिंचाई पद्धति अपनाता है तो उसे सामान्य की अपेक्षा 50 से 60 प्रतिषत तक पानी की बचत होती है एवं उत्पादन में वृद्धि होती है और किसान को अलग से कोई खाद, दवाई, पोशक तत्व डालने की जरूरत नहीं होती है सिंचाई पद्धति की मुख्य यूनिट में एक बैन्चुरी सिस्टम लगा होता है जिसे खाद दवाई या पोशक तत्व के घोल बाली बाल्टी में डालते है तो उस पानी के साथ पौधों की जड़ो में पहुँचा देती है।

नेहरू महाविद्यालय के उद्यान विज्ञान के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत मिश्रा द्वारा कृशकों को बागवानी करने हेतु प्रेरित किया गया तथा बागवानी से होने वाले लाभों की जानकारी दी गयी और नेहरू महाविद्यालय परिसर में उनके द्वारा विकसित आंवला के बाग एवं संचालित औद्यानिक गतिविधियों को देखने और उनसे प्रेरणा लेने हेतु कृशकों को आमंत्रित किया। नेहरू महाविद्यालय के कृशि/मृदा संकाय के प्रवक्ता एच0सी0 दीक्षित द्वारा कृशकों को फसल कटाई के बाद फसल अवशेषों को खेत में जलाने से होने वाले नुकसानों को बताया और फसल अवषेश प्रबंधन करने हेतु कृशकों को जागरूक किया।

नेहरू महाविद्यालय के सस्य विज्ञान के प्रवक्ता अवनीस कुमार त्रिपाठी द्वारा सिंचाई पद्धतियों को वर्णन करते हुये बताया कि बुन्देलखण्ड में ज्यादातर किसानों के पास छोटे-छोटे टुकड़ों में एक ही गॉव में कई जगहो पर भूमि होती है ऐसी स्थिति में किसान हर खेत पर सूक्ष्म सिंचाई की स्थापना नहीं करा सकता इसलिए सरकार द्वारा सामूहित सिंचाई पद्धति को चलाया जा रहा है जिसे वैज्ञानिक भाषा में सच्चाई पद्धति कहते है जिसमें 10 हेक्टेयर से 25 हेक्टेयर तक के किसान एक समूह बनाकर पोविट सिंचाई पद्धति की स्थापना कराते है जिसमें एक ही साथ पूरा रकबा सिंचित होता है। उद्यान विभाग द्वारा इस सिंचाई पद्धति हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन द्वारा उद्यान विभाग की योजनाओं की सराहना करते हुये कहा कि सरकार द्वारा उद्यान विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, दुग्ध विभाग, पशुपालन विभाग आदि के माध्यम से बहुत सारी किसानोन्मुखी योजनायें संचालित है। जो जनपद के किसानों को समृद्धषाली बनाने में अहम भूमिका निभा रही है तथा किसानों की आय बढ़ाने में मददगार साबित हो रही है। राज्यमंत्री के प्रतिनिधि चन्द्रषेखर पंथ द्वारा किसानों को समझाया गया कि यदि आपके पास 5 एकड़ भूमि है तो आप 1 एकड़ भूमि पर कोई एक औद्यानिक फसल जैसे-बगीचा या षाक सब्जी की खेती करें और षेश रकवा में परम्परागत खेती करने पर आपको एक एकड़ औद्यानिक खेती से 4 एकड़ परम्परागत खेती की तुलना में 5 से 6 गुना अधिक मुनाफा होगा और आप स्वयं की अपनी पूरी भूमि पर औद्यानिक खेती करने लगेंगे। साथ ही कीटनाशक रहित खेती करने, मिट्टी का कटाव रोकने हेतु पेड़ लगाने एवं फसल अवषेश को जलाने के जगह उन्हें जीवामृत का प्रयोग कर खाद बनाकर उपयोग करने की सलाह दी। उन्होने खेती के साथ-साथ गाय पालन की सलाह दी और गौ आधारित खेती के लाभों की जानकारी दी।

कृषक तिलक राम कौशिक द्वारा औद्यानिक खेती में अपना अनुभव किसानों के साझा किया और विभागीय योजनाओं के माध्यम से अनुदान प्राप्त कर आधुनिक/वैज्ञानिक तरीके से जैविक खेती करने हेतु किसानों से आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन लोक सागर सोसायटी के दल नेता शैलेन्द्र सागर ने किया। अंत में जिला उद्यान अधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी गणों/जनप्रतिनिधि एवं कृषकों का धन्यवाद किया इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी सत्यप्रकाश, राज्य मंत्री प्रतिनिधि चन्द्रशेखर पंथ, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश निरंजन, जिला सूचना अधिकारी, वैज्ञानिक दिनेश कुमार तिवारी, जिला कृषि अधिकारी, ने0मा0वि0 के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत मिश्रा, डॉ0 एच0सी0 दीक्षित, डॉ अवनीश कुमार, डॉ0 पंकज कुमार शर्मा, उद्यान निरीक्षक रंजीत कुमार एवं जनपद के कृषक गण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सलिल विश्नोई ने जिला महिला चिकित्सालय में एनआईसीयू को कार्यान्वित करने की मांग उठाई

कानपुर। एमएलसी व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा सलिल विश्नोई ने आज सदन में कानपुर के जिला महिला चिकित्सालय में नवजात बच्चों के लिए एनआईसीयू को कार्यान्वित करने की मांग उठाई। विधायक सलिल विश्नोई ने कहा कि मैं सदन के माध्यम से जनपद - कानपुर नगर की आर्यनगर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत एकमात्र महिला जिला चिकित्सालय (एन.एच.एम) में नवजात बच्चों की देखभाल हेतु एन.आई.सी. यू केन्द्र को कार्यान्वित किये जाने की ओर शासन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ, उक्त अस्पताल में एनआईसीयू केन्द्र कार्यान्वित नही होने के कारण नवजात शिशुओं को जान का खतरा सदैव बना रहता है ।

उन्होंने कहा कि सिजेरियन आपरेशन से पैदा होने वाले नवजात शिशुओं को प्रायः एनआईसीयू की तुरन्त आवश्यकता होती हैं। उक्त चिकित्सालय में एनआईसीयू केन्द्र कार्यान्वित नहीं होने के कारण नवजात बच्चों के परिजनों को अन्य चिकित्सालयों में भटकना पड़ता है। उन्होंने कहा कि उक्त चिकित्सालय में रात्रि पहर में चिकित्सकों की कमी होने कारण प्रसव हेतु स्थानीय महिलाओं को अन्य दूसरे चिकित्सालयों में जाना पड़ता है। उक्त चिकित्सालय में एन.आई.सी.यू केन्द्र में चिकित्सकों की कमी होने के कारण स्थानीय लोगों में असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

सीबीएसई बोर्ड की 12वीं का फिजिक्स की परीक्षा संपन्न

प्रतापगढ़। सीबीएसई बोर्ड की तरफ से शुक्रवार को 12वीं फिजिक्स की परीक्षा प्रतापगढ़ के सात परीक्षा केंद्रों न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आत्रेय एकेडमी, संस्कार ग्लोबल स्कूल, डॉल्फिन पब्लिक स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, जे एम जी पब्लिक स्कूल कालाकांकर तथा आइंस्टीन पब्लिक स्कूल लालगंज में सुबह 10 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें जिले के 2731 परीक्षार्थियों का रजिस्टर्ड था उनमें से 2688 ने अपनी उपस्थिति दर्ज की तथा।43 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।सभी केंद्रों पर परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई।सिटी कोआर्डिनेटर बीके सोनी,प्रधानाचार्य न्यू एंजिल्स सी0से0 स्कूल ने बताया कि सीबीएसई 12वीं फिजिक्स की परीक्षा का पूरा पेपर कुल 70 अंकों का था। न्यू एंजिल्स की प्रबन्धक डॉ. शाहिदा ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10 वीं की परीक्षा 7 मार्च और कक्षा 12वीं की परीक्षा 9 अप्रैल को समाप्त होगी। सीबीएसई कक्षा 12 वीं की अगली परीक्षा अकाउंटेंसी 24 फरवरी को होगी।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में कम प्रगति पर सीडीओ ने लगायी फटकार

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा की गयी, जिसमें कम प्रगति पर गहरा रोष व्यक्त किया गया तथा बैंक ऑफ बडौदा-25, बैंक ऑफ इण्डिया-10, केनरा बैंक-06, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया-06, एचडीएफसी बैंक-15, इण्डियन बैंक-03, पंजाब नेशनल बैंक-20, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया-25, यूको बैंक-10, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया-05, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक-25 स्वीकृत/वितरण का लक्ष्य 25 फरवरी तक पूर्ति हेतु निर्धारित किया गया। साथ ही बैठक में अनुपस्थित रहे बैंक ऑफ महाराष्ट्रा के जिला समन्वयक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपस्थित सभी बैंक समन्वयकों को इस माह के समाप्ति में अल्प दिवसों के दृष्टिगत विशेष अभियान के माध्यम से लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये। बैठक में अग्रणी बैंक प्रबन्धक सभी बैंक जिला समन्वयक उपस्थित रहें। बैंठक का संचालन उपायुक्त उद्योग साहब सरन द्वारा किया गया।

जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक के संयुक्त तत्वावधान में एसबीआई कोर्ट एरिया बैंक के हाल में मेगा क्रेडिट कैम्प (ऋण वितरण शिविर) का आयोजन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिला प्रशासन एवं जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक के संयुक्त तत्वावधान में एसबीआई कोर्ट एरिया बैंक के हाल में मेगा क्रेडिट कैम्प (ऋण वितरण शिविर) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रजज्वलन कर किया गया। ऋण वितरण शिविर का मुख्य उद्देश्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमियों को स्वरोजगार के लिए अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को ऋण उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि हरैंया सरोज मिश्र, कप्तानगंज के गुलाब चन्द्र सोनकर, सदर के मो. सलीम, रूधौली के कुलदीप मौर्या ने पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत पत्र तथा डेमो चेक प्रदान किया। लीड बैंक प्रबंधक आर.एन. मौर्या ने बताया कि शासन की मंशानुरूप जनपद में मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया है। बैंको के प्रभारी अधिकारी अपनी-अपनी शाखा के पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत पत्र एवं डेमो चेक जारी किए है, जिसका वितरण मा. जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में उनके कर कमलों से वितरित कराया जा रहा है। कार्यक्रम में विधायक हरैंया के प्रतिनिधि ने कहा कि सरकार युवा उद्यमियों तथा स्वरोजगार के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रत्येक पात्र व्यक्ति के लिए संवेदनशील है। उनको स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराये जाने हेतु निरन्तर अभियान चलाया जा रहा है। मेरी शुभकामना है कि ऋण स्वीकृति पत्र प्राप्त करने वाले प्रत्येक उद्यमी अपना स्वरोजगार स्थापित कर अपनी प्रगति करें तथा अपना भविष्य उज्जवल बनायें। कप्तानगंज प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर ने कहा कि लाभार्थीगण स्वरोजगार से अपना व अपने परिवार के साथ ही विकास कर देश की अर्थ व्यवस्था में अपना बेहतर योगदान दे सकते है। सरकार योजनाओं को संचालित कर लोगों का रोजगार की स्थापना में सहयोग कर रही है। सदर प्रतिनिधि ने भी अपना विचार व्यक्त किया। उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने बताया कि मेगा ऋण कैम्प में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत बैंको द्वारा 150 ऋण आवेदनो पर स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही की गयी। यूपीनेडा विभाग द्वारा संचालित पी0एम0 सूर्यघर योजनान्तर्गत 15 आवेदन पत्रों पर ऋण स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही की गयी है एवं 537 आवेदन पत्र ऋण स्वीकति एवं वितरण हेतु बैंक स्तर पर विचाराधीन है।

कार्यक्रम का संचालन भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी ने किया। इस अवसर पर आनन्द चौधरी, निधि, पूॅजा यादव, सुरेन्द्र चौहान, शोभा यादव, मु. तौफिक, दयाराम, दिलीप यादव, रामअनुज, संजय कुमार सहित अन्य पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र/डेमो चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम में आरसेटी के निदेशक मृत्युंज मिश्र सहित विभिन्न बैंको के प्रभारी अधिकारी व लाभार्थीगण उपस्थित रहें।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लम्बित आवेदनों का करायें निस्तारण-सीडीओ

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्रम रोगार परियोजना अधिकारी नेडा सन्तोष कुमार सिंह, जिला अग्रणी प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा एवं जनपद के समस्त बैंकों के शाखा प्रबन्धक आदि उपस्थित रहे। बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में बैकवार लम्बित पाये गये आवेदन पत्र क्रमशः बैंक आफ बडौदा में 151, बैंक आफ इण्डिया में 07, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में 29, केनरा बैंक में 12, सेन्ट्रल बैंक में 04, आई0डी0बी0आई बैंक में 01, इण्डियन बैंक में 03, पंजाब नेशनल बैंक में 18, स्टेट बैंक आफ इण्डिया में 205, यूको बैंक में 06, यूनियन बैंक आफ इण्डिया में 06 कुल 442 आवेदन पत्र लम्बित पाये गये। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला अग्रणी प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा एवं सम्बन्धित बैंक शाखा प्रबन्धक को 25 फरवरी तक लम्बित आवेदनों का नियमानुसार निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिये गये।

सिद्धार्थनगर में 15 दिन से लापता व्यक्ति की नहर के पास मिला कंकाल, आधार कार्ड से हुई पहचान, मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- जिले के त्रिलोकपुर थाना अंतर्गत चीताही नहर के पास शुक्रवार को एक लगभग (60)वर्षीय व्यक्ति का कंकाल मिला। सुबह नहर किनारे गए ग्रामीणों ने कंकाल और पास में पड़े कपड़े देखे, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर त्रिलोकपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। कंकाल के पास मिले कपड़ों की तलाशी में एक आधार कार्ड बरामद हुआ। बरामद आधार कार्ड से मृतक की पहचान डुमरियागंज थाना क्षेत्र के धनोरी गांव निवासी जवाहिर गौतम (60) के रूप में हुई। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि गुमशुदगी से लेकर कंकाल मिलने तक की सभी कड़ियों को जोड़ा जा सके और घटना की सच्चाई सामने आ सकेपरिजनों ने पुलिस को बताया कि जवाहिर गौतम 5 फरवरी को भड़रिया गांव में एक कार्यक्रम में बैंड-बाजा बजाने गए थे। इसके बाद से वह घर नहीं लौटे थे और उनकी काफी खोजबीन की गई थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला था। इस मामले में थानाध्यक्ष चंद्रकांत पाण्डेय का कहना है कि पुलिस कंकाल को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि मौत की परिस्थितियों का पता चल सके।

विधानसभा में युवाओं के लिए रोजगार को लेकर ठोस नीति बनाये जाने को लेकर मोना ने उठाया सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने शुक्रवार को विधानसभा में सरकार के समक्ष प्रदेश में बेरोजगारी के कारण युवाओं में अनिश्चितता को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने विधानसभा में कहा कि आउटसोर्सिंग नौकरी प्रदेश के युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ा धोखा है। उन्होंने सरकार से कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालय और डिग्री कालेज में जो पारम्परिक पाठ्यक्रम बीएससी, बीए, बीकॉम है, इसमें प्रतिवर्ष पचास लाख से ज्यादा छात्र पंजीकृत हुआ करते हैं। विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि हर साल लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रोजगार की तलाश में निकलते हैं।कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि आज प्रदेश का अधिकांश युवा संविदा और आउटसोर्सिंग आधारित नौकरी करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि इस नौकरी में वेतन आठ से दस या बारह हजार मात्र है। उन्होंने कहा कि चिंताजनक यह है कि पीएफ बहुत कम है अथवा है ही नहीं और दुर्घटना बीमा जैसी सुविधा की कोई व्यवस्था भी नहीं है।उन्होंने कहा कि सरकार की इच्छाशक्ति युवाओं को स्थायी नौकरी देने की न होना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सरकार से कहा कि वह युवाओं को स्थायी नौकरी और सम्मानजनक वेतन दिये जाने को लेकर ठोस नीति तैयार करें। वहीं सदन में बजट पर सरकार की घेराबंदी करते हुये सीएलपी नेता मोना ने कहा कि सरकार ने पिछले पांच माह पूर्व यह घोषणा की थी कि प्रदेश में आउटसोर्सिंग निगम बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी कहा था कि जैम पोर्टल से नियुक्ति के साथ न्यूनतम वेतन सोलह से बीस हजार होगा। उन्होंने कहा कि इस पर भी सरकार प्रगति नहीं बता पा रही है। वहीं मनरेगा को लेकर भी भाजपा सरकार की घेराबंदी करते हुए कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि इसे समाप्त करके ग्रामीण क्षेत्र के आम आदमी की आय की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी गयी है।कहा कि पहले मनरेगा में रोजगार मांगना कानूनी अधिकार था, अब इसे सीमित कर मात्र एक सौ पच्चीस दिन तय कर दिया गया है। उन्होंने यूपी में मनरेगा की मजदूरी की दैनिक मजदूरी को देश के कई अन्य राज्यों की तुलना में बहुत कम करार दिया।कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना के वक्तव्य की जानकारी यहां मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल के हवाले से जारी विज्ञप्ति में दी गयी है।

उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता और विद्युत विभाग के बीच बढ़ती दूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले में में बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार लगातार सुधार के दावे करती रही है। गांव-गांव तक बिजली पहुंचाने, 24 घंटे आपूर्ति और डिजिटल बिलिंग व्यवस्था को प्रशासनिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और कहानी कह रही है। प्रदेश के हजारों उपभोक्ता आज बिजली कटौती से कम और बिजली बिलों की अव्यवस्था से अधिक परेशान दिखाई दे रहे हैं।

शिकायतों का नया दौर — सप्लाई नहीं, सिस्टम पर सवाल

प्रदेश के अनेक जिलों से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं कि नियमित बिल जमा करने के बावजूद उपभोक्ताओं को अचानक भारी बकाया राशि के संदेश भेजे जा रहे हैं। कई मामलों में लाखों रुपये तक का बकाया दिखाया जा रहा है, जबकि उपभोक्ता के खाते में भुगतान का पूरा रिकॉर्ड मौजूद है। एक उपभोक्ता के मोबाइल पर 4,00,000 बकाया होने का संदेश पहुंचना केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। जब विभाग के पास अकाउंट नंबर, उपभोक्ता का पता और भुगतान इतिहास उपलब्ध है, तब ऐसी विसंगतियां आखिर कैसे उत्पन्न हो रही हैं – यह बड़ा प्रशासनिक प्रश्न बन चुका है।

डिजिटल व्यवस्था या डिजिटल अव्यवस्था

बिजली विभाग ने बिलिंग और वसूली को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया है, लेकिन–डेटा अपडेट में देरीपुराने बकाया का गलत समायोजनमीटर रीडिंग की त्रुटियांआउटसोर्स एजेंसियों की लापरवाहीइन कारणों से उपभोक्ताओं पर गलत बिलों का बोझ बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और गंभीर है, जहां उपभोक्ता ऑनलाइन सुधार की प्रक्रिया तक नहीं समझ पाते और महीनों कार्यालयों के चक्कर लगाते रहते हैं।

प्रशासनिक उपलब्धि बनाम जन असंतोष

बिजली आपूर्ति में भले सुधार हुआ हो, लेकिन उपभोक्ता संतुष्टि का स्तर गिरता दिख रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद समाधान की प्रक्रिया धीमी होने से जनता में नाराजगी बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते बिलिंग व्यवस्था पारदर्शी नहीं बनाई गई तो यह मुद्दा भविष्य में राजनीतिक असंतोष का कारण बन सकता है। फर्जी या त्रुटिपूर्ण बिल – सबसे बड़ी समस्या आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि:नियमित भुगतान करने वाला उपभोक्ता बकायेदार कैसे बन जाता है?बिना सत्यापन के भारी बकाया संदेश क्यों भेजे जाते हैं?शिकायत दर्ज होने के बाद भी सुधार में महीनों क्यों लगते हैं?यह केवल तकनीकी गलती नहीं, बल्कि जवाबदेही की कमी का संकेत माना जा रहा है। सरकार के लिए चेतावनी संकेत ऊर्जा क्षेत्र में सुधार केवल बिजली उत्पादन या सप्लाई बढ़ाने से पूरा नहीं होता। जब तक बिलिंग व्यवस्था भरोसेमंद नहीं होगी, तब तक जनता को राहत नहीं मिल सकती। प्रशासन को चाहिए कि फर्जी एवं त्रुटिपूर्ण बिलों की राज्यव्यापी जांच हो डिजिटल डेटा ऑडिट कराया जाए उपभोक्ता शिकायत निस्तारण की समयसीमा तय हो गलत बिल भेजने पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होबिजली केवल सुविधा नहीं, बल्कि आज के जीवन की मूल आवश्यकता है। यदि उपभोक्ता को हर महीने यह डर रहे कि पता नहीं अगला बिल कितना आएगा या अचानक वह बकायेदार घोषित कर दिया जाएगा, तो यह व्यवस्था पर विश्वास को कमजोर करता है। सरकार के लिए यह समय आत्ममंथन का है – क्योंकि बिजली की रोशनी तभी सार्थक है, जब व्यवस्था भी पारदर्शिता और भरोसे की रोशनी में काम करे।

गौहानी में वाटरशेड महोत्सव का किया गया आयोजन, विभागीय योजनाओं की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। वाटरशेड महोत्सव का आयोजन डब्लूडीसी-2 आसपुर देवसरा के ग्राम गौहानी में किया गया। महोत्सव में भूमि संरक्षण अधिकारी चमन सिंह द्वारा कृषकों को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी एवं पर्यावरण सेना के अजय क्रान्तिकारी द्वारा जल, जंगल, जमीन बचाओ, पर जागरुक करते हुये जल एवं वृक्षों के संरक्षण पर कृषकों को शपथ दिलाई गयी एवं पशु चिकित्सक आसपुर देवसरा लालजी यादव द्वारा पशु पालन विभाग में चल रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। महोत्सव में ग्राम प्रधान गौहानी गिरिजा देवी द्वारा गौहानी तालाब का लोकार्पण, पचौरी तालाब का भूमि पूजन एवं स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जल कलश यात्रा निकाली गयी। इसके बाद भूमि संरक्षण अधिकारी द्वारा कृषकों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

लंबे जाम का पर्याय बना कानपुर, सागर हाईवे पर 30 किलोमीटर तक 12 घंटे जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस प्रशासन के लाभ प्रयासों के बावजूद भीयहां जाम की समस्याहाल होने का नाम नहीं ले रही है। मतलब ऐसा कोई दिन खाली नहीं जाता जिस दिन किसी न किसी मार्ग पर घंटों जाम ना लगता हो।इसी जाम की वजह से पूर्व में अस्पताल पहुंचने के पहले ही मरीजों की मौत भी हो चुकी है। घंटों जाम की इस समस्या से कानपुर सागर हाईवे से गुजरने वाले लोगों को भी जूझना पड़ा। यहां पर 12 घंटे से भी ज्यादा समय तक 30 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। इस भीषण जाम में एंबुलेंस और स्कूली वाहन भी घंटों फंसे रहे। घंटों जाम लगने की यह नौबत तब आई जब बिधनू थाना क्षेत्र के रमईपुर चौराहे के पास देर रात दो ट्रक खराब हो गए। जिसके बाद से जाम लग गया। पुलिस के मुताबिक रात होने के कारण कुछ वाहन चालक सो गए। जिसके कारण हाईवे पर वाहनों की कतारें लगातार बढ़ती चली गईं। सुबह होते-होते यह जाम करीब 30 किलोमीटर लंबा हो गया। जिससे हजारों वाहन चालक और यात्री घंटों तक फंसे रहे। इनमें से कई मरीज भी फंसे हुए बताए गए। पुलिस के मुताबिक समाचार लिखे जाने तक खुलवाने में काफी हद तक सफलता मिल चुकी है। अगर उन क्षेत्रों में जाम की समस्या की बात करें टाट मिल ,रामादेवी चौराहा रावतपुर ,विजयनगर ,फजलगंज नौबस्ता यशोदा नगर में भी लोग जाम की समस्या से जूझते रहते हैं। कई जगह बनाए गये ट्रैफिक के कट भी जाम का कारण बनने से नहीं चुकते। कुल मिलाकर महानगर को लाख प्रयासों के बाद भी जाम

जनसुनवाई में दिखी प्रशासनिक संवेदनशीलता, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की सक्रियता, संवेदनशीलता और जवाबदेही का स्पष्ट संदेश देखने को मिला। जनसुनवाई के दौरान अदमापुर (सण्डवा चन्द्रिका) निवासी मीरा देवी पत्नी स्वर्गीय पूर्णवासी हरिजन ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि वह अत्यंत गरीब और भूमिहीन विधवा है। उसके चार छोटे-छोटे बच्चे हैं और परिवार के भरण-पोषण का कोई स्थायी साधन नहीं है। रहने के लिए पक्का मकान न होने के कारण वह एक छोटे से जर्जर छप्पर में बच्चों के साथ किसी तरह जीवन यापन कर रही हैं। मीरा देवी ने जिलाधिकारी से आवास एवं अन्त्योदय राशन कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि पात्रता की जांच कर शीघ्र उनका अन्त्योदय कार्ड बनवाया जाए ताकि उन्हें खाद्यान्न की नियमित सुविधा मिल सके। साथ ही खण्ड विकास अधिकारी सण्डवा चन्द्रिका को निर्देशित किया गया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न होकर वास्तविक समाधान के रूप में होना चाहिए। प्रत्येक प्रार्थना पत्र की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आवेदक को उसकी प्रगति से अवगत कराया जाए। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजन, वृद्धजन, विधवाओं एवं अन्य असहाय व्यक्तियों की शिकायतों का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए।

सिद्धार्थनगर में घायल संतोष के मौत के बाद कपिलवस्तु कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- जिले के कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के रामनगर निवासी नाजीर के पुत्र संतोष (30) की मौत के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। 14 फरवरीको लाठी डंडे से घायल हुए संतोष की 19 फरवरी को इलाज के दौरान मौत हो गई, लेकिन हत्या का मुकदमा 20 फरवरी को दर्ज हुआ।परिजनों का आरोप है कि समय रहते पुलिस कार्रवाई करती तो शायद संतोष की जान बच सकती थी।क्या केस दर्ज करने के लिए कोतवाली पुलिस संतोष की मौत की इंतजार कर रही थी? मृतक संतोष के पिता नाजिर ने बताया की 14 फरवरी को संतोष चिल्हिया से मछली बेचकर घर लौट रहा था। बजहा पुल के पास गांव के ही निवासी एक व्यक्ति से विवाद हुआ था। संतोष ने विरोध किया तो आरोपी ने लाठी से उसके सिर पर वार कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। इलाज के लिए स्वजन उसे माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर ले गए, जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुरके लिए रेफर कर दिया। घटना को लेकर पीड़ित परिवार ने बजहा चौकी में तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया।मामला टालमटोल होता रहा है, गुरुवार की देर शाम इलाज के दौरान बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में घायल संतोष की मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जब तक आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी, अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। स्वजनों और ग्रामीणों के विरोध के बाद 20 फरवरी को पुलिस ने हत्या समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया, लेकिन अब बड़ा सवाल यही है-17 फरवरी को तहरीर मिलने के बावजूद मुकदमा क्यों नहीं लिखा गया? पुलिस को नामजद आरोपियों की जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई में 4 दिन की देरी क्यों हुई? क्या पुलिस किसी दबाव में थी? इस मामले में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी का कहना है की केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है ।

रिजर्व पुलिस लाइन्स में एसपी ने ली साप्ताहिक परेड की सलामी

- व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स पहुंचकर साप्ताहिक परेड की सलामी ली और परेड का सूक्ष्म निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल को अनुशासन, तत्परता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने परेड की ड्रिल, अनुशासन, ड्रेस कोड और आपसी तालमेल की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने जवानों की प्रस्तुति पर संतोष जताते हुए आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश भी दिए। परेड के बाद पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित विभिन्न शाखाओं में शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन, कंट्रोल रूम और वर्दी स्टोर का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव तथा संसाधनों की उपलब्धता और स्थिति की समीक्षा की गई और संबंधित प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। एसपी ने डायल-112 के पीआरवी वाहनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों की साफ-सफाई, वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल सहित अन्य आपात कालीन उपकरणों की कार्यशीलता परखी। पीआरवी स्टाफ को आमजन के प्रति संवेदनशील, संयमित और सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए रिस्पॉन्स टाइम और बेहतर करने के सुझाव दिए। इसके उपरांत अर्दली रूम का आयोजन कर विभिन्न मदों के रजिस्टरों का अवलोकन किया गया। विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, शिकायतों और लंबित पत्रावलियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए एसपी ने त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित शाखा प्रभारियों को दिए। परेड में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनी गई और उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स सुनील भारद्वाज, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत ललितपुर पुलिस का जागरूकता अभियान

- महिलाओं को दी सुरक्षा संबंधी जानकारी
- बस अड्डों, बाजारों और स्कूलों में पहुंची टीमें
- हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग के लिए किया प्रेरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से जनपद में मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। अभियान के अंतर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र और एंटी रोमियो टीमों ने बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों तथा गांव-गांव जाकर महिलाओं व किशोरियों से संवाद किया। इस दौरान उन्हें आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीडन से बचाव, साइबर अपराध से सतर्क रहने के उपाय तथा कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीमों ने विशेष रूप से साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को सावधान किया कि साइबर ठग अक्सर डर और लालच का सहारा लेते हैं। ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी को साझा न करने की सख्त सलाह दी गई। अभियान के दौरान महिलाओं को आपात स्थिति में तुरंत सहायता पाने के लिए हेल्पलाइन नंबरों– 112 (आपातकालीन सेवा), 1090/1091 (महिला सुरक्षा हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) और 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन)–की जानकारी देकर इनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि छेड़छाड़, उत्पीडन या साइबर ठगी की किसी भी सूचना पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नारी सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि ललितपुर पुलिस का दृढ़ संकल्प है।

संक्षिप्त खबरें

वडोदरा और मुंबई के लिए और स्पेशल ट्रेनें चलाएगा रेलवे, 21 फरवरी से शुरू होगा संचालन

लखनऊ। रेलवे वडोदरा और मुंबई के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इन ट्रेनों के संचालन से होली के बाद वेटिंग लिस्ट से यात्रियों को राहत मिलेगी। 09111 स्पेशल 23 फरवरी से 23 मार्च तक प्रत्येक सोमवार को वडोदरा से शाम सात बजे चलकर अगले दिन लखनऊ से शाम 6:30 बजे होते हुए गोरखपुर रात 11:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में 09112 स्पेशल 25 फरवरी से 25 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को गोरखपुर से सुबह पांच बजे चलकर लखनऊ से 10:40 बजे होते हुए अगले दिन वडोदरा सुबह 8:35 बजे पहुंचेगी। इसी तरह 09195 स्पेशल 21 फरवरी से 28 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को वडोदरा से शाम सात बजे चलकर अगले दिन लखनऊ दोपहर 1: 20 बजे होते हुए मऊ रात 8: 45 बजे पहुंचेगी। वापसी में 09196 स्पेशल 22 फरवरी से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को मऊ से रात 11: 15 बजे चलकर लखनऊ से सुबह 5: 35 बजे होते हुए अगले दिन वडोदरा रात 12: 45 बजे पहुंचेगी। मुंबई के लिए भी रेलवे स्पेशल ट्रेन चलाएगा। 09189 स्पेशल 21 फरवरी से 28 मार्च तक मुंबई सेंट्रल से सुबह 10:55 बजे चलकर अगले दिन लखनऊ से दोपहर 1: 55 बजे होते हुए तीसरे दिन कटिहार सुबह 7:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में 09190 स्पेशल 24 फरवरी से 31 मार्च तक कटिहार से प्रत्येक मंगलवार रात 12: 15 बजे प्रस्थान कर लखनऊ से शाम 4: 35 बजे होते हुए मुंबई सेंट्रल अगले दिन शाम 6: 40 बजे पहुंचेगी।

दो मिनट का ठहराव मिला

रेलवे ने सीहोर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन 19489/19490 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस और 19091/19092 बांद्रा - गोरखपुर एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर दो मिनट का ठहराव देने का आदेश दिया है। यह ट्रेनें 22 फरवरी से सीहोर रुकेंगी। 'छ्रूके अर्दली ने पूछा, स्ष्ट कौन होता है', यूपी विधान परिषद में उठा अफसरों के फोन न उठाने का मुद्दा

'DM के अर्दली ने पूछा, MLC कौन होता है', यूपी विधान परिषद में उठा अफसरों के फोन न उठाने का मुद्दा

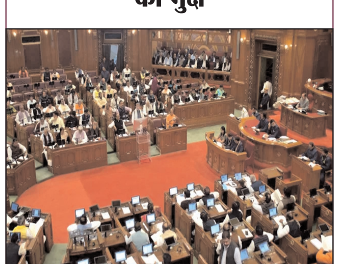

लखनऊ। विधानसभा के बाद शुक्रवार को विधान परिषद में भी अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों का फोन न उठाने और प्रोटोकॉल का पालन करने का मामला उठाया गया। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि उन्होंने बस्ती के डीएम को फोन लगाया तो उनके अर्दली ने उल्टे पूछ लिया,'एमएलसी कौन होता है'। सत्ता और विपक्ष, दोनों के सदस्यों ने उनका समर्थन किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वे संबंधित जिलों के डीएम से सीधे बात करेंगे। इस पर सभापति ने निर्देश दिए कि सभी जिलों के डीएम से इस विषय में बात कर स्थिति में सुधार लाया जाए। ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि डीएम सीयूजी नंबर खुद नहीं उठाते। उनके अर्दली फोन रिसीव करते हैं और जन प्रतिनिधियों के साथ बहस करते हैं। भाजपा के उमेश द्विवेदी ने कहा कि उन्होंने अपने जिले की डीएम को पांच महीनों में कई बार फोन किया, लेकिन हर बार यही जवाब मिला कि मैडम व्यस्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर अधिकारी इतने कहां व्यस्त हैं कि उनके पास जन प्रतिनिधियों से बात करने का समय नहीं है। भाजपा के सुरेंद्र चौधरी ने बिजली विभाग के एमडी के पीआरओ द्वारा एमडी बनकर बात करने का गंभीर आरोप लगाया। सपा सदस्य जासमीर अंसारी ने कहा कि अधिकारी जब सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों की नहीं सुन रहे और उन्हें धरने पर बैठना पड़ रहा है, तो विपक्ष की कौन सुनेगा।

विशेषाधिकार हनन का उठा मामला

निर्दल सदस्य आकाश अग्रवाल की ओर से आगरा में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा 18 फरवरी से आयोजित ताज महोत्सव के विज्ञापन में नाम न होने और निमंत्रण न मिलने पर विशेषाधिकार हनन की बात उठाई गई। इस मामले में सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए।

6 साल, 2.7 लाख महिलाएं-लड़कियां लापता, 50 हजार का सुराग नहीं... मध्य प्रदेश से आए हैरान करने वाले आंकड़े

● मध्य प्रदेश में पिछले 6 सालों में 2.7 लाख से अधिक महिलाएं और बालिकाएं लापता हुई हैं, जिनमें से 50,000 से ज्यादा का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है. इस गंभीर मुद्दे पर राज्य में राजनीतिक घमासान तेज है. कांग्रेस ने बच्चियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए SIT जांच की मांग की है. जबकि सरकार इसे राजनीतिक स्टंट बता रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्य प्रदेश में 6 साल में 2.70 लाख से ज्यादा महिलाएं-बालिकाएं लापता हुई हैं. इसमें से 50 हजार से ज्यादा का अबतक सुराग नहीं लगा है. इस गंभीर मुद्दे को लेकर राज्य में सियासत तेज है. कांग्रेस ने आशंका जताई है कि नाबालिग बच्चियों का इस्तेमाल एपस्टीन फाइल्स या उस तरह के कांड में तो नहीं किया गया? इसकी जांच के लिए एसआईटी गठित हो. वहीं, राज्य सरकार का कहना है कि सुर्खियों में आने के लिए कांग्रेस कुछ भी ना बोले।

दरअसल, प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के लापता होने के आंकड़ों को लेकर विधानसभा से सड़क तक राजनीति गर्म है. कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया के सवाल के लिखित जवाब में गृह विभाग ने साल 2020 से 28 जनवरी 2026 तक के आंकड़े पेश किए, जिनमें कुल 2 लाख 70 हजार 300 महिलाएं और बालिकाएं लापता दर्ज हुई हैं।

यानी कुल मिलाकर 50 हजार 170 महिलाएं और बालिकाएं ऐसी हैं, जिनका अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

साल-दर-साल बढ़ते मामले

» 2020 से 2025 के बीच हर साल मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

» 2024 में 50,798 मामले

» 2025 में 54,897 मामले

» 2026 में 28 जनवरी तक 4,197 मामले सामने आ चुके हैं।

भूरिया का आरोप

कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने इन आंकड़ों को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रदेश में महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर संवेदनशीलता नहीं दिखा रही. अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और बिगड़ सकती है. उन्होंने विशेष मॉनिटरिंग तंत्र और जिला स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग की. कांग्रेस विधायक ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स में नाबालिग बच्चियों का शोषण हुआ. यहां भी हज़ारों लड़कियों का कोई अता पता नहीं. इसके लिए सरकार को SIT गठित करने की ज़रूरत है।

सुर्खियों में आने के लिए कांग्रेस स्टंटबाजी कर रही

मंत्री विश्वास सारंग ने कांग्रेस के आरोप पर कहा, अखबारों और मीडिया चैनलों पर आने के लिए कांग्रेस स्टंटबाजी कर रही है. बच्चियों को ऑपरेशन मुस्कान के तहत सकुशल बरामद भी किया गया है. हमारा अभियान लगातार जारी है।

मध्य प्रदेश में 6 साल में 2.70 लाख से ज्यादा महिलाएं-बालिकाएं लापता हुई हैं.

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इसमें से 50 हजार से ज्यादा का अबतक सुराग नहीं लगा है. इस गंभीर मुद्दे को लेकर राज्य में सियासत तेज है. कांग्रेस ने आशंका जताई है कि नाबालिग बच्चियों का इस्तेमाल एपस्टीन फाइल्स या उस तरह के कांड में तो नहीं किया गया? इसकी जांच के लिए एसआईटी गठित हो. वहीं, राज्य सरकार का कहना है कि सुर्खियों में आने के लिए कांग्रेस कुछ भी ना बोले।

दरअसल, प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के लापता होने के आंकड़ों को लेकर विधानसभा से सड़क तक राजनीति गर्म है. कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया के सवाल के लिखित जवाब में गृह विभाग ने साल 2020 से 28 जनवरी 2026 तक के आंकड़े पेश किए, जिनमें कुल 2 लाख 70 हजार 300 महिलाएं और बालिकाएं लापता दर्ज हुई हैं।

यानी कुल मिलाकर 50 हजार 170 महिलाएं और बालिकाएं ऐसी हैं, जिनका अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

साल-दर-साल बढ़ते मामले

» 2020 से 2025 के बीच हर साल मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

» 2024 में 50,798 मामले

» 2025 में 54,897 मामले

» 2026 में 28 जनवरी तक 4,197 मामले सामने आ चुके हैं।

भूरिया का आरोप

कांग्रेस विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया ने इन आंकड़ों को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रदेश में महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर संवेदनशीलता नहीं दिखा रही. अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और बिगड़ सकती है. उन्होंने विशेष मॉनिटरिंग तंत्र और जिला स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग की. कांग्रेस विधायक ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स में नाबालिग बच्चियों का शोषण हुआ. यहां भी हज़ारों लड़कियों का कोई अता पता नहीं. इसके लिए सरकार को SIT गठित करने की ज़रूरत है।

सुर्खियों में आने के लिए कांग्रेस स्टंटबाजी कर रही

मंत्री विश्वास सारंग ने कांग्रेस के आरोप पर कहा, अखबारों और मीडिया चैनलों पर आने के लिए कांग्रेस स्टंटबाजी कर रही है. बच्चियों को ऑपरेशन मुस्कान के तहत सकुशल बरामद भी किया गया है. हमारा अभियान लगातार जारी है।

बटुकों के अपमान और 'यादव जी की लव स्टोरी' पर अखिलेश यादव ने बीजेपी का घेरा, पाठक-केशव पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने माघ मेले में बटुकों के अपमान पर डिप्टी सीएम पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, आखिर दोनों डिप्टी सीएम ऐसा करने वालों को सजा क्यों नहीं दिलवा पा रहे हैं. अखिलेश ने फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर कहा कि ये बीजेपी की लव स्टोरी है. माघ मेले में हुए बटुकों के अपमान पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है. रायबरेली पहुंचे अखिलेश ने कहा, डिप्टी सीएम ने कहा है कि जिन लोगों ने अपमान किया उनको पाप लगेगा. आखिर दोनों डिप्टी सीएम ऐसा करने वालों को सजा क्यों नहीं दिलवा पा रहे हैं. सीएम जापान चए जायेंगे तो क्या हमारे डिप्टी सीएम वहां धरना देंगे? अखिलेश यादव ने फ़िल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि यह बीजेपी की लव स्टोरी है. पहले ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के लिए फ़िल्म बनाई. उस फिल्म का हम नाम भी नहीं ले सकते. जो समाज ईमानदार है उसे फिल्म में क्या कहा जा रहा था?

'जापान जा रहे हैं तो क्योटो भी चले जाइएगा'

इस बयान के साथ ही अखिलेश यादव ने सीएम पर तंज कसते हुए एक पोस्ट में लिखा, जापान जा रहे हैं तो क्योटो भी चले जाइएगा, जिससे ये पता चल सके कि प्रधान-संसदीय क्षेत्र काशी, क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया या उसकी विरासत कैसे बिगड़ी. जापान से विरासतों को बचाने और शहरों को आगे बढ़ाने का सकारात्मक सबक लेते आइएगा.

'ये मुख्यमंत्री जी का मनसुख-पर्यटन है'

अखिलेश ने कहा, वैसे अब चला-चली की बेला में अपने अंतिम वर्ष में कौन सा तो येह्य जापान का अध्ययन कर लेंगे और क्या ही योजना बना पाएंगे. ये मुख्यमंत्री जी का मनसुख-पर्यटन है, अगर वो स्वीकार कर लें तो जाते-जाते कम-से-कम एक सच बोलने के लिए उन्हें लोग याद रखेंगे. वनस्पति के विशेष अध्ययन का व्यक्तिगत लाभ ही उठाएंगे या अपने क़रीबियों से भी साझा करेंगे.

लखनऊ में पॉलिटेक्निक के छात्रों को नहीं मिल रहा तकनीकी ज्ञान, बोले- बिना प्रैक्टिकल कैसे मिलेगी नौकरी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। तकनीकी शिक्षा को मजबूत बनाने के दावों के बीच राजकीय पॉलिटेक्निक, लखनऊ में पढ़ रहे दो वर्षीय पाठ्यक्रम डिप्लोमा इन मास कम्युनिकेशन के छात्र बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। छात्रों ने प्राविधिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को शिकायत पत्र भेजकर कॉलेज में मीडिया स्टूडियो, कंप्यूटर लैब, कैमरा और अन्य जरूरी उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बिना प्रैक्टिकल संसाधनों के कोर्स की पढ़ाई अधूरी रह जा रही है। छात्रों के मुताबिक, पत्रकारिता और मास कम्युनिकेशन जैसे व्यावहारिक विषय में पढ़ाई के दौरान कैमरा, एडिटिंग सिस्टम, कंप्यूटर लैब और स्टूडियो जैसी सुविधाएं बेहद जरूरी होती हैं, लेकिन संस्थान में इनका अभाव है। इससे उन्हें केवल सैद्धांतिक पढ़ाई तक सीमित रहना पड़ रहा है। विद्यार्थियों ने बताया कि प्रैक्टिकल ज्ञान न मिलने से उनकी प्रोफेशनल तैयारी कमजोर हो रही है। यदि समय रहते उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए तो उनके हाथ में डिप्लोमा तो होगा, लेकिन रोजगार पाने में कठिनाई आ सकती है। उनका कहना है कि मीडिया क्षेत्र में नौकरी के लिए प्रैक्टिकल स्किल सबसे महत्वपूर्ण होती है। छात्रों ने कोर्स की आवश्यकता के अनुरूप सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि उनकी पढ़ाई पूरी तरह व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख बन सके। एक तरफ पॉलिटेक्निक में प्रवेश बढ़ाने के लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग जागरूकता अभियान चला रहा है, लेकिन वहीं दूसरी ओर से प्रवेश लेने वाले छात्रों को कोर्स से संबंधित जरूरी उपकरण नहीं मिल पा रहा है। संस्थान के प्रिंसिपल एसएन सिंह ने बताया कि कई ऐसे कोर्स हैं, जिनका सिलेबस तेजी से बदलता रहता है। इसकी वजह से संसाधन उपलब्ध कराने में समय लगता है। मास मीडिया के नए सिलेबस के अनुसार संस्थान में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि छात्रों को अपडेटेड और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल सके।

[8:43 PM, 2/20/2026] स्वतंत्र प्रभात मीडिया: Assam से Amit Shah का बड़ा वादा, Congress राज के हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर भेजेंगे वापस

[8:43 PM, 2/20/2026] स्वतंत्र प्रभात मीडिया: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर सीमा सुरक्षा की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खुली सीमाओं के कारण असम में घुसपैठ हुई। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। असम के कछार जिले में एक जनसभा में बोलते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस राज्य में सार्थक विकास पहल शुरू करने में विफल रही, वहीं असम में अब बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, जहां प्रतिदिन लगभग 14 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो रहा है - जो देश में सबसे अधिक दरों में से एक है।

अज्ञात असामाजिक तत्वों ने दुकान में लगाई आग, 8-10 लाख का सामान जलकर खाक, थाने में दर्ज हुई शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल जयसिंहनगर/ग्राम पंचायत तेंदूडोलः गुरुवार रात ग्राम पंचायत तेंदूडोल में एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई है। दुकानदार कमलेश रैदास की दुकान को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाते हुए आग के हवाले कर दिया। इस घटना में पीड़ित दुकानदार को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। परिवार बहुत दुखी है और इस मामले में कमलेश ने सीधी थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

असामाजिक तत्वों ने दुकान में लगाई आग

जानकारी के अनुसार, घटना 19-20 तारीख की देर रात की है जब पूरा गांव सोया हुआ था। अज्ञात शरारती तत्वों ने दुकान में आग लगा दी। आग इतनी भीषण थी कि जब तक आसपास के लोगों को भनक लगती और उस पर काबू पाने की कोशिश की जाती, तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था।

पीड़ित ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

पीड़ित कमलेश ने बताया कि दुकान में रखे राशन के सामान, काउंटर और लाखों रुपये पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। प्रारंभिक

अनुमान के अनुसार, इस आगजनी में लगभग 8 से 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। यह कमलेश के परिवार की जीविका का मुख्य साधन था। पीड़ित कमलेश ने तेंदूडोल सरपंच सुरेश सिंह और जनपद सदस्य पंकज पनिका के साथ सीधी थाना में जाकर मामला दर्ज करवाया है।

दुकान में आगजनी की घटना से ग्रामीणों में रोष

इस घटना के बाद से ही ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि दोषियों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाया जाए। क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है, और मामले की जांच जारी है।

UGC (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के समर्थन में मे आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी का विशाल जनआंदोलन रैली एवं धरना-प्रदर्शन

● जिला प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन, आयोग को और अधिक सशक्त बनाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनेश चौधरी शहडोल

शहडोल। आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) शहडोल, भीम आर्मी तथा मूलनिवासी संघ के संयुक्त तत्वावधान में (ल्ष्ट) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के समर्थन में एक विशाल जनआंदोलन रैली एवं धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची, जहां शांतिपूर्ण ढंग से धरना-प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत प्रतिनिधिमंडल द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आयोग की स्वायत्तता बनाए रखने तथा उसे और अधिक अधिकार एवं संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की गई।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है। आयोग विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने, पाठ्यक्रमों के मानक निर्धारित करने, शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। उन्होंने कहा कि आयोग की भूमिका को कमजोर करना देश के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय होगा।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता, समान अवसर और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आयोग को सशक्त बनाना आवश्यक है। साथ ही उच्च शिक्षा में व्याप्त चुनौतियों के समाधान हेतु ठोस कदम उठाने और गरीब, वंचित एवं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करने की मांग की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख पदाधिकारी एक साथ उपस्थित रहे। इनमें कैलाश कुमार अहिरवार (जिलाध्यक्ष, आज़ाद समाज पार्टी शहडोल), अधिवक्ता कन्हैया लाल बौद्ध एवं राजू राय (जिला उपाध्यक्ष, आज़ाद समाज पार्टी शहडोल), सुनील रैदास (जिला मीडिया प्रभारी, आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) शहडोल), राजेश कुशवाहा (जिला संयोजक, भीम आर्मी), राजकुमार शाहू (प्रदेश सचिव, भीम आर्मी), राम सजीवन कोल (प्रदेश संगठन मंत्री, भीम आर्मी), गोलू बौद्ध (खंड संयोजक, जयसिंहनगर - भीम आर्मी) तथा बाबू बौद्ध (खंड सचिव, जयसिंहनगर - भीम आर्मी) प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अतिरिक्त आज़ाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष गेंद लाल साहू एवं कार्यकर्ता कामता प्रसाद सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर आंदोलन को समर्थन प्रदान किया। धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने शिक्षा की मजबूती और आयोग की स्वायत्तता के समर्थन में नारे लगाए। कार्यक्रम पूर्णतः शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशासनिक अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। अंत में प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि विद्यार्थियों और उच्च शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो भविष्य में व्यापक स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्ण वातावरण में किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मीराजपुर की अध्यक्षता में अपर पुलिस अधीक्षक / समस्त क्षेत्राधिकारी / समस्त थाना प्रभारी / समस्त शाखा व इकाई प्रभारी के साथ की गई गोष्ठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिनांक 20.02.2026 को समय 16.30 बजे से सभागार, रिजर्व पुलिस लाइन्स जनपद भदोही में पुलिस महानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मीराजपुर की अध्यक्षता में अपर पुलिस अधीक्षक / समस्त क्षेत्राधिकारी / समस्त थाना प्रभारी / समस्त शाखा व इकाई प्रभारी के साथ होली/रमजान माह आगामी त्यौहार, माध्यमिक शिक्षा परिषद के कक्षा 10 व 12 की परीक्षा के संबंध में अपराध/कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई। आगामी होली त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए बैठक की गई। होली त्यौहार में हुड़दंगियों, जबरन रंग लगाने वालों और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नज़र रखने, संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग बढ़ाने, ड्रोन से निगरानी और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। द्वारा पुलिस लाईन ज्ञानपुर स्थित राजपत्रित अतिथि गृहका अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही की गरिमामयी उपस्थिति में जीर्णोद्धार किया गया। महोदय द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और महिला पुलिसकर्मियों की गश्त बढ़ाने के लिए थानों में मिशन शक्ति केंद्र पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों को 10 नई स्कूटी आवंटित की गई हैं। यह कदम विशेष रूप से महिला पुलिस द्वारा 'एंटी-रोमियो स्क्वाड' और 'महिला बीट' प्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिससे गश्त में तेजी आ सके। बैठक में अपराध नियंत्रण को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस को लगातार सक्रिय रहने के लिए कहा गया। हत्या, लूट और डकैती जैसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करेंगे। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिले में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें पुलिस कंट्रोल रूम से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं। त्योहारों के दौरान सुरक्षा और गश्त की व्यवस्था बैठक में निर्देश दिए गए कि होली के दिन निकलने वाले प्रत्येक जुलूस के साथ बॉक्स फॉर्मेशन में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। साथ ही, सुरक्षा की दृष्टि से जुलूस के मार्ग में छतों पर भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए। इसके अलावा, सादे कपड़ों में भी पुलिस बल को तैनात किया जाए। ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की जाए और उसमें प्रबुद्ध वर्ग एवं धर्मगुरुओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।त्योहारों के दौरान असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए और उनके खिलाफ समय से पहले ही निरोधात्मक कार्रवाई की जाए। त्योहारों के अवसर पर किसी भी नई परंपरा की शुरुआत न होने दी जाए ताकि शांति और सौहार्द बना रहे। त्योहारों के दौरान निकलने वाले सभी जुलूसों को सकुशल संपन्न कराने के लिए उनके निर्धारित मार्गों का पूर्व निरीक्षण किया जाए और सुरक्षा व्यवस्था का पूरा खाका तैयार किया जाए। भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रमुख मंदिरों, मेलों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस की गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए ताकि माहौल पूरी तरह से नियंत्रित रहे। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि वर्तमान समय में यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड और अन्य स्कूलों की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं, ऐसे में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के तनाव से बचाने के लिए लाउडस्पीकरों की ध्वनि पर नियंत्रण रखा जाए। धार्मिक स्थलों, बारात, जागरण और अन्य कार्यक्रमों में लाउडस्पीकर बजाने के समय और ध्वनि स्तर को नियंत्रित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई में कोई बाधा न हो और वे अपनी परीक्षाओं पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर सकें। प्रभारी स्थानीय अभिसूचना इकाई प्रभारी यातायात प्रभारी यू0पी0-112/अपराध शाखा (समस्त विंग) अग्नि शमन शाखा/ष्टष्टञ्जहस्/आरआई रेडियो डीसीआरबी महिला सेल/विशेष जाँच प्रकोष्ठ/सोशल मीडिया सेल/मानीटरिंग सेल/विधि प्रकोष्ठ/आईजीआरएस सेल/पासपोर्ट सेल सम्मन सेल/न्यायिक सम्मन सेल/नारकोटिक सेल/बाल किशोर सेल/जन सूचना सेल/शिकायत प्रकोष्ठ जनसुनवाई ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी/फील्ड यूनिट/चुनाव सेल/ सोशल मीडिया सेल/ प्रभारी आंकिक एवं समस्त शाखा प्रभारी उपरोक्तानुसार अनुपालनार्थ एवं समय से अपनी सूचनाओं के साथ गोष्ठी में उपस्थित हुए।